Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 9

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा जल्दी वापसी करेंगे — खेल

8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी जंग : दीपिका और रणवीर के काम करने के तरीके ... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • सोमवार • 20 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 59 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री के खिलाफ चुनाव आयोग सख्त, कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव और 8 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम, 2021 तथा आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के तहत सभी संबंधित पक्षों को डिजिटल मंचों का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, किसी भी भ्रामक या कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तैयार अथवा छेड़छाड़ की गई सामग्री पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को तीन घंटे के भीतर कार्रवाई करनी होगी। साथ ही, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और प्रचार से जुड़े प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम रूप से तैयार या परिवर्तित सामग्री को स्पष्ट रूप से 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित' या 'डिजिटल रूप से परिवर्तित' के रूप में चिह्नित किया जाए और उसके स्रोत की जानकारी भी दी जाए। आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान सोशल मीडिया सामग्री की निगरानी की जा रही है। आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली, कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली या मतदान प्रक्रिया को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने वाली सामग्री पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

"नारी शक्ति वंदन अधिनियम" पर कांग्रेस ने किया 'पाप', सजा भुगतनी होगी: सर्वानंद सोनोवाल

रांची। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष ने जो रुख अपनाया है, वह महिलाओं के खिलाफ है और इसके लिए उन्हें राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। रविवार को रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सोनोवाल ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां हमेशा महिलाओं को सीमित दायरे में रखती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए महिला नेतृत्व केवल इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी तक ही सीमित है, जबकि अन्य महिलाओं को उचित स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने "सेवक" के रूप में देश की सेवा की है और हर वर्ग की महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसी पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। सोनोवाल ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से विशेष सत्र बुलाया,

लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इस प्रयास का विरोध कर महिलाओं का अपमान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का रवैया नारी समाज के प्रति अनादर दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के रहते देश में महिलाएं सुरक्षित हैं और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित है। उन्होंने विपक्ष पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब संवैधानिक अधिकार देने की बात आती है, तो विपक्ष पीछे हट जाता है। सोनोवाल ने परिसीमन के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा कि देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए संसदीय क्षेत्रों का पुनर्गठन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज एक सांसद को औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ रहा है, ऐसे में परिसीमन समय की मांग है। उन्होंने झारखंड सरकार की "मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना" को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि यह केवल दिखावटी योजना है, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की वास्तविक भागीदारी बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर बिहार की पूर्व मंत्री और जमुई की विधायक श्रेयसी सिंह ने भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विशेष सत्र बुलाकर इस अधिनियम को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष ने मतदान में हिस्सा नहीं लेकर महिलाओं के सशक्तिकरण के खिलाफ अपनी मंशा जाहिर कर दी। श्रेयसी सिंह ने कहा कि यह कानून केवल किसी एक दल की महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की सभी महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगा। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे केवल नारेबाजी तक सीमित रहना चाहते हैं और वास्तविक सशक्तिकरण से बचते हैं। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा, रांची की महापौर रोशनी खलखो, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, वरिष्ठ नेत्री सीमा शर्मा और प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

झारखंड में भीषण गर्मी का कहर, डाल्टनगंज में पारा 43 डिग्री के पार, कई जिलों में लू का अलर्ट

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। रविवार को डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान रहा। वहीं जमशेदपुर और सरायकेला में भी पारा 41 डिग्री के पार दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 20 और 21 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में लू चलने की संभावना जताई है और इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही विभाग ने 24 और 25 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना भी व्यक्त की है। जिन जिलों में बारिश के आसार हैं, उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज शामिल हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप के कारण लोगों को प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ा।

राजधानी में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 2 डिग्री अधिक है। अन्य प्रमुख शहरों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 39.5 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 39.8 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है।

ओरछा के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में शुरू की गई है पुष्पक विमान सुविधा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी, भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में पुष्पक विमान की सुविधा शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजधानी भोपाल के के स्टेट हैंगर से "पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा" के अंतर्गत नए सेक्टर 'भोपाल-चंदेरी-ओरछा' का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्य प्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। आज भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं।

गजराज का कहर : युवक को पटक कर मार डाला, सड़क जाम

एजेंसी, कोडरमा

सतगावां प्रखंड में जंगली हाथियों के बढ़ते आतंक और वन विभाग की उदासीनता के खिलाफ रविवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने गया-देवघर मुख्य मार्ग को कटैया मोड़ के पास जाम कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों का झुंड पिछले कई दिनों से इलाके में उत्पात मचा रहा है, लेकिन विभाग सुरक्षा के ठोस कदम उठाने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है।हादसे की भयावहता तब बढ़ गई जब शनिवार रात हाथियों ने कटैया गांव के 30 वर्षीय युवक मोहित कुमार को पटक-पटक कर मार डाला। मोहित अपने परिवार का इकलौता सहारा था। इससे पूर्व शुक्रवार की रात गजहर गांव में हाथियों ने संजू देवी के घर का दरवाजा

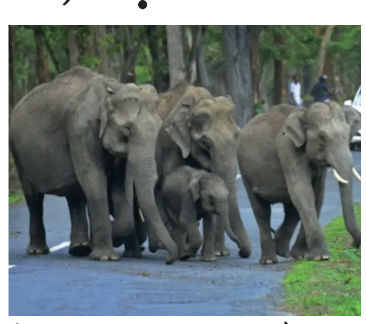

तोड़कर अनाज चट कर दिया और संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचाया। लगातार हो रही इन घटनाओं से पूरे प्रखंड में दहशत है। सड़क जाम की सूचना पर पहुँचे अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे और हाथियों को आबादी से दूर खदेड़ने का आश्वासन देकर जाम हटवाया।

बापू टावर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्थायी विरासत और प्रदर्शों का प्रमाण है: मुख्यमंत्री

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज गर्दनीबाग में बापू टावर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के भूतल, प्रथम, द्वितीय, तीसरा तल, चौथा एवं पांचवें तल पर जाकर विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शों का अवलोकन किया और वहां की व्यवस्थाओं आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बापू टावर पहुँचकर वहां स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने भूतल पर ही बनाये गये ओरियेंटेशन हॉल में टर्न

टेबल थियेटर शो (रोटेटिंग पर्दे) का जायजा लिया। बापू टावर के विभिन्न तलों एवं निर्मित 5 रैम्पों के निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को गांधी जी के जीवन से संबंधित सभी जानकारियां, म्यूरल, कटआउट, स्क्रीन प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से प्रदर्शों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। भवन निर्माण विभाग के सचिव ने बताया कि बापू टावर में भ्रमण हेतु स्कूली बच्चे और ग्रुप में आनेवाले लोगों को निःशुल्क प्रवेश की अनुमति है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, बापू के आदर्शों को आमजन में स्थापित करने हेतु कार्यों के प्रदर्शन के लिये दीर्घा, अनुसंधान केन्द्र, आगंतुक सुविधायें एवं अन्य संरचनाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विभिन्न डिजिटलाइज्ड प्रदर्शों का भी अवलोकन किया। शिक्षा विभाग के द्वारा सभी विद्यालयों में वाचन हेतु तैयार किताब 'बापू की पाती' एवं 'मोहन से महात्मा' को भी डिजिटल रूप में बच्चों की सुलभ जानकारी हेतु प्रदर्शित किया गया है जिसका मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के प्रदशों का अवलोकन करते हुये कहा कि गर्दनीबाग में बनाये गये बापू टावर महात्मा गांधी के स्थायी विरासत और प्रदर्शों का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री धामी का ऐलान, शिक्षा बोर्ड का पाठ्यक्रम न पढ़ाने वाले मदरसे होंगे बंद

एजेंसी, हरिद्वार । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान मदरसा शिक्षा को लेकर बड़ा और सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में संचालित सभी मदरसों में अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के निर्धारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही राज्य का मदरसा बोर्ड भंग कर नया प्राधिकरण लागू करने बात कही है। मुख्यमंत्री धामी रविवार को यहां अखण्ड परम धाम में स्वामी परमानंद गिरि के संन्यास दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से संचालित मदरसा बोर्ड को भंग कर दिया गया है।

तमिलनाडु चुनाव: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेनकासी में किया रोड शो, द्रमुक सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

एजेंसी, तेनकासी

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र तेनकासी जिले के वासुदेवनल्लूर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आनंदन अय्यासामी के समर्थन में रोड शो किया। पुलियंगुडी सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय से चिंतामणि बस स्टैंड तक निकले इस रोड शो में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रोड शो के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि द्रमुक ने तमिलनाडु के लोगों के साथ विश्वासघात किया है और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़

चुकी है। अपराध, बच्चों के खिलाफ हिंसा और दलितों पर अत्याचार में वृद्धि हुई है, जिसके लिए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन जिम्मेदार हैं। राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्री और विधायक विभिन्न घोटालों में लिप्त हैं, जिनमें आय से अधिक संपत्ति, अवैध रेत खनन और अन्य गंभीर आरोप शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि अवैध रेत खनन से हजारों करोड़ रुपये की लूट हुई है और राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कल्लाकुरिची में अवैध शराब से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार की लापरवाही का नतीजा है। राज्य में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है, जिससे लोगों की जान खतरे में है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने पर शराब माफिया पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। धार्मिक मुद्दों पर भी उन्होंने द्रमुक पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी आस्थाओं का अपमान करती रही है। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयानों से सनातन धर्म के प्रति उनकी सोच स्पष्ट होती है।

महिला आरक्षण विधेयक पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का विपक्ष पर हमला

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के आरक्षण का अपमान किया गया है और यह महिलाओं के साथ धोखा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि ये पार्टियां इस मुद्दे पर खुशी मनाती दिखीं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी बहन सांसद बन सकती हैं, लेकिन अन्य महिलाओं को अवसर देने में कांग्रेस की मंशा स्पष्ट नहीं है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार विधानसभा में वर्तमान में केवल 29 महिला विधायक हैं, जबकि महिला आरक्षण पूरी तरह लागू होने पर यह संख्या बढ़कर 122 तक पहुंच सकती थी। उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों और उनकी राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा अहम मुद्दा बताया। उन्होंने पंचायत स्तर पर लागू 50 प्रतिशत आरक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बावजूद करीब 59 प्रतिशत महिलाएं चुनाव जीत रही हैं, जो नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी और क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देशभर की महिलाओं के हित में काम कर रही है, जबकि कुछ

बोले- नारी शक्ति के साथ हुआ धोखा

दल परिवारवाद तक सीमित हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कभी महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब जब इस दिशा में पहल हो रही है, तो वह इसका विरोध कर रही है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर दलित और आदिवासी हितों की अनदेखी का भी आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) इस मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट है और महिला आरक्षण का विरोध करने वालों के खिलाफ देशभर में आवाज उठाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार नारी शक्ति को आरक्षण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि 17 अप्रैल को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन सरकार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सकी, जिसके चलते यह विधेयक पारित नहीं हो पाया।

भारत से 100 रुपये से अधिक के सामान पर लगेगी कस्टम ड्यूटी, नेपाल के सत्तारूढ़ सांसदों ने जताया विरोध

एजेंसी, काठमांडू । भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने पर अनिवार्य रूप से सीमा शुल्क (कस्टम) लगाने के नेपाल सरकार के निर्णय पर सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने ही असंतोष जताया है। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के सांसदों का कहना है कि इस फैसले से सीमावर्ती क्षेत्रों के आम लोगों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस निर्णय के विरोध में मधेश के युवाओं के एक समूह ने आज काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन भी किया। सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए आरएसपी के कुछ सांसद रविवार को गृहमंत्री सुदन गुरूंग से मिले और इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। मधेश से निर्वाचित आरएसपी के सांसद तपेश्वर यादव ने बताया कि उन्होंने सीमा नाकों को तुरंत सुचारु बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच 'रोटी-बेटी' का ऐतिहासिक संबंध है। सरकार के इस कठोर निर्णय से आम जनता प्रभावित हो रही है, इसलिए इस पर पुनर्विचार जरूरी है। तस्करी पर रोक लगनी चाहिए, लेकिन इसके नाम पर व्यक्तिगत उपयोग के लिए सामान लाने वाले नागरिकों को परेशान करना उचित नहीं है।

ईरान का रुख साफ, अमेरिका उसके बंदरगाहों से हटे तभी खुलेगा होर्मुज

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर गहराया संकट निकट भविष्य में हल होता नहीं दिख रहा। दुनिया ईरान और अमेरिका से जल्द ही इस मसले को सुलझाने की अपील करते-करते हार चुकी है। दूसरे दौर की बातचीत के करीब आए दोनों देशों के बीच अविश्वास और मतभेदों का दायरा और बढ़ गया है। ईरान ने काफी हद तक अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ईरान ने बिना लाग लपेट के कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को तभी खोलेगा, जब अमेरिका की सेना उसके बंदरगाहों की घेराबंदी खत्म कर लौट जाएगी। अल जजीराऔर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के

अनुसार, ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि अमेरिका के साथ आमने-सामने की बातचीत के नए दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने हठधर्मिता के लिए वाशिंगटन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने साफ किया कि अगर अमेरिका चाहता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुले तो उसे सबसे पहले हमारे बंदरगाहों की घेराबंदी खत्मकर सेना को लौटने का आदेश देना होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जब तक समझौता नहीं होगा, तब तक ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन तेहरान के किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा। खतीबजादेह ने तुर्किये के अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में पत्रकारों से कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच अगले दौर की बातचीत के लिए कोई भी तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ''अभी तक हम आपसी समझ का ढांचा तय करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस पर सफलता मिलने पर अगले कदमों की घोषणा होगी। अगर अमेरिका अतिवादी रवैया न अपनाता तो समझौता काफी पहले हो जाता।'' उन्होंने कहा, ''ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में ही अमेरिका से कोई समझौता करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जेपीएससी परीक्षा की पहली पाली शांतिपूर्ण सम्पन्न

रांची, एजेंसी। रांची में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (पीटी)-2025 की पहली पाली रविवार को पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हो गई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक हुई, वहीं दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शुरू होगी, जो शाम पांच बजे तक चलेगी। कुल 103 पदों के लिए यह परीक्षा आयोजित कि जा रही है। इस परीक्षा में लगभग 2 लाख 18 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। इसके लिए झारखंड के सभी 24 जिलों में करीब 560 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में परीक्षा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। जेपीएससी पीटी परीक्षा दो प्रश्नपत्रों में आयोजित की जा रही है। सामान्य अध्ययन पत्र-एक और पत्र-दो, दोनों ही 200-200 अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 100-100 वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जा रहे हैं। हर पेपर के लिए दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है। जेपीएससी की पीटी परीक्षा के दौरान इस बार सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी देखने को मिली। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच की जा रही थी, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

सरायकेला खरसावां में धूलोट और महाप्रसाद के साथ संपन्न हुआ अखंड हरि नाम यज्ञ

राजनगर, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत राजनगर प्रखंड क्षेत्र के डुमरडीहा सुपुलडीह में श्री श्री हरि नाम संकीर्तन समिति के तत्वावधान में आयोजित अष्टम प्रहर श्री श्री राधा गोविंद अखंड जुगल नाम यज्ञ रविवार को धूलोट और महाप्रसाद वितरण के साथ भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिनमें नेपाली बारीक टांगरानी, राम लखन राउत (कोलाबाड़िया), भंडु महतो (पांड्रा), सनातन कैवर्त (चोपड़ा विक्रमपुर), अर्जुन मास्टर (केंदुमुंडी महिला संप्रदाय) तथा पुणे चंद्र साहू एवं छुटू महतो (डुमरडीहा सुपुलडीह) प्रमुख रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में छुटु राम महतो, पूर्ण चंद्र साहू, बलराम कैवर्त, अजीत कुमार महतो, सुभाष महतो, जगन्नाथ कैवर्त, राजेंद्र महतो, कमल कैवर्त, सुकेश कैवर्त, सचिंद्र महतो, सचिन महतो, अजय महतो, समीर महतो, सिद्धेश महतो, राजकुमार महतो, आलोक सिमली, मनोज महतो, सनत महतो, परशुराम महतो, कांग्रेस महतो, मोतीलाल महतो, आनंद महतो, रंग लाल महतो का सराहनीय योगदान रहा।

बेटी की शादी में खर्च करने थे लाखों, इसलिए पिता ने चुना अफीम का रास्ता !

पलामू, एजेंसी। जिला के मनातू में एक व्यक्ति अफीम बेचकर अपनी बेटी की भव्य तरीके से शादी करना चाहता था। पुलिस ने मनातू के केदल के रहने वाले शंकर सिंह के घर से पांच किलो 30 ग्राम अफीम की खेप को बरामद किया है। अफीम की इस खेप की कीमत करीब 20 लाख रुपये है। बता दें कि केदल गांव कुख्यात टीएसपीसी के जोनल कमांडर शशिकांत गंझू का गांव है। दरअसल, पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि केदल गांव में शंकर सिंह नामक व्यक्ति ने अवैध अफीम की बड़ी खेत जमा की है। इसी सूचना के आलोक में मनातू थाना के पुलिस ने छापेमारी करते हुए शंकर सिंह के घर से अफीम की खेप को बरामद किया है। पूछताछ के दौरान शंकर सिंह ने पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी भी दी। पुलिस की पूछताछ में शंकर सिंह ने बताया है कि उसने खुद से खेती करके अफीम की खेप जमा की है। मनातू थाना प्रभारी विक्की कुमार ने बताया कि शंकर सिंह ने खुद से अफीम की खेती की और इस खेप को तैयार किया। अफीम की खेप को कहां बेचा जाना था इसकी भी जानकारी पुलिस को मिली है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। शंकर सिंह अपनी बेटी की शादी भव्य तरीके से करना चाहता था जिस कारण उसने अफीम को जमा किया था। शंकर सिंह ने अपने घर के छज्जा के ऊपर अफीम की खेप को छुपाकर रखा था। पुलिस की छापेमारी में एएसआई सत्येंद्र कुमार समेत कई अधिकारी शामिल रहे।

धनबाद में एयरपोर्ट की मांग फिर तेज, सांसद ने केंद्र से की पहल की मांग

धनबाद, एजेंसी। कोयलांचल में लंबे समय से लंबित हवाई अड्डा निर्माण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक सक्रियता तेज हो गई है। धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात कर इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को जल्द शुरू करने की मांग उठाई है। इस दौरान उन्होंने मंत्री को एक विस्तृत अनुस्मारक पत्र भी सौंपा।सांसद ने अपने पत्र में धनबाद के तोपचांची क्षेत्र को 'हरित क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' के लिए उपयुक्त बताते हुए कहा कि यहां भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 1987 से बंद पड़े धनबाद हवाई अड्डा के कारण क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी बाधित है। जिससे औद्योगिक और शैक्षणिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ा है।इस पत्र में तोपचांची की कनेक्टिविटी को भी प्रमुखता से रखा गया है।

15 लाख का इनामी शहदेव महतो सहित चार नक्सली ढेर

चतरा-हजारीबाग बॉर्डर पर हुआ नक्सलियों का एनकाउंटर

रांची, एजेंसी। झारखंड के चतरा में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। चतरा और हजारीबाग बॉर्डर पर हुए भीषण मुठभेड़ में चार कुख्यात नक्सली मारे गए हैं। मारे गए चार नक्सलियों में 15 लाख का इनामी नक्सली शहदेव महतो और नताशा भी शामिल हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय सूत्रों ने चार नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। मुठभेड़ स्थल से दो एके 47 राइफल सहित कई हथियार बरामद किए गए हैं।

हजारीबाग पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर चतरा पुलिस और कोबरा कमांडो की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में 15 लाख रुपये के इनामी शहदेव महतो, महिला नक्सली नताशा, एरिया कमांडर बुधन करमाली और बुद्धदेव शामिल हैं। इनके पास से 2 एके 47, 1 इंसास और 1 कोल्ट्-क्र 15 राइफल बरामद हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, शहदेव महतो अपने साथियों के साथ हजारीबाग के केराडरी जंगल क्षेत्र से गुजर रहा था। हजारीबाग पुलिस को उनके मूवमेंट की सूचना मिलते ही चतरा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान शुरू कर दिया गया। अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए कोबरा कमांडो टीम को भी शामिल किया गया। नक्सली हजारीबाग की सीमा पार कर चतरा जिले के जंगल में पहुंच गए। इसी दौरान पुलिस टीम और नक्सलियों के बीच जंगल में आमना-सामना हो गया। दोनों तरफ से हुई तीव्र फायरिंग में चारों नक्सली मौके पर ही ढेर हो गए।

इस मुठभेड़ के बाद हजारीबाग जिला नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की सूची से बाहर हो गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हजारीबाग और चतरा में शहदेव महतो का दस्ता ही अंतिम बचा हुआ सक्रिय समूह था। इन चारों के मारे जाने के साथ ही हजारीबाग को नक्सल मुक्त घोषित किया जा सकता है।

मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। अब तक दो एके-47 राइफल समेत चार हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम आगे भी छिपे हुए अन्य नक्सलियों या हथियारों की तलाश में जुट गई है।

झारखंड पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईजी सीआरपीएफ साकेत सिंह ने चतरा-हजारीबाग सीमा पर हुए एनकाउंटर की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मारे गए चार नक्सलियों में तीन इनामी थे, जिनमें 15 लाख रुपये के इनामी शहदेव महतो, 10 लाख के इनामी रंजीत गंझू और 1 लाख की इनामी महिला नक्सली नताशा शामिल हैं, जबकि चौथा नक्सली बुधन (बुद्धदेव) था। आईजी साकेत सिंह ने कहा कि शहदेव महतो वर्ष 2014 में चाईबासा जेल ब्रेक में शामिल था, जहां से वह उम्र कैद की सजा काटते हुए फरार हो गया था। इस सफल मुठभेड़ में पुलिस या सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

एसआईआर पर आया झामुमो का बयान, विनोद पांडेय बोले- 'गरीब, आदिवासी और पिछड़ों का हक छीन रही है बीजेपी'

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में मतदाता सूची का एसआईआरके नाम पर 35 लाख से अधिक गरीब परिवारों के राशन कार्ड रद्द किए जाना कोई साधारण प्रशासनिक त्रुटि नहीं है बल्कि एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल एक बहाना है जबकि असल उद्देश्य गरीबों को उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित करना है। आज राशन कार्ड, कल पेंशन, परसों मंईयां सम्मान योजना और उसके बाद बिजली, शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं को भी समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि बीजेपी की नीति स्पष्ट है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा की जाए कि गरीब, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग वोट की ताकत के मामले में कमजोर हो जाएं और उन्हें मिलने वाली सरकारी सहायता खुद ही समाप्त हो जाए।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने आरोप लगाया कि झारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास के कार्यकाल में भी 10 लाख से अधिक राशन कार्ड रद्द किए गए थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि बीजेपी एक ही रणनीति को अलग-अलग राज्यों में दोहराने की कोशिश कर रही है।

मनोज पांडेय ने कहा कि यह केवल दस्तावेजों की जांच नहीं बल्कि यह लोगों के अस्तित्व पर प्रहार है। किसी परिवार का नाम सूची से हटता है, तो केवल एक कार्ड से नाम नहीं कटता, उस परिवार की रसोई बुझ जाती है। बुजुर्गों की पेंशन रुक जाती है और बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। जेएमएम नेता विनोद पांडेय ने कहा कि यह सब अत्यंत सुनियोजित और शांत तरीके से किया जा रहा है।

प्रेमी-प्रेमिका ने दी जान, अंतरजातीय प्यार पर सामाजिक दबाव पड़ा भारी !

हजारीबाग, एजेंसी। जिला में कटकमदाग थाना क्षेत्र के कूद गांव में हृदय विदारक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। लंबे समय से प्रेम संबंध में रह रहे एक युवक और युवती ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

मृतकों की पहचान कूद निवासी 26 वर्षीय धीरज कुमार (पिता राजेन्द्र गोप) और हुरहुरू निवासी 24 वर्षीय जया कुमारी (पिता मोहन ठाकुर, ठाकुर मोहल्ला) के रूप में की गई है। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, धीरज और जया के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन उनका संबंध अंतरजातीय होने के कारण दोनों के परिवार इस रिश्ते का लगातार विरोध कर रहे थे। पारिवारिक दबाव और सामाजिक बाधाओं के चलते दोनों मानसिक रूप से काफी परेशान थे। वहीं जया के परिवारवालों ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी और अगले कुछ दिनों में शादी होने वाली थी। इसे लेकर आशंका जताई जा रही है कि दोनों का तनाव काफी बढ़ गया होगा और उन्होंने यह कठोर कदम उठाया। इस घटना के संबंध में बताया जाता है कि शुक्रवार की दोपहर करीब 2:30 बजे जया घर से दवा लाने की बात कहकर निकली थी लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की और धीरज के घर पहुंचे। वहां भी धीरज की मां से कोई जानकारी नहीं मिली। इस बीच धीरज की मां ने अपने बड़े बेटे नीरज को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद नीरज घर पहुंचे और फिर दोनों परिवारों के लोग मिलकर तलाश में जुट गए। इसी दौरान जब वे लोग धीरज के नए घर पहुंचे, तो वहां का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक पहुंचे बासुकीनाथ धाम, बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना

दुमका, एजेंसी। झारखंड उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस महेश शरद चंद्र सोनक प्रसिद्ध तीर्थ स्थान फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचे और सपरिवार भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। चीफ जस्टिस को बासुकीनाथ धाम मंदिर में उनके पुरोहितों द्वारा विधि विधान पूर्वक समस्त देवी देवताओं का पूजा अर्चना कराया गया। साथ ही जनकल्याण के लिए उन्होंने भोलेनाथ की मंगल आरती भी की।

इस दौरान मंदिर की सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई थी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें मंदिर में दर्शन पूजन कराया गया। चीफ जस्टिस के बासुकीनाथ आगमन पर वन विभाग के विश्रामागार परिसर में दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने बुके देकर स्वागत किया तथा प्रशासन की ओर से गॉड ऑफ ऑनर दिया गया।

वहीं, पूजा अर्चना के बाद चीफ जस्टिस को भेंट स्वरूप बाबा का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बाबा बासुकीनाथ झारखंड वासियों सहित समस्त देशवासियों का कल्याण करें। मौके पर उपयुक्त दुमका अभिजीत कुमार सिंहा, पुलिस अधीक्षक दुमका पीतांबर सिंह खरवार, मंदिर प्रभारी साथी जिला और स्थानीय प्रशासन विधि व्यवस्था में तत्पर नजर आए।

बासुकीनाथ में वन विभाग के रेस्ट हाउस में पूजा-अर्चना और हल्के नाश्ते के बाद भक्त बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुए। चीफ जस्टिस के पहुंचने पर जिला प्रशासन द्वारा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को काफी चुस्त दुरुस्त की गई थी।

पुलिस ऐसा काम करे कि हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करने की जरूरत न पड़े: राजेश ठाकुर

बोकारो, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अपनी ही सरकार की पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। उन्होंने पुष्पा हत्याकांड में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप का उदाहरण दिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पुलिस को ऐसा काम करना चाहिए, ताकि कोर्ट को हस्तक्षेप करने की जरूरत न पड़े, लेकिन यहां तो जब तक कोर्ट का निर्देश नहीं आता है, तब तक पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। उन्होंने कहा कि बोकारो में सिर्फ पुष्पा हत्याकांड का ही मामला नहीं, बल्कि कई ऐसे मामले हैं जिसका उद्भेदन अब तक नहीं हो पाया है। पुष्पा हत्याकांड में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद बोकारो पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और उसके बाद पुलिसकर्मियों के निलंबन को लेकर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बोकारो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पुष्पा हत्याकांड में अगर हाईकोर्ट को दखल देना पड़ रहा है, तो यह कहीं न कहीं पुलिस-प्रशासन पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि कई बच्चे लापता हैं। हेल्थ विभाग के लापता कर्मी संतोष कुमार का आज तक कोई पता नहीं चल सका है। कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने यह भी कहा कि कई मामलों में तब तक कार्रवाई नहीं होती, जब तक हाईकोर्ट का निर्देश नहीं आता है।

बैंकॉक में झारखंड का जलवा, वर्ल्ड मास्टर स्पोर्ट्स में जीते 10 गोल्ड और 4 ब्रॉन्ज मेडल

रांची, एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में 17 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित वर्ल्ड मास्टर स्पोर्ट्स खेलकूद प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। अब तक झारखंड के खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 10 गोल्ड और 4 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं। इस उपलब्धि से खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मेरी मंजनी (55+) ने लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप और हाई जंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं, अशोक महतो (65+) ने लॉन्ग जंप, 50 मीटर दौड़ और 100 मीटर दौड़ में अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। लक्ष्मण राम (55+) ने डिस्कस थ्रो और जैवलिन थ्रो में दो गोल्ड मेडल जीते। जबकि लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल हासिल किया। इसी तरह दशरथ महतो (65+) ने 400 मीटर दौड़ और जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

महिला वर्ग में अनु सिंह ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप और हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर झारखंड और देश का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि झारखंड के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का दम दिखाने में सक्षम हैं।

झारखंड मास्टर एथलेटिक्स के सचिव लक्ष्मण राम ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में भी इसी तरह देश का नाम रोशन करते रहेंगे।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों का प्रदर्शन न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों की इस सफलता से आने वाले समय में अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ेगा।

ऑपरेशन संरक्षा: रांची रेलवे स्टेशन से प्रतिबंधित पटाखा बरामद, शराब तस्कर भी दबोचे गए

रांची, एजेंसी। रांची रेलवे स्टेशन आरपीएफ की सतर्कता की वजह से प्रतिबंधित पटाखे रखने वाले और शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरपीएफ के विशेष चेकिंग अभियान के तहत पकड़े गए हैं।

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन से ऑपरेशन 'संरक्षा' के तहत प्रतिबंधित पटाखा बरामद किया है। आरपीएफ के मंडलीय सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची द्वारा ऑपरेशन 'संरक्षा' के अंतर्गत रांची रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार स्थित लगेज स्कैनर पर सघन जांच के दौरान एक यात्री संदिग्ध वस्तु के साथ पाया गया।

पूछताछ के क्रम में उसकी पहचान पंकज कुमार (आयु 24 वर्ष), निवासी पलामू (झारखंड) के रूप में हुई। उसके दो बैग की तलाशी लेने पर कुल 09 पैकेट पटाखे बरामद किए गए। उक्त पटाखे ज्वलनशील होने के कारण रेलवे परिसर में ले जाना प्रतिबंधित है। इसके संबंध में अभियुक्त कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। जिसके बरामद सामग्री को विधिवत जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट रांची में धारा 164 रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वहीं, आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट बल ने रांची रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18622 में एक संदिग्ध व्यक्ति को चिन्हित किया गया। जांच के क्रम में उक्त व्यक्ति के बैग की तलाशी लेने पर कुल 17 बोतल अवैध शराब बरामद की गई।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपना नाम रंजीत कुमार (आयु 36 वर्ष), निवासी धनबाद बताया। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति उक्त शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका तथा अवैध बिक्री हेतु इसे ले जाने की बात स्वीकार की। तत्पश्चात अभियुक्त को गिरफ्तार कर बरामद सामग्री को जब्त कर लिया गया।

सीआरपीएफ एसडीजी पहुंचे सारंडा, नक्सल विरोधी अभियान अब निर्णायक मोड़ पर

चाईबासा, एजेंसी। सारंडा के घने जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। शनिवार को सीआरपीएफ के स्पेशल डायरेक्टर जनरल (स्ष्ठत्र) दीपक कुमार बालिबा कैंप पहुंचे और स्पष्ट संकेत दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले एक महीने में अभियान को ठोस परिणाम तक पहुंचाया जाएगा।

हेलिकॉप्टर से बालिबा पहुंचे स्ष्ठत्र दीपक कुमार का स्वागत सीआरपीएफ 193 बटालियन कैंप में किया गया। इस दौरान आईजी साकेत कुमार, एसटीएफ आईजी अनूप बिरथरे, डीआईजी रांची सतीश लिंडा, सीआरपीएफ डीआईजी विनोद कार्तिक, कमांडेंट ओम जी शुक्ला, द्वितीय कमान अधिकारी (अभियान) उमेश कुमार, एसपी अमित रेनू और मनोहरपुर डीएसपी जयदीप लकड़ा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। करीब दो घंटे चली बैठक में ऑपरेशन की रणनीति, फोर्स की तैनाती और आगे की कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की गई।

मीडिया से बातचीत में एसडीजी दीपक कुमार ने शीर्ष नक्सली कमांडर मिसिर बेसरा का जिक्र करते हुए कहा कि उसके पास आत्मसमर्पण का विकल्प खुला है। उन्होंने साफ किया कि यदि वह अपने साथियों और हथियारों के साथ सरेंडर नहीं करता है, तो सुरक्षा बल कड़ी कार्रवाई करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक अब तक चल रहे अभियान को और तेज किया जाएगा। सुरक्षा बल अब इंतजार की स्थिति में नहीं हैं और जल्द ही सघन सर्च ऑपरेशन के जरिए नक्सलियों पर दबाव बढ़ाया जाएगा। संकेत हैं कि आने वाले दिनों में कार्रवाई और आक्रामक हो सकती है।

रांची में वाहन चालकों पर 74 करोड़ ट्रैफिक चालान बकाया

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक साल में कुल 84 करोड़ रुपए का चालान काटा गया है। हैरानी की बात यह है कि इसमें से केवल करीब 10 करोड़ रुपये ही अब तक जमा हो पाए हैं, शेष लगभग 70 करोड़ रुपये की राशि अब भी बकाया है, जो ट्रैफिक विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। अब ऐसे मामलों को लेकर वाहन जब्ती की कारवाई शुरू की जाएगी।

राजधानी रांची में ट्रैफिक नियमों की उल्लंघन करने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर दो पहिया वाहन चलाने वाले लोग जमकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ट्रैफिक विभाग के अनुसार दोपहिया, चारपहिया और व्यावसायिक वाहन चालकों का बकाया करोड़ो में पहुंच चुका है।

चालान की राशि जनवरी से दिसंबर 2025 की है। अब ट्रैफिक पुलिस बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। उनके वाहनों को पुलिस जब्त करेगी। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रथम चरण में ट्रैफिक पुलिस बकायेदारों को जुर्माने की राशि जमा करने के लिए नोटिस भेजा जाएगा। नोटिस में दिए गए समय में जुर्माना नहीं भरते हैं तो ऐसे चालकों की गाड़ियों को पुलिस जब्त करेगी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बार-बार नोटिस देने के बावजूद चालान नहीं भरने वालों के वाहन जब्त किए जा सकते हैं। इसके लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है, जिसमें सड़कों पर चेकिंग बढ़ाई जाएगी और बकायेदारों की पहचान कर मौके पर कार्रवाई होगी।

ट्रैफिक विभाग ने चालान जमा करने के लिए ऑनलाइन और डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध करसुविध। इसके बावजूद लोग समय पर भुगतान नहीं कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि भुगतान प्रक्रिया आसान होने के बावजूद लापरवाही बरती जा रही है।

सख्ती के साथ-साथ ट्रैफिक पुलिस जागरूकता अभियान भी चला रही है। लोगों को नियमों का पालन करने और समय पर चालान जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाकर नियमों की जानकारी दी जा रही है।

नोवामुंडी में मां काली मंदिर के पास सड़क हादसा

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना क्षेत्र में मां काली मंदिर के पास शनिवार को एक सड़क हादसे में स्कूटी चला रही महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब एक बच्चा अचानक सड़क पार करने लगा और स्कूटी की चपेट में आ गया, जिससे स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे के तुरंत बाद मंदिर के पुजारी और कांग्रेस पार्टी के महुदी पंचायत अध्यक्ष सुरेश प्रजापति ने जल्दीबाजी दिखाते हुए दोनों घायलों को सड़क से उठाया। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी गाड़ी से दोनों को तत्काल टिस्को अस्पताल पहुंचाया, जिससे समय पर इलाज संभव हो सका। उनके इस अच्छे काम की स्थानीय लोग सराहना कर रहे हैं।

घायलों की पहचान बसंती बेहरा उर्फ जुली (निवासी लखनसाई कुमार टोली) के रूप में हुई है। बच्चे को मुंह के बल गिरने के कारण हल्की चोटें आई हैं, जबकि महिला के कंधे में चोट लगी है।

तीनपहाड़ स्टेशन पर चोरी के तीन महंगे मोबाइल संग युवक गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

तीनपहाड़। बरहरवा द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान में अहम सफलता मिली है। शनिवार को तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन से एक युवक को चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया।आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें सीपीडीएस के सहायक उपनिरीक्षक बबूल दास, कांस्टेबल अमन कुमार, नितेश कुमार, शिवम कुमार सिंह तथा आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के सहायक उपनिरीक्षक सुरेश पासवान, कांस्टेबल चंदन कुमार राम और सतीश कुमार शामिल थे स्टेशन परिसर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया।

पूछताछ में संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल चार मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें एक उसका निजी फोन था, जबकि तीन महंगे मोबाइल चोरी के पाए गए। सभी मोबाइल बिना सिम कार्ड के थे और उनके संबंध में वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।गिरफ्तार युवक की पहचान आनंद कुमार महतो (22 वर्ष), निवासी साहिबगंज के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने ये मोबाइल यात्रियों से चोरी किए थे और उन्हें बेचने के उद्देश्य से तीनपहाड़ आया था।बरामद मोबाइल में सैमसंग एस-25 अल्ट्रा 5जी, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 13 शामिल हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 25 हजार 999 रुपये बताई जा रही है।आरपीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार कर जब्त मोबाइल फोन के साथ आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी बरहरवा को सौंप दिया है। जीआरपी बरहरवा ने आरपीएफ की लिखित शिकायत पर कांड संख्या 18/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेपीएससी परीक्षा संपन्न, सभी केंद्रों पर रही प्रशासन की मुस्तैदी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज।जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को जेपीएससी परीक्षा दो पालियों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई।परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर प्रशासनिक और पुलिस बल की कड़ी निगरानी रही। सदर एसडीओ अमर जॉन आइंद, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, एसडीपीओ किशोर तिर्की, मजिस्ट्रेट प्रमोद आनंद, इंस्पेक्टर सह नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।परीक्षा केंद्रों के बाहर स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस के साथ तैनात रही, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी।हालांकि, कुछ परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र ढूंढने में परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि कई केंद्रों का स्पष्ट पता अंकित नहीं था। गूगल मैप पर भी कुछ स्कूलों की लोकेशन उपलब्ध नहीं होने से विद्यार्थियों को कठिनाई हुई, जिसमें राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, सीएम एक्सीलेंस स्कूल और अपग्रेड नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय शामिल रहे।

इसके बावजूद परीक्षा शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त और सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रशासनिक सतर्कता और समन्वय के कारण पूरे जिले में परीक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रही।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। ज़िला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में चल रहे डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट के तहत रविवार को तीसरे सेमीफाइनल का पहला मैच संत जेवियर स्कूल ए बनाम संत जेवियर स्कूल बी जबकि दूसरा मैच बोरियो सुपरकिंग बनाम जवाहर नवोदय के बीच खेला गया। पहले मैच में संत जेवियर स्कूल बी 15.4 ओवर में 89 रन बना कर ऑल आउट हो गई। देवांशु राज ने 14, अमित ने 12 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल ए के गेंदबाज मो जुनैद, सूरज ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर स्कूल ए की टीम ने 15.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 90 रन बना कर 4 विकेट से मैच जीत लिया। अमूल कुमार ने 33 व आदित्य ज्ञान ने नाबाद 41 रन की पारी खेली। संत जेवियर बी के गेंदबाज अमित राज, अभिज्ञान, केशव व अन्य ने एक-एक विकेट लिए। संत जेवियर स्कूल ए के खिलाड़ी मो जुनैद को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि पीयूशम कुमार सिंह ने मो जुनैद को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 11.5 ओवर में 60 रन बना कर ऑल आउट हो गई। अकेले निशांत ने नाबाद 24 रन की पारी खेली। बोरियो सुपर किंग के गेंदबाज आदित्य कुमार मंडल ने 6 व सावन कुमार ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बोरियो सुपर किंग ने 01 विकेट के नुकसान पर 5.1 ओवर में 62 रन बना कर 9 विकेट से जीत हासिल की। नवोदय विद्यालय के गेंदबाज प्रीताम ने एकमात्र विकेट लिया। बोरियो सुपरकिंग के खिलाड़ी आदित्य मंडल को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ज़िला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने आदित्य मंडल को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम, मो हयात व तारिक अनवर जबकि स्कोरिंग मो अनाउल्लाह व श्याम रंजन तिवारी ने किया। टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि सोमवार को तीसरे सेमीफाइनल में पहला मैच संत जेवियर्स बी बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय जबकि दूसरा मैच संत जेवियर ए बनाम बोरियो सुपर किंग के बीच खेला जाएगा।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया, निकली भव्य शोभा यात्रा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। शहर के मारवाड़ी ब्राह्मण छोटी धर्मशाला में रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री परशुराम अखाड़ा और मारवाड़ी ब्राह्मण पंचायत समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत धर्मशाला परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान परशुराम के पूजन और ध्वजारोहण से हुई। इसके पश्चात शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो चौक बाजार, पटेल चौक, स्टेशन चौक, कॉलेज रोड होते हुए पूर्वी फाटक और आरएपी सेंटर पहुंचकर संपन्न हुई।शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। कई श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में फरसा व तलवार लेकर चल रहे थे, वहीं भगवान परशुराम का रूप धारण किए एक युवक आकर्षण का केंद्र बना रहा।आरएपी सेंटर में आयोजित सामाजिक गोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। वे महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र थे तथा शस्त्र विद्या के महान ज्ञाता और परम शिवभक्त थे। धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने अधर्म के विरुद्ध संघर्ष किया और समाज में न्याय की स्थापना की।कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण और सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गणेश तिवारी, राजीव ओझा, श्रीकांत ओझा, अंकित पाण्डेय, मनोज झा, डब्लू ओझा, दिनेश पाण्डेय, संजय तिवारी, राजेश वर्मा, परमानंद उपाध्याय, भगवान जोशी, आलोक ओझा, बबलू तिवारी, कौशल किशोर ओझा, श्रवण शर्मा, रघुनाथ पारीक, देवाशीष पांडे, अमित भारती, अरविंद पांडे, सुमन झा, ज्योति मिश्रा, सोनी दुबे, कविता देवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुफस्सिल थाना कांड में तीन आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

साहिबगंज।मुफस्सिल थाना पुलिस ने दो अलग-अलग कांडों में कार्रवाई करते हुए तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, कांड संख्या 44/26 दिनांक 16 अप्रैल 2026 में धारा 126(2), 115(2), 109(1), 303(2), 352 एवं 3(5) BNS के तहत दर्ज मामले में मोहम्मद इरशाद और मोहम्मद विलशाद, दोनों पिता शेख सुलेमान, को गिरफ्तार किया गया है।

वहीं कांड संख्या 43/26 दिनांक 16 अप्रैल 2026 में धारा 126(2), 115(2), 109(1), 303(2), 351(2), 352 एवं 3(5) BNS के तहत दर्ज मामले में मोहम्मद मुजफ्फर, पिता मोहम्मद गुलाम सरवर, निवासी छोटी कुदर्जन्ना, थाना मुफस्सिल, जिला साहिबगंज को भी गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मुफस्सिल थाना कांड में नामजद आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना कांड संख्या 42/26 दिनांक 13 अप्रैल 2026 के प्राथमिक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद मुजीबुर रहमान, पिता अबु सईद, निवासी लाल बथानी सरपंच टोला, थाना मुफस्सिल, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है।उक्त मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 115(2), 109(1), 329(4), 352 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था।पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विश्व धरोहर दिवस पर छात्रों में दिखा उत्साह, चित्रांकन व निबंध प्रतियोगिता आयोजित

साहिबगंज।पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज में छात्र-उन्मुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन) प्रदीप दास के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।विश्व धरोहर दिवस की पूर्व संध्या पर 18 अप्रैल को चित्रांकन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने चित्रों व लेखों के माध्यम से ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का संदेश दिया। प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व धरोहर दिवस, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस भी कहा जाता है, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम संकट और आपदाओं के दौरान जीवित धरोहरों की सुरक्षा रही। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्व से अवगत कराया गया और इसके संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

दुर्गम आदिवासी इलाके में आनंद मार्ग का सेवा अभियान, सैकड़ों लोगों को कराया भोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज।आनंद मार्ग प्रचारक संघ द्वारा बोरियो प्रखंड के घोगी ग्राम पंचायत अंतर्गत दुर्गा टोला जैसे दुर्गम आदिवासी क्षेत्र में भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में सैकड़ों ग्रामीण महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लेकर भोजन ग्रहण किया।कार्यक्रम का नेतृत्व अवधूतिका विष्णुमाया आचार्या ने किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक दैनिकआवश्यकताओं को पहुंचाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है और मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।संस्था के जिला कार्यालय एवं वित्त प्रभारी प्रभाकर देव ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व में फैली अव्यवस्था का समाधान निःस्वार्थ सेवा से ही संभव है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना संस्था का कर्तव्य है।

जिला आश्रम प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि संस्था को प्राप्त सहयोग राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ जनकल्याण के कार्यों में किया जाता है। वहीं सुनीता कुमारी ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं के विकास के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना अधूरी है।

जिला प्रउत के भुक्ति प्रधान आशुतोष रंजन ने विश्व शांति का संदेश देते हुए कहा कि समानता और एकता से ही बेहतर समाज का निर्माण संभव है।बताया गया कि दुर्गा टोला तक पहुंचना अत्यंत कठिन है। ऊबड़-खाबड़ रास्तों और पहाड़ी क्षेत्र के कारण यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में आदिवासी ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए संस्था ने इस क्षेत्र को सेवा कार्य के लिए प्राथमिकता दी है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपा देवी, तेजस्विनी देव, सुभाषी देव, छोटी देव, सुब्रत देव, जयश्नु देव सहित अन्य कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा। संस्था द्वारा जिले में लगातार मानव सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा का हुआ औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं पाई गईं संतोषजनक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों में रविवार को साहिबगंज के डीसी के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान साहिबगंज कॉलेज, संध्या महाविद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं बड़ा पंचगढ़ विद्यालय का भ्रमण कर परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के क्रम में परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, अभ्यर्थियों की सुविधाएं एवं संपूर्ण परीक्षा संचालन प्रक्रिया की गहन समीक्षा की गई। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संचालित होती पाई गई।जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को परीक्षा की शुचिता, निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु निरंतर सतर्क रहने के निर्देश भी दिए गए।

गंगा स्नान के दौरान हादसाः युवक लापता, एक को बचाया गया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज।शहर के पुरानी साहिबगंज स्थित ओझा टोली के पास गंगा घाट पर स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। गंगा में नहाने गया एक युवक डूबकर लापता हो गया, जबकि दूसरे युवक को समय रहते बचा लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार के बांका जिला अंतर्गत रजौन थाना क्षेत्र के खजूर कर्मा गांव निवासी 19 वर्षीय निशांत कुमार अपने चचेरे भाई पीयूष कुमार और एक अन्य रिश्तेदार के साथ गंगा स्नान कर रहा था। इसी दौरान अचानक दोनों युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।घाट पर मौजूद एक टोटो चालक ने शोर मचाया, जिसके बाद पास में स्नान कर रहे एक व्यक्ति ने तत्परता दिखाते हुए पीयूष कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, तब तक निशांत कुमार गंगा की तेज धारा और गहरे पानी में लापता हो चुका था।घटना की सूचना मिलते ही रिवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से खोजबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि लापता युवक निशांत कुमार जिरवाबाड़ी स्थित अपने बहनोई के घर आया हुआ था।पुलिस द्वारा लगातार खोज अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

साहिबगंजः सिविल कोर्ट में ई-फाइलिंग व्यवस्था लागू, अधिवक्ताओं को दी गई प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। जिला व्यवहार न्यायालय, साहिबगंज में अब ई-कोर्ट के माध्यम से केस फाइलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस नई व्यवस्था को लेकर रविवार को सिविल कोर्ट परिसर स्थित लोक अदालत भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र कुमार मोहंती ने अधिवक्ताओं और उनके लिपिकों को ई-फाइलिंग प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार प्रधान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।मास्टर ट्रेनर विकास कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि अब अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक ई-फाइलिंग के माध्यम से ही केस और आवेदन न्यायालय में दाखिल कर सकेंगे। इसके लिए सभी अधिवक्ताओं को अपने मोबाइल फोन में ई-कोर्ट फाइलिंग ऐप डाउनलोड कर अपने नाम से पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम बनेगी। साथ ही समय की बचत होगी और कागजी प्रक्रिया में कमी आएगी।कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के सचिव विजय करण, मास्टर ट्रेनर संजय देव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक उपस्थित रहे। अंत में सचिव विजय करण ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से अधिवक्ताओं को तकनीकी रूप से सशक्त होने का अवसर मिलता है और उन्हें ई-फाइलिंग से संबंधित समस्याओं से राहत मिलेगी।

मंडल कारा परिसर में जेल अदालत सह विधिक शिविर आयोजित

♦ बंदियों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था : एलएडीसी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गोड्डा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह पीडीजे रमेश कुमार व सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर रविवार को मंडल कारा परिसर में जेल अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान डालसा की टीम ने बंदियों को कानूनी जानकारी दी। एलएडीसी अजीत कुमार ने कहा कि कानून की नजर में देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त है। सभी को न्याय पाने का बराबर संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। सभी को न्याय सुलभ कराने के उद्देश्य से पूरे देश में विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके तहत समाज के अभिवंचित वर्गों, महिलाओं, बंदियों को मुफ्त विधिक सेवा मुहैया कराया जा रहा है। आपको पैरवी के लिए अधिवक्ता मुहैया कराया जायेगा। विधिक सहायता से संबंधित मामले की सुनवाई को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लीगल एड डिफेंस काउंसिल का गठन किया गया है। ऐसे में विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए जेल प्रशासन के माध्यम से आवेदन देने की जरुरत है। जिन बंदियों ने विधिक सहायता के लिए आवेदन दिया है। उनका कार्य प्रगति पर है। इनमें से कई बंदियों को बेल मिल चुका है। इस दिशा में आवश्यक पहल करने की जरुरत है। जानकारी देने वाले एलएडीसी में राहुल कुमार, आयूष राज आदि शामिल थे।

मानगो में बनेगा स्लुइस गेट, बाढ़ से मिलेगी राहत : सरयू राय

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मानगो क्षेत्र के श्याम नगर के लिए राहत भरी खबर दी है। उन्होंने रविवार को बताया कि स्वर्णरेखा नदी के किनारे शंकोसाई स्थित श्याम नगर में उस स्थान पर स्लुइस गेट का निर्माण कराया जाएगा, जहां बरसात के दौरान नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर नाले के माध्यम से निचले इलाकों में घुसकर हर साल जलजमाव और बाढ़ की स्थिति पैदा करता है। सरयू राय ने बताया कि इस समस्या को देखते हुए उन्होंने स्वर्णरेखा परियोजना के मुख्य अभियंता के समक्ष स्लुइस गेट निर्माण का प्रस्ताव रखा था। इसके साथ ही मानगो पुल से लेकर गौड़ बस्ती तक नदी के किनारे को मजबूत करने की योजना भी सुझाई गई थी, ताकि कटाव रोका जा सके और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी हो। उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर स्वर्णरेखा परियोजना के मुख्य अभियंता ने इसे रांची स्थित जल संसाधन विभाग के अभियंता प्रमुख के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया है। प्रस्ताव के अनुसार, श्याम नगर में स्लुइस गेट निर्माण पर लगभग 2 करोड़ 38 लाख 60 हजार रुपये और मानगो पुल से गौड़ बस्ती तक नदी तट सुदृढ़ीकरण पर करीब 9 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च होंगे। सरयू राय ने कहा कि इस संबंध में उनकी बातचीत विभाग के अभियंता प्रमुख एम.एल. पिंगुआ से हुई है, जिन्होंने जल्द ही सरकार से स्वीकृति और राशि आवंटन का आश्वासन दिया है।

मंडल कारा में जेल अदालत के साथ स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चाईबासा में बंदियों को त्वरित न्याय और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल कारा परिसर में रविवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जेल अदालत के साथ-साथ स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। यह आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जेल अदालत के लिए गठित न्यायिक दंडाधिकारी मंजीत कुमार साहु की अध्यक्षता में बंदियों से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान विभिन्न मामलों की समीक्षा कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जिससे बंदियों को शीघ्र न्याय मिल सके। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम की ओर से पुरुष एवं महिला बंदियों के लिए चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव दिए गए। इस अवसर पर एलएडीसी के उप प्रमुख सुरेंद्र प्रसाद दास, सहायक एलएडीसी पूजा चौरसिया, जेल अधीक्षक सुनील कुमार सहित न्यायालय के कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बंदियों को न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाना और उनके स्वास्थ्य की समुचित देखभाल सुनिश्चित करना रहा।

न्याय, सत्य और धर्म की रक्षा के प्रेरणास्रोत है भगवान परशुरामः कमल किशोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। कदमा स्थित ब्रह्मर्षि भवन में रविवार को भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से भरा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व ब्रह्मर्षि विकास मंच ने किया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग, युवा, महिलाएं और कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता के संदेश से ओत-प्रोत नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक विधि-विधान के साथ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा के साथ भगवान परशुराम को नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। मंच की विभिन्न इकाइयों से आए पदाधिकारियों और सदस्यों ने सामूहिक रूप से श्रद्धासुमन अर्पित किए। समारोह को संबोधित करते हुए परशुराम सेना के अध्यक्ष सेवानिवृत्त डीएसपी कमल किशोर ने भगवान परशुराम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि न्याय, सत्य और धर्म की रक्षा के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज के लोगों से उनके सिद्धांतों को जीवन में उतारने और सामाजिक न्याय की दिशा में कार्य करने की अपील की। संस्थापक महासचिव राज किशोर सिंह ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के जीवन चरित्र की गहराई से चर्चा करते हुए बताया कि उनका जीवन संघर्ष, अनुशासन और धर्म रक्षा का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए ऐसे आदर्शों को अपनाना बेहद जरूरी है। अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि समाज के अध्यक्ष कर्नल आर.पी. सिंह ने राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका को रेखांकित करते हुए युवाओं से देशहित में सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही मजबूत राष्ट्र की नींव रखता है। इस अवसर पर मंच के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज में एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही समाज के उत्थान और विकास के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

कड़ी सुरक्षा में चाईबासा में जेपीएससी परीक्षा शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले में रविवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। जिले भर में बनाए गए 27 परीक्षा केंद्रों पर हजारों अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। प्रशासन ने परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। जिला प्रशासन की ओर से चाईबासा अनुमंडल में 18 और चक्रधरपुर अनुमंडल में 9 केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के रूप में जिले के प्रमुख स्कूलों और कॉलेजों का चयन किया गया है। सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ केंद्रों पर देखी गई, जहां निर्धारित समय से पहले ही अभ्यर्थी पहुंचने लगे थे। प्रवेश से पूर्व सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई, जिसमें एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र का मिलान अनिवार्य रूप से किया गया। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हर केंद्र पर नोडल पदाधिकारी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता टीम और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा केंद्रों के भीतर और बाहर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लागू कर दी गई है, जिससे भीड़भाड़ और अनावश्यक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। जिले के उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक अमित रेनू के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम पूरे दिन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा रही है, जबकि मोबाइल पुलिस टीम लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही है। अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए हर संभव कदम उठाए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि सख्त निगरानी और मजबूत व्यवस्था के कारण परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संपन्न होगी।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस, प्रशासन व संगठन ने दोहराया संकल्प

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ः अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जन लोक कल्याण परिषद् द्वारा सतर्कता दिवस मनाया गया। इस दौरान बाल विवाह निषेध अधिकारी के सहयोग से बाल विवाह रोकने का संकल्प दोहराया गया। जन लोक कल्याण परिषद् द्वारा जिला प्रशासन, पंचायतों, विद्यालयों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत गांव-गांव और विद्यालयों में लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए हजारों लोगों को शपथ दिलाई गई है। संगठन के सचिव सरोज कुमार झा ने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे अवसर की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि पहले लोगों में जागरूकता की कमी थी, लेकिन अब स्थिति बदली है और लोग स्वयं बाल विवाह की सूचना प्रशासन को दे रहे हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत नाबालिगों की शादी कराना दंडनीय अपराध है। इसमें शामिल सभी लोगों, जैसे बाराती, सजावट करने वाले, भोजन बनाने वाले, बैंड बाजा संचालक, विवाह स्थल संचालक और विवाह संपन्न कराने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई हो सकती है। संगठन ने विश्वास जताया कि निरंतर अभियान और प्रशासन के सहयोग से वर्ष 2030 से पहले जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। देश स्तर पर भी जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क के साथ मिलकर कई जिलों में अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत अब तक बड़ी संख्या में बाल विवाह रोके जा चुके हैं।

अवैध लॉटरी कारोबार का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार, भारी मात्रा में टिकट बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ : पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के गोकुलपुर मोड़ के पास स्थित एक चाय दुकान में चल रहे अवैध लॉटरी कारोबार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य लोग पुलिस को देखकर फरार हो गए। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मो० हलीम हुसैन, पिता मो० अब्दुल हुसैन, साकिन बड़ी अलीगंज, थाना पाकुड़ नगर, जिला पाकुड़ के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से बड़ी संख्या में अवैध लॉटरी टिकट बरामद किए गए। बरामद टिकटों में नागालैंड राज्य लॉटरी 'डियर स्टॉक' लिखित कुल 110 पीस, नागालैंड राज्य लॉटरी 'डियर नर्मदा' लिखित कुल 50 पीस तथा सिक्किम राज्य लॉटरी 'डियर ब्लैक' लिखित कुल 50 पीस शामिल हैं। इस मामले में पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या 82/2026 दिनांक 18.04.2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4)/3(5) एवं लॉटरी विनियमन अधिनियम 1998 की धारा 7(3) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है। छापेमारी दल में अनिल कुमार गुप्ता (पु.नि.-सह-थाना प्रभारी, पाकुड़ नगर), अश्विनी राम (सहायक अवर निरीक्षक, पाकुड़ नगर थाना), गौतम कुमार (आरक्षी-256, पाकुड़ नगर थाना सशस्त्र बल) तथा मनोज कुमार दास (आरक्षी-265, पाकुड़ नगर थाना सशस्त्र बल) शामिल रहे।

परशुराम जयंती पर शोभायात्रा, ब्राह्मण धर्मशाला निर्माण कार्य का भूमिपूजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ : परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राह्मण महासभा पाकुड़ के तत्वावधान में स्वस्तिवाचन के साथ नित्य काली मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा श्मशान काली मंदिर, मदपाड़ा होते हुए वीरसा चौक पहुंची और पुनः नित्य काली मंदिर में आकर संपन्न हुई। इसके उपरांत रानी ज्योतिमोई ब्राह्मण धर्मशाला के निर्माणाधीन स्थल पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं ब्राह्मण भोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। ब्राह्मण महासभा पाकुड़ के जिला अध्यक्ष भागीरथ तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्मोत्सव समाज और विश्व के कल्याण की भावना के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव सभी के कल्याण, सुख और हित की कामना करता है तथा धर्म की विजय और अधर्म के नाश की कामना करता है। इस अवसर पर भागीरथ तिवारी, विभाष मिश्रा, संजय कुमार शुक्ला, कैलाश झा, मनीष राज चौबे, डॉली पांडे, प्राची चौधरी, बमभोला उपाध्याय, पूनम देवी, बेला मजूमदार, कमला गांगुली, विनोद झा, कुंदन पंडित, संजीत मुखर्जी, भोला दुबे, ब्रजेश पाठक, अश्वनी झा, नारायण पांडे, अविनाश झा, दुर्गेश चौधरी, विकास मिश्रा, विक्रम मिश्रा, सजय दुबे सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कड़ी निगरानी के बीच शांतिपूर्ण माहौल में हुई संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ : जिले में झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचार-मुक्त माहौल में किया गया। जिले के कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई। परीक्षा के निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डॉन पब्लिक स्कूल, के.के.एम. कॉलेज और पाकुड़ राज प्लस दो विद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल, अनुचित साधनों या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूरी तरह रोक सुनिश्चित की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध बिजली आपूर्ति और पर्याप्त बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी भी कराई गई।

संक्षिप्त समाचार

नव पदस्थापित उपायुक्त ने भद्रकाली मंदिर में की पूजा अर्चना

इटखोरी....चतरा जिले के नव पदस्थापित उपायुक्त रवि आनंद ने झारखंड के प्रमुख तीर्थस्थली भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना कर माता का आशीर्वाद लिया। माता की पूजा अर्चना के पश्चात परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंग,पंचमुखी हनुमान,शनिदेव,राम जानकी मंदिर,कोटेश्वर नाथ की पूजा की। मौके पर उपस्थित चतरा जिला अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम,भाजपा जिला महामंत्री डॉक्टर मृत्युंजय सिंह,पूर्व जिला मंत्री सतीश सिंह,रत्नेश्वर शर्मा,सुरेंद्र सिंह,संतोष सोनी तथा नागेश्वर यादव ने मंदिर कार्यालय में उपयुक्त महोदय को माता भद्रकाली का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बचपन में पढ़ाई छोड़ घर से भागा,बना माओवादी कमांडर पुलिस एनकाउंटर में हुआ ढेर

चतरा । लावालौंग पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में लावालौंग थाना क्षेत्र के सिलदाग पंचायत स्थित सतिटांड़ गांव निवासी रंजीत गंझू मारा गया।उसकी मौत की खबर मिलते ही गांव में हड़कंप और चर्चा का माहौल है। जानकारी के अनुसार रंजीत दो दिन पूर्व मुठभेड़ में ढेर हुआ।ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक रंजीत गंझू जब चौथी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था,तभी वह घर से भाग गया था और भाकपा माओवादी संगठन में शामिल हो गया।काफी खोजबीन के बावजूद लंबे समय तक उसका कोई पता नहीं चला,जिससे उसके माता-पिता बेहद चिंतित रहे। कुछ महीनों बाद परिवार को जानकारी मिली कि वह नक्सली संगठन में चला गया है।बताया जाता है कि तेज-तर्रार और सक्रिय स्वभाव के कारण रंजीत को जल्द ही संगठन में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। वह कंप्यूटर और इंटरनेट के उपयोग में भी दक्ष था, जिसके कारण संगठन के कई सदस्य उसके भरोसे कार्य करते थे।हालांकि संगठन में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बावजूद वह कोई संपत्ति या धन इकट्ठा नहीं कर सका। उसके माता-पिता आज भी पुराने खपरैल मकान में जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं आवास योजना से मिले पैसे से उसने एक छोटा मकान बनवाया था।जानकारी के अनुसार रंजीत की उम्र करीब 25 वर्ष थी और उसकी अभी शादी भी नहीं हुई थी। वर्ष 2023 में हुए एनकाउंटर में मंधनियां पंचायत के सिकनी गांव निवासी नंदू यादव उर्फ अजय जी तथा सिलदाग पंचायत के संजीत भुइयां के मारे जाने के बाद क्षेत्र में रंजीत की सक्रियता बढ़ गई थी। रंजीत के मारे जाने के बाद क्षेत्र में एक बार फिर नक्सल गतिविधियों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा, बिहार के विकास की कामना

देवघर:-बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम पहुंचे,जहां उन्होंने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्य की सुख-समृद्धि और विकास के लिए प्रार्थना की। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों द्वारा उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्होंने बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर देश और बिहार के लोगों की खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बाबा की कृपा से बिहार लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है और आगे भी राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं में भी उनके दर्शन को लेकर उत्साह देखा गया।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' के कलाकारों की ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग ने जीता दिल

देवघर :- लोकप्रिय टीवी शो पुष्पा इम्पॉसिबल अपनी भावनात्मक कहानियों और मजबूत किरदारों के कारण दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुका है। शो में जहां ऑन-स्क्रीन रिश्तों में तनाव और भावनाएं देखने को मिलती हैं, वहीं ऑफ-स्क्रीन कलाकारों के बीच गहरी दोस्ती और सहजता नजर आती है। करुणा पांडे और मुस्कान बामने के बीच ऑफ-स्क्रीन बेहद गर्मजोशी भरा रिश्ता है, जो आपसी सम्मान और सहजता पर आधारित है। शो में अश्विन का किरदार निभा रहे समरिध बावा बताते हैं कि दोनों कलाकार कैमरे के सामने आते ही अपने किरदारों में पूरी तरह ढल जाते हैं, जो देखने लायक होता है। वहीं अक्षया हिंदालकर कहती हैं कि करुणा पांडे हमेशा सभी को प्रोत्साहित करती हैं और मुस्कान के साथ उनका रिश्ता बेहद नैचुरल है। नितिन बाबू के अनुसार, ऑफ-स्क्रीन और ऑन-स्क्रीन का यही अंतर उनके सीन को खास बनाता है। दर्शक इस खास बॉन्डिंग और शानदार अभिनय का आनंद Sony SAB पर हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे उठा सकते हैं।

उमाशंकर सिंह ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को किया सम्मानित

देवघर:-धनबाद में आयोजित अंडर-17 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 2026 में उपविजेता बनकर जिले का नाम रोशन करने वाले देवघर के पहलवानों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि उमाशंकर सिंह ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन से यह सफलता हासिल की है,जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। खेलों से शारीरिक विकास के साथ आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी मेहनत जारी रखने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज और प्रशासन से खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देने की अपील की, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुआ लोहरदगा प्रशासन, जांच अभियान में वसूला भारी जुर्माना

लोहरदगा: जिले में सड़क सुरक्षा नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने रविवार को व्यापक जांच अभियान चलाया। जिला परिवहन पदाधिकारी जया शंखी मुर्मू के निर्देश पर सुबह 9 बजे से ही विभाग की टीम शहर की सड़कों पर सक्रिय दिखी। इस दौरान कचहरी मोड़ और लोहरदगा थाना मुख्य मार्ग जैसे व्यस्त इलाकों में नाकेबंदी कर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। विभाग ने बिना हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस और बीमा के वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसा। साथ ही ट्रिपल लोडिंग ओवरस्पीडिंग और वाहनों के नंबर प्लेट में अनियमितता पाए जाने पर कुल 20 चालकों से 70,500 का जुर्माना वसूला गया। डीटीओ जया शंखी मुर्मू ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल राजस्व वसूली नहीं, बल्कि आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

संघ यात्रा के 100 वर्षः देवघर में प्रबुद्ध जन गोष्ठी संपन्न

पंच परिवर्तन पर मुख्य वक्ता कुणाल कुमार का जोर, राष्ट्र निर्माण पर हुआ गहन मंथन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघर। देवघर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संघ यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रबुद्ध जन गोष्ठी रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। आरएल सर्राफ उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन को लेकर शहर में पहले से उत्साह का माहौल था, जो कार्यक्रम के दौरान साफ नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से हुआ। इसके बाद मुख्य वक्ता प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल कुमार ने विस्तार से अपने विचार रखते हुए संघ की कार्यप्रणाली और समाज निर्माण में उसकी भूमिका को रेखांकित किया। मौके पर मुख्य वक्ता कुणाल कुमार ने अपने संबोधन में पंच परिवर्तन स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आचरण और जीवनशैली में बदलाव से आता है। उन्होंने स्वदेशी को आत्मनिर्भरता का आधार बताते हुए कहा कि स्थानीय संसाधनों और उत्पादों को बढ़ावा देना राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। नागरिक कर्तव्यों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है, तभी एक जिम्मेदार समाज का निर्माण हो सकता है। पर्यावरण संरक्षण पर बोलते हुए उन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर बल दिया। सामाजिक समरसता को उन्होंने राष्ट्र की एकता का मूल आधार बताते हुए कहा कि भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में बांधना समय की मांग है। वहीं कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवार संस्था को मजबूत करने पर भी उन्होंने जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश और हिन्दुत्व का यह स्वर्णिम काल है, लेकिन इस दौर में हमें सजग और संतुलित होकर आगे बढ़ना होगा, ताकि विकास के साथ मूल्यों का संरक्षण भी

सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोकानंद झा ने शिक्षा और संस्कार के महत्व पर बल दिया। विशिष्ट अतिथियों में डॉ मनीष राज और डॉ पूजा राय ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर लीलाबारानंद नाथ महाराज का आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ, जिससे कार्यक्रम को आध्यात्मिक आयाम मिला। गोष्ठी में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, संगठन की भूमिका और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। वक्ताओं ने समाज में एकता और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर संघ व सामुहिक गीत के साथ अतिथियों का परिचय व स्वागत सम्मान के साथ किया गया। जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद वर्धन ने किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नारायण दास, पूर्व मंत्री राज पलिवार, डॉ राजीव रंजन, मधुसुदन मंडल, डॉ गोपाल जी शरण, अमित राव, अभिषेक मिश्रा, शुभम कृष्णा, विनायक कुमार, डॉ राजेश प्रसाद, धुव्र प्रसाद साह, विजया सिंह, अलका सोनी, अजय कुमार सिंह, गौरी शंकर शर्मा, धनंजय तिवारी, सुनील कुमार गुप्ता, प्रेमलता बरनवाल, दिलीप कुमार बरनवाल, संजय कुमार मिश्रा, संजीव जजवाड़े, आलोक मल्लिक, सुरज कुमार झा, मनोज कुमार, रीचा कुमारी, प्रकाश मंडल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संवाद और सामूहिक चिंतन को नई दिशा देते हैं।

चतरा बड़का आहार की गहराई ने छीनी तीन ज़िंदगियां

कपड़ा धोने गई मां ने बेटी को बचाने में लगाई छलांग, दोनों बेटियों संग डूबकर हुई दर्दनाक मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

चतरा: सदर प्रखंड के भोज्या गांव स्थित बड़का आहार में रविवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। तालाब की गहराई ने एक ही परिवार की तीन जिंदगियां निगल लीं—मां और उसकी दो मासूम बेटियां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, खीरू यादव की पत्नी परवा देवी अपनी बेटियों गीता कुमारी (8 वर्ष) और मालती कुमारी (6 वर्ष) के साथ तालाब पर कपड़ा धोने गई थीं। इसी दौरान एक बच्ची का पैर फिसला और वह गहरे पानी में चली गई। मासूम को डूबता देख मां ने बिना देर किए उसे बचाने के लिए छलांग लगा दी। दूसरी बेटी भी घबराहट में पानी की ओर बढ़ गई। लेकिन तालाब की अधिक गहराई और फिसलन भरे तल ने तीनों को अपनी गिरफ्त में ले लिया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़े और आनन-फानन में बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला गया, पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई, पर ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर कोई नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में आक्रोश है। एक पल में उजड़ गए इस परिवार की चीखें और गांव की सिसकियां बता रही हैं कि यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर भी सवाल है। अब पूरे गांव में बस एक ही चर्चा है,काश तालाब के पास सुरक्षा के इंतजाम होते, तो शायद तीन जिंदगियां बचाई जा सकती थीं।

हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने दिखाई संवेदनशीलता

- लापता मासूम का पता बताने वाले युवक को दिया नगद पुरस्कार
- पुरस्कार पाकर भावुक हुआ युवक और लापता मासूम के परिजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हंटरगंज। चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के जबड़ा से लापता छात्र के बारे में पुलिस की जानकारी देने वाले व मानवीय पहल के लिए जबड़ा निवासी पंकज कुमार टोटो चालक को हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने नगद राशि देकर सम्मानित किया है।थाना प्रभारी ने युवक की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा भी की है। युवक की पुरस्कृत करने की पहल थाना प्रभारी प्रभात कुमार की संवेदनशीलता बताती है। ज्ञात हो कि 11 अप्रैल 2026 को हंटरगंज थाना में संजय दास ने आवेदन देकर बताया कि उनका 13 वर्षीय पुत्र इंद्रजीत कुमार अचानक लापता हो गया है। आवेदन के आधार पर कांड संख्या 48/2026 दर्ज करते हुए पुलिस ने SOP के तहत व्यापक कार्रवाई शुरू की आसपास के जंगलों व निर्जन स्थानों में सर्च ऑपरेशन,सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार इनाम की घोषणा और पोस्टर चिपकाना,सीमावर्ती थाना क्षेत्रों को सूचना,रेलवे स्टेशन पर फोटो लगवाना, पुलिस की सतर्कता और खुली अपील का सकारात्मक परिणाम तब मिला,जब 12 अप्रैल को ग्राम जबड़ा के एक टोटो चालक पंकज कुमार ने सूचना दी कि बच्चे को शेरघाटी जिला गया जी बिहार में देखा गया है। तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने शेरघाटी थाना क्षेत्र से इंद्रजीत को सकुशल बरामद कर लिया और परिजनों को सौंप दिया। हंटरगंज थाना पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की पूरे जिले में सराहना की जा रही है।

देवघर में विभाग स्तरीय समिति सदस्य सम्मेलन 2026 का आयोजन, शिक्षा विकास पर हुआ मंथन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघर:-उमा नलिनी ब्रह्म सरस्वती विद्या मंदिर, कुंडा, देवघर में विद्या भारती की प्रांतीय योजना के तहत विभाग स्तरीय समिति सदस्य सम्मेलन 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदना सभा से हुई,जिसमें विद्या विकास समिति, झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल शर्मा, प्रदेश मंत्री प्रो. ब्रजेश कुमार, देवघर विभाग प्रमुख सुरेश मंडल, साहिबगंज विभाग प्रमुख रमेश कुमार, जमशेदपुर विभाग प्रमुख ब्रेन टुडू सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने मां सरस्वती,ओम एवं भारत माता के चित्रों के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजीत कुमार, सह सचिव प्रतिभा वर्णवाल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण भाई पटेल, कोषाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन, सदस्य उपेन्द्र यादव एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकुल कुमार भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में देवघर विभाग के सभी विद्यालयों के समिति सदस्य एवं प्रधानाचार्य शामिल हुए। सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विद्यालयों की शैक्षणिक उपलब्धियों, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम तीन सत्रों में संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा प्रांतीय अधिकारियों एवं देवघर विभाग के लगभग 20 विद्यालयों से आए समिति सदस्यों और प्रधानाचार्यों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यालयों के समग्र विकास एवं संगठनात्मक मजबूती पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। इस आयोजन ने शिक्षा क्षेत्र में समन्वय और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल प्रस्तुत की।

स्टाइल बाजार में अग्निशमन विभाग की मॉक ड्रिल, आग से बचाव के बताए तरीके

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगा: जिला अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 के तहत जागरूकता अभियानों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में रविवार को मिशन चौक स्थित स्टाइल बाजार परिसर में एक विशेष मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग जैसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए लोगों को तैयार करना था। अभियान के दौरान अग्निशमन टीम ने मॉल के कर्मचारियों और वहां मौजूद ग्राहकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। टीम ने बताया कि आग लगने पर भगदड़ मचाने के बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए। मॉक ड्रिल के जरिए यह प्रदर्शित किया गया कि आग लगने की सूरत में किस तरह त्वरित गति से बचाव कार्य शुरू किया जाए और मॉल के भीतर मौजूद लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की जाए। विभाग के विशेषज्ञों ने अग्निशमन यंत्रों के सही इस्तेमाल की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य रूप से सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में उसे गीले बोरे या चादर से ढककर ऑक्सीजन की सप्लाई काटकर बुझाने का तरीका बताया गया साथ ही शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर पानी न डालने की सख्त सलाह देते हुए उपयुक्त अग्निशमन यंत्र के उपयोग के बारे में बताया गया। मौके पर मौजूद फायरमैन गोपी यादव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आग लगने की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यदि हमें उपकरणों का सही ज्ञान हो, तो हम किसी भी बड़ी अनहोनी को टाल सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सावधानी और पूर्व तैयारी ही बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है।

मिशन बंगालः हाजी मजेबुर रहमान के पक्ष में अरशद अयूब ने झोंकी ताकत, न्याय पत्र को लेकर जनसंपर्क तेज

- बेरोजगारी और आर्थिक असमानता पर कांग्रेस का प्रहार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगा: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की बढ़ती सरगर्मी के बीच बज बज विधानसभा क्षेत्र के पुजाली नगरपालिका इलाके में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। यहाँ कांग्रेस प्रत्याशी हाजी मजेबुर रहमान के पक्ष में माहौल बनाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक मोहम्मद अरशद अयूब ने कमान संभाल ली है। रविवार को उनके नेतृत्व में क्षेत्र में एक जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। लोहरदगा से विशेष तौर पर पहुँचे पर्यवेक्षक अरशद अयूब ने पुजाली नगरपालिका के विभिन्न वार्डों में घर-घर जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के संकल्प पत्र, जिसे न्याय पत्र का नाम दिया गया है, की बारीकियों को जनता के सामने रखा। अयूब ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस का यह घोषणापत्र समाज के हर वर्ग किसान, युवा, महिला और श्रमिकों के हक की बात करता है और देश में व्याप्त आर्थिक असमानता व बेरोजगारी को दूर करने के लिए एक ठोस ब्लूप्रिंट है।

स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करते हुए अरशद अयूब ने हाजी मजेबुर रहमान को एक कर्मठ और ईमानदार उम्मीदवार बताया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे सांप्रदायिक ताकतों को मात देने और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हाथ के निशान पर बटन दबाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि पुजाली की जनता इस बार बदलाव के लिए तैयार है और कांग्रेस यहाँ भारी मतों से जीत दर्ज करेगी। इस अभियान के दौरान अल्पसंख्यक विभाग के कई स्थानीय नेता और भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने नारों के साथ क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती का दावा किया, जिससे चुनावी माहौल पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में नजर आया।

मसाले में प्रमुख अदरक की उत्पादन तकनीकी

जलवायु एवं मृदा

अदरक की खेती के लिये उष्ण एवं नम जलवायु बहुत ही उपयुक्त है परंतु उषोष्ण जलवायु में भी अच्छा उत्पादन होता है। समुद्र सतह से 500 मीटर ऊंचाई तक वाले क्षेत्रों में अदरक का उत्पादन आर्थिक दृष्टिकोण से लाभप्रद है। इसकी कास्त अन्य मसालेदार फसलों की तुलना में विपरीत परिस्थितियों में अच्छी होती है। अदरक की कास्त के लिये अच्छे जल निकास वाली तथा जीवांश की अधिक मात्रा वाली भूमि में बड़ी सफलता से होती है। बलुआर दुमट, दुमट, लाल दुमट तथा जैटेराइट मृदा में अच्छी होती है। भारी काली दुमट में राइजोम सड़न की समस्या रहती है। अदरक 6.5 से 8 पी.एच. मृदा में अच्छा लेता है। आजकल ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाडियों में तथा गमलों में भी अदरक उगाने की ओर भी रुझान रहता है। मध्यप्रदेश में भी इसकी कास्त के कुछ परीक्षण 1997-98 में कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गये जिसके परिणाम काफी अच्छे रहे फलस्वरूप इसके क्षेत्र एवं उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

(अ) अधिक उत्पादन देने वाली- मारन, कराक्काल, रियो, डी, जिनेरो

रोपण सामग्री की मात्रा एवं उपचार

अदरक का रोपण राइजोम के 2.5 से. 5 से.मी. के टुकड़े जिनमें कम से कम 2 या 3 आंखें हो को बीज के रूप में उपयोग किया जाता है। इन टुकड़ों का वजन 20-250 ग्राम होना चाहिए। 1500 से 1800 कि.ग्राम राइजोम की मात्रा प्रति हेक्टर होती है। अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर 2000 कि.ग्रा. राइजोम प्रति हेक्टर बनता है। रोपण सामग्री को डाइथेन एम-45 (3 ग्राम दवा एक लीटर पानी) 0.3% घोल में राइजोम के टुकड़ों का 30 मिनट तक भिगोकर उपचारित करें. कतारों से कतारों की दूरी 25 से.मी. एवं राइजोम को 25-25 से.मी. की दूरी पर 2.50 मीटर की गहराई पर लगाएं तथा ऊपर से मिट्टी से ढक दें.

(ब) कम रेशे वाली- जमैका,बैंगकाक, चीन (आयातीत) जो सब्जियों के लिये काफी उपयुक्त सब्जी वाली अदरक।

(स) अधिक ओलियो रेजिन प्रतिशत वाली प्रजातियाँ- इरनाड चरनाड, चाइना, कुरुप्पाम पाडी रियो-डी-जिनेरो

(द) अधिक शुष्क जिंजर प्रदाय वाली प्रजातियाँ - कराक्काल, नदिया, मारन.

(य) अधिक वाष्पशील तेल वाली प्रजातियाँ- राजीवाकोकण, नार्सापट्टम, इरनाड, चरनाड, हिमांचल प्रदेश.

रोपण का समय

जिन क्षेत्रों में सिंचाई के साधन समुचित हैं तथा जमीन उपयुक्त एवं समय पर खेत कृषि क्रियाओं के लिये खाली हो वहां पर अदरक का रोपण फरवरी के अंतिम सप्ताह से मई के प्रथम सप्ताह तक करना काफी लाभप्रद होगा। उत्पादन अधिक होगा तथा राइजोम सड़न की भी समस्या कम होगी.

खेत की तैयारी एवं रोपण

जिस क्षेत्र में भूमि जनित बीमारियों, खरपतवार तथा कृमि सूत्रों का प्रकोप अधिक हो वहां पर भूमि का उपचार सोलराइजेशन विधि से करें। खेत की जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर क्यारियां बना लें फिर उसकी सिंचाई करें. सिंचाई के पश्चात उस खेत को 50 माइक्रान की सफेद प्लास्टिक सीट से अच्छी तरह ढक कर चारों तरफ के किनारों को मिट्टी से दबा दें। 15-20 दिन तक धूप में तपने दें। तत्पश्चात प्लास्टिक सीट हटाकर भली भांति जुताई करें। पूर्व फसल के अवशेष जड़े आदि पृथक कर खेत को साफ करें। आखिरी जुताई के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद/कम्पोस्ट खेत में प्रति हे. की दर से मिला दें. उसी समय 2 टन नीम खली महीन बुरक कर खेत में डालें। यदि नमी कम हो तो हल्की सिंचाई कर जुताई कर लें। 25 से.मी. की दूरी पर 15 सेंटीमीटर ऊंची मेढ़ बना लें। जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा

खेत की तैयारी के समय 20-25 टन गोबर/कम्पोस्ट खाद तथा 2 टन नीम की खली खेत में भली-भांति मिला दें. यदि सम्भव हो तो 400 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी 50 कि.ग्राम अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ मिलाकर आखिरी जुताई के समय खेत में बुरक दें। इसके अतिरिक्त आधी मात्रा म्यूरेटा ऑफ पोटाश 40 कि.ग्राम तथा पूरी मात्रा स्फुर 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से खेत में रोपण के पूर्व डाल दें. फिर 40 दिन बाद यूरिया 87 कि.ग्राम प्रति हे. डाले तथा मिट्टी से अच्छी तरह से ढक दें. पुन: 90 दिन बादशेष 40 कि.ग्रा. पोटाश एवं 87 कि.ग्राम. डालकर मिट्टी चढ़ा दें।

पलवार (मल्चिंग)

अदरक की फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए रोपण के तुरन्त बाद 10 टन हरी पत्ती प्रति हेक्टर की दर से पलवार (मल्चिंग) करें. इससे प्रस्फुटन शीघ्र होगा तथा वृद्धि अच्छी होगी। फिर 40 एवं 50 दिन बाद पांच-पांच टन हरी पत्ती से पलवार करें. खरपतवार निकाल दें. पलवार के लिये पलास का पत्ता काफी उपयुक्त है। अन्य हरी पत्ती से भी पलवार किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई समय-समय पर करें क्योंकि अदरक की जड़ें गहरी नहीं होती है। अत: ध्यान रखें कि 3-4 इंच स्तर पर जमीन में नमी बनी रहे। अधिक पानी न भरें अन्यथा राइजोम में राइजोम राट की समस्या आ सकती है साथ ही पौधे की बढ़वार रुक जाती है।

खुदायी एवं शस्योत्तर प्रबंधन

फसल की खुदायी आठ माह बाद करनी चाहिए जब पत्तियां पीली होने लगे और धीरे -धीरे सूखना शुरू हो जावें पत्तियों के अवशेष अलग करें। अनावश्यक जड़ें हटा दें। उत्पादन जातियों के प्रकार पर निर्भर करती है। औसत उत्पादन 15 से 25 टन प्रति हेक्टर होता है। खुदायी के बाद राइजोम को 2-3 बार धोकर साफ कर एक दिन सूरज के प्रकाश में सुखाकर ही भंडारण करें।

सोठ बनाने (सुखाने की विधि)

अदरक को भली भांति साफ कर उसको छिलके निकाल कर फिर धोयें जिससे राइजोम अच्छी तरह साफ हो जावे। छिलके निकालने के लिये जब रगड़ा जावे तो उसमें सावधानी रखे। जब छिलका हट जाए तो 2 प्रतिशत चूने का घोल बनाकर छिला हुआ सूखने दें। 16 से 25 प्रतिशत सूखा अदरक प्राप्त होगा।

अन्य शस्य क्रियाएं

प्रत्येक सिंचाई के बाद निदाई एवं मिट्टी चढ़ाना नियमित रखें पत्तियों के डंठल गले न हो तो उन्हें पृथक कर दें। जल निकास का ध्यान रखें अन्यथा अधिक पानी इकट्ठा होने पर पौधे पीले पड़ जाते हैं और सड़न शुरू हो जाती है। जब बीमारी एवं कीटों का प्रकोप हो तो तुरन्त उपचार करें. रोकथाम के लिये सुझाए तरीकों से दवा से भूमि एवं पौध उपचार करें.

अंतवर्तीय फसल

अदरक की फसल 8 माह में परिपक्व होती है। वैसे सब्जी के लिये 6 माह बाद भी बेचते हैं. इस अवधि में यदि गेंदा का रोपण कर दें तो नेमटोड पर नियंत्रण होगा। अन्यथा अन्य अंतरवर्ती लघु अवधि की फसल की जा सकती है। जैसे मक्का, अरहर अन्य सब्जियां भी की जा सकती हैं।

प्रमुख कीट

तना छेदक - यह कीट काफी क्षति पहुंचाता हैं, इसकी इल्ली जुलाई - अक्टूबर तक तने में छेद कर फसल को नुकसान करती है। तने में छेद कर देती है। उसी के रास्ते पौधे के खाए हुए मान को बाहर निकालती है। इसकी रोकथाम के लिये जुलाई से अक्टूबर तक मासिक अन्तराल पर 0.05 प्रतिशत मोनो-क्रोटोफास का छिड़काव करें.

पत्ती मोड़क

इसकी इल्ली पत्तियों को लपेट कर मोड़ लेती है तथा उसे खाती है फलस्वरूप पौधे में भोजन बनने की क्रिया क्षतिग्रस्त हो जाती है। पौधा पीले पड़ने लगता है। राइजोम की वृद्धि रुक जाती है। नियंत्रण हेतु 0.05 प्रतिशत डाइमिथियेट का छिड़काव करें।

राइजोम स्केल

यहकीट खेत एवं भंडार दोनों स्थान पर क्षति पहुंचाता है। राइजोम के रस को चूस लेता है जिससे वह सिकुड़ जाता है और सूख जाता है। इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफास 0.1% का छिड़काव करें.

प्रमुख बीमारियाँ-1

राइजोम गलन (साफ्ट राट) यह फफूंद जनित बीमारी है। राइजोम का रंग भूरा एवं मुलायम हो जाता है उसमें गलन शुरू हो जाती है पौधा सूख जाता है। राइजोम एवं तने के जोड़ से बीमारी शुरू होती है जो ऊपर नीचे पड़ती है पौधा सूख जाता है इससे बड़ी क्षति होती है।

नियंत्रण- खेत में जलनिकास की समुचित व्यवस्था करें। ग्रसित भूमि का डाइथेन एम-45 के 0.3% घोल का केप्टाफाल के 0.3% घोल से 2-3 बार ड्रैथिन करे. बीज को उपरोक्तानुसार सुझाये विधि से उपचार कर रोपण करें।

वैक्टीरियल विल्ट

यह जीवाणु जनित (वैक्टीरियल) बीमारी है। इसके प्रकोप से नीचे की पत्तियाँ पीली पड़ना शुरू हो जाती हैं और धीरे-धीरे ऊपर की पत्तियां सूखने लगती हैं। प्रभावित तने पर गहरी धारियां बनने लगती है। तने को दबाने के बाद दूध के रंग के स्राव होता है. नियंत्रण हेतु सीड राइजोम को 200 पी.पी.एम. स्ट्रेप्टोसाइक्लिन के घोल में उपचारित कर रोपण करें. यदि बीमारी दिखे तो एक प्रतिशत वोर्डो मिक्सचर से ड्रेंचिंग करें।

पत्तियों के धब्बे वाली बीमारी

यह फफूंद जनित बीमारी है। इसका प्रकोप जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। पत्तियों पर जलन धब्बे बन जाते हैं जो बाद में सफेद धब्बे में परिणित हो जाते है। इसके नियंत्रण हेतु एक प्रतिशत बोर्डो मिक्सचर या 0.2% डाइथेन एम-45 के घोल का 15 दिन के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें.

बीज के लिये राइजोम का भंडारण

जब फसल खेत में खड़ी हो तो 6-8 माह के बीच स्वस्थ, बड़े क्लम्प वाले राइजोम का चयन कर खोदें तथा उन्हें साफ कर कटे आदि पृथक कर 0.3 प्रतिशत डाइथेन एम 45 के घोल में 30 मिनट तक डुबोकर रखें. फिर छाया में सुखाकर राइजोम को भंडारित करें। उचित होगा कि 2 इंच मोटी रेत के अंदर छाया में भंडारित करें.

अदरक के प्रमुख कीट एवं व्याधियाँ

अदरक लम्बी अवधि की फसल है जो ग्रीष्म, बरसात एवं शीतकाल तीन मौसम अवधि के अंदर परिपक्व होता है, अत: भूमि जनित एवं बाह्य बीमारियों एवं कीटों का प्रकोप होता है।

उन्नति का जरिया अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

पौध उपचार

पौधों को लगाने से पहले सकर या अन्य सामग्री का उपचार आवश्यक है, जिससे उनमें हृदय सड़न का रोग न लगने पाए.पौधे को एक सप्ताह तक छाया में सुखा कर उसकी सूखी हुई पत्तियां अलग कर दें. इसके बाद बोर्डो मिश्रण (1:1:10) के घोल में निचला भाग डुबाकर खेत में लगाएं.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अतः पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

रोपण

अनानास के पौधे लगाने की विधि अन्यफलों से भिन्न होती है. अनन्नास के पौधे तीन विधियों से लगाए जाते हैः-

1. एक पंक्ति विधि
2. दोहरी पंक्ति विधि
3. तीन पंक्ति विधि

एक पंक्ति विधि में पौधे कतारों से निश्चित दूरी पर लगाए जाते हैं. दोहरी पंक्ति विधि में जो कि अधिकांश अपनाई जाती है, पौधों की दो पंक्तियां 0.5 मी. के अंतर से लगाना चाहिए. इन दो पंक्तियों के मध्य 0.75 मी.स्थान छोड़कर पुनः 0.50 मी. के अंतर से पंक्तियां लगाते हैं. पौधों की दूरी 40 सेमी. रखें. इस विधि से 35000 से 40000 पौधे प्रति हैक्टर लगाये जाते हैं. इस विधि से पौधे लगाने से उद्यानिकी क्रियाओं में सरलता होती है. तीन पंक्ति विधि से पौधा लगाना उचित नहीं होता है. पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करके भुरभुरा बना लेना चाहिए. खेत तैयार करते समय गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिला देना चाहिए। खेत में आवश्यक अंतर पर कतारें बना लें और इन कतारों में अनानास के पौध लगाएं. पौधे 10 सेमी. गहरे लगाने चाहिए. पौधे, जिन्हें सकर कहते हैं, लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका हृदय का भाग भूमि में न दबने पाए. पौधे जुलाई से सितंबर तक वर्षाऋतु में तथा फरवरी-मार्च में बसंत ऋतु में लगाए जा सकते हैं.

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु में 7 से 10 दिन के अंतर में और शीत ऋतु में 15 से 20 दिन के अंतर से भूमि की किस्म के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए. जड़ें गहरी न होने के कारण नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है.

प्रवर्धन

सकर

पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशतः किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन

फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

निदाई, गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अनानास की जड़ें भूमि की ऊपरी पर्त से पोषण लेती हैं. अतः अनन्नास के उद्यान में घास या खरपतवार का रहना अत्यंत ही हानिकारक होता है. पौधों की वृद्धि नहीं हो पाती. निंदाई के साथ पौधों में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है जिससे कि पौधे फलभार ग्रहण कर सकें. वर्ष में दो से तीन बार मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. मिट्टी चढ़ाते समय यह ध्यान रखें कि मिट्टी में हृदय का भाग न दबने पाए. प्रत्येक सिंचाई के पश्चात हल्की गुड़ाई आवश्यक है.

तुड़ाई व उपज

फल पर स्थित आंखें जब पीली पड़ने लगती हैं, तब फल तोड़ने योग्य हो जाता है परंतु यदि फल दूर भेजना हो तो आँखें पीली पड़ने के पहले पूरी परिपक्व अवस्था में ही फल तोड़ लेना ठीक रहता है. इसके अतिरिक्त आंखों के पास की कोणीय बनावट कुछ कम हो जाती है और आंख के पास सहपत्र का जो भाग आंख के पास निकलता है, वह सूख जाता है। अनानास के फल में स्टार्च नहीं होता, इसलिये इसे तोड़ने के बाद मिठास में कोई विशेष वृद्धि नहीं होती है. फूल आने के लगभग 3.5 से 4 माह में फल पकने लगता है. औसत उपज 40 से 60 टन प्रति हेक्टर होती है.

संक्षिप्त समाचार

मिथिलांचल में इस साल 63 दिन गूंजेगी शहनाई

दरभंगा, एजेंसी। बिहार का मिथिला क्षेत्र पूरे विश्व में आज भी अपने विधि विधान के लिए जाना जाता है 2026-27 में होने वाले विवाह, द्विरागमन उपनयन, मुंडन और अन्य संस्कारों के मुहूर्त भी शास्त्रीय आधार पर तय कर दी गई है। अखिल भारतीय मैथिल महासभा भवन बलभद्रपुर के प्रांगण में संस्कृत विवि के कुलपति लक्ष्मी निवास पांडेय की अध्यक्षता में पंडित सभा का आयोजन किया गया। ज्योतिष शोध केंद्र बलभद्रपुर के निदेशक सह सचिव पंडित विश्वनाथ झा शास्त्री की देखरेख में हुई पंडित महासभा की बैठक में मिथिला से प्रकाशित होने वाले विश्वविद्यालय पंचांग जारी की गई।दरअसल ज्योतिष शोध केंद्र बलभद्रपुर के निदेशक सह सचिव पंडित विश्वनाथ झा शास्त्री की देखरेख में हुई पंडित महासभा की बैठक में मिथिला से प्रकाशित होने वाले विश्वविद्यालय पंचांग के पंचांगकार पंडित रामचंद्र झा, विद्यापति पंचांग के पंचांगकार देवकी नंदन झा और मिथिलांचल के दर्जनों विद्वान आदि ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से सभी पंचांगों के पंचांगकारो ने अपने अपने पंचांगों में पर्व त्यौहार एवं लग्न मुहूर्त में एकरूपता रखने का निर्णय लिया।

बेगूसराय में पुल के नीचे अज्ञात युवक का शव बरामद, शिनाख्त में जुटी पुलिस

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय से सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंसूरचक थाना के बलान नदी के समसा घाट पुल के नीचे एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। बताते चलें कि सुबह-सुबह नदी किनारे टहलने निकले स्थानीय लोगों की नजर जब शव पर पड़ी तो इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना मंसूरचक थाने को दी। हत्या के बाद शव फेंकने की आशंका : घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक के शरीर पर प्रथम दृष्टया चोट के कोई गंभीर निशान नहीं दिख रहे हैं, न ही घटनास्थल की स्थिति को देखकर ऐसा लग रहा है कि युवक पुल से गिरा है। मौजूद स्थानीय लोगों का मानना है कि युवक की हत्या कहीं और की गई है और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को यहाँ लाकर फेंक दिया गया है। सूचना मिलते ही मंसूरचक थानाध्यक्ष गोविंद कुमार पांडेय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया। मंसूरचक थाने की पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ भी की, लेकिन अभी तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

विजय सिन्हा की सुरक्षा घटी, निशांत कुमार अब 24 घंटे कमांडो से घिरे रहेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने राज्य के प्रमुख नेताओं और विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। गृह विभाग द्वारा की गई ताजा सुरक्षा समीक्षा के बाद कई दिग्गजों की सुरक्षा श्रेणी में फेरबदल किया गया है। इस नए आदेश के तहत पूर्व सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की सुरक्षा में कटौती की गई। है। निशांत समेत कई नेताओं की सुरक्षा अपग्रेड : गृह विभाग के पत्र के अनुसार, राज्य सुरक्षा समिति की उच्च स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर तीन प्रमुख व्यक्तियों की सुरक्षा श्रेणी बदली गई है। नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को अब ‘ ’ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके साथ ही, जदयू के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार की सुरक्षा को भी अपग्रेड करते हुए उन्हें ‘ङ्क+ ’ श्रेणी का सुरक्षा कवर दिया गया है। सुरक्षा समीक्षा में सबसे चौंकाने वाला फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को लेकर लिया गया है। उनकी सुरक्षा को ‘+ ’ श्रेणी से घटाकर अब ‘ ’ श्रेणी का कर दिया गया है। गौरतलब है कि विजय सिन्हा वर्तमान में राज्य सरकार के मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं हैं। न ही उन्हें पार्टी की ओर से उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा श्रेणियों में यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त इनपुट और वर्तमान खतरे के आकलन के आधार पर लिया गया है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो दोस्तों को मारी टक्कर:गैराज मालिक की मौत

पूर्णिया, एजेंसी। कटिहार में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दोनों को परिजन जीएमसीएच पूर्णिया लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने गैराज मालिक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दोस्त की हालत गंभीर है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। मृतक की पहचान समेली गांव निवासी लखी मिस्त्री के बेटे दिलखुश कुमार(24) के तौर पर हुई है। घायल युवक दिलखुश कुमार का इलाज चल रहा है। घटना पोठिया थाना क्षेत्र के लरेहिया गांव की है। मृतक पिता लखी मिस्त्री ने बताया कि दोनों युवक आपस में गहरे मित्र थे। अक्सर साथ ही रहते थे। शुक्रवार को बाइक पर सवार होकर अपने खेत गए थे। खेत से काम निपटाकर घर लौटने के दौरान रास्ते में ट्रैक्टर ने रौंद दिया। स्थानीय लोगों की मदद से पूर्णिया लेकर आए, जहां दिलखुश की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। दिलखुश काफी मिलनसार स्वभाव का था। घर का होनहार लड़का था। असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही फणीश्वर नाथ रेणु टीओपी पुलिस जीएमसीएच पहुंची।

बिहार बीजेपी में ‘एस’ नाम का तिलिस्म!

संयोग या प्रयोग ? जिसने बदल दी पार्टी की किस्मत

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी को बिहार में विस्तार और मजबूती की कई सालों की तपस्या का फल आखिरकार मिल ही गया। पिछले 20 सालों के राजनीतिक मानचित्र पर नजर डालें, तो ‘एस’ फैक्टर पार्टी के लिए ‘गेमचेंजर’ और ‘सत्ता की वाहक’ साबित हुई है। पार्टी के लिए यह एक अनूठा और सुखद संयोग है कि बिहार में बीजेपी का सांगठनिक उत्कर्ष और सत्ता में भागीदारी का ग्राफ हमेशा ‘एस’ नाम वाले नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने दो दशक के संघर्ष के बाद बिहार में सत्ता हासिल की है। पहली बार पार्टी का कोई नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचा है। लंबी यात्रा के दौरान एक सुखद संयोग यह रहा कि भाजपा ने जब-जब ‘स’ नाम के नेता को कमान सौंपी, तब-तब पार्टी सरकार और संगठन के लेवल पर मजबूत हुई।

एस फैक्टर संयोग या सियासत: बिहार की सियासत में भारतीय जनता पार्टी का सफर लंबा और संघर्षपूर्ण रहा है। तकरीबन दो दशकों की मेहनत के बाद पार्टी सत्ता के शीर्ष पर पहुंची है। पूरे राजनीतिक सफर में एक दिलचस्प पैटर्न सामने आता है।'एस फैक्टर' भाजपा के लिये गेम चेजर साबित हुई है। यानी जब-जब प्रदेश बीजेपी की कमान ऐसे नेताओं के हाथ में रही, जिनका नाम ‘स’ से शुरू होता है, तब-तब पार्टी ने सत्ता में मजबूत हिस्सेदारी हासिल हुई।

पहली बार बीजेपी की सरकार : सुशील मोदी बिहार भाजपा के कद्दावर नेताओं में शुमार थे। 2005 में जब सुशील मोदी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे, तब पार्टी को और अप्रत्याशित सफलता मिली और पहली बार बिहार में एनडीए की सरकार बनी। भाजपा 2005 के चुनाव में मजबूती से उभर कर सामने आई।

सुशील मोदी बने थे डिप्टी सीएम: बिहार में बीजेपी की सत्ता में मजबूत एंट्री साल 2005 में हुई, जब एनडीए की सरकार बनी। पहली बार सुशील मोदी उपमुख्यमंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी को अक्टूबर के विधानसभा चुनाव में 55 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

'बड़े भाई' की भूमिका में बीजेपी भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनता दल से भाजपा में आए संजय जायसवाल को भी बड़ी जिम्मेदारी दी। संजय जायसवाल को पार्टी ने 2020 में प्रदेश अध्यक्ष बनाया। संजय जायसवाल के नेतृत्व में पार्टी बड़ी पार्टी बनी।

संजय जायसवाल की मेहनत लाई रंग: बीजेपी ‘बड़ी पार्टी बनी। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में संजय जायसवाल के नेतृत्व में बीजेपी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पार्टी ने 74 सीटें जीतकर एनडीए में खुद को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित किया। यह वह दौर था जब बीजेपी ने गठबंधन में ‘बिग ब्रदर’ की भूमिका हासिल की। पार्टी को दो उपमुख्यमंत्री पद हासिल हुए तार किशोर प्रसाद और रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

जब अध्यक्ष बने ‘सम्राट’: साल 2023 में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया।आक्रामक राजनीति के चलते सम्राट चौधरी को पार्टी ने मौका दिया और इसके बाद सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीजेपी ने और आक्रामक रणनीति अपनाई। संगठन विस्तार, सामाजिक समीकरण के जरिये राजनीतिक आक्रामकता के साथ पार्टी ने सत्ता में अपनी भूमिका को और भी मजबूत किया।

बीजेपी बनी सबसे बड़ी पार्टी: सम्राट चौधरी ने संगठन में मंडल- बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पिछड़ों अति पिछड़ों और दलितों को जगह दी। इस दौर में बीजेपी पहली बार पूरी तरह लीडिंग पोजिशन में नजर आई। भारतीय जनता पार्टी सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार में आई और सम्राट चौधरी के साथ-साथ विजय सिन्हा उपमुख्यमंत्री बने। आपको बता दें कि 2025 के चुनाव में बिहार में भाजपा को अप्रत्याशित सफलता मिली और बीजेपी बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनी। भाजपा के कुल 89 विधायक चुनाव जीते।

2026 में शीर्ष पर पहुंची बीजेपी भारतीय जनता पार्टी ने 2025 में संजय सरावगी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। संजय सरावगी के कार्यकाल में पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। बूथ स्तर तक नेटवर्क को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की मुहिम चलाई गई। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में पहली बार 2026 में सरकार बनी और सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने। नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के पक्ष में कुर्सी छोड़ी।

न्यूमरोलॉजी के जानकार पुनीत आलोक छवि का मानना है कि शनि और राहु के प्रभाव के चलते ‘स’ अक्षर प्रभावित रहता है। क्योंकि बिहार की सीमा से कर्क रेखा गुजरती है। इस वजह से शनि और राहु उत्तम फल प्रदान करता है।संयोग, सांगठनिक कौशल और सत्ता संतुलनः कुल मिलाकर देखा जाए तो बिहार बीजेपी के इतिहास में ‘एस’ नाम वाले नेतृत्व का सिलसिला महज एक इत्तेफाक नहीं है, बल्कि सही समय पर सही नेतृत्व का चयन की रणनीति का परिणाम भी है। सुशील मोदी से शुरू हुआ सफर, जिसने भाजपा को राजद के वर्चस्व के खिलाफ खड़ा किया, आज सम्राट चौधरी के दौर में पार्टी को बड़े भाई की भूमिका में लेकर आ गई है। आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि जब-जब इन नेताओं ने कमान संभाली, बीजेपी का स्ट्राइक रेट बेहतर हुआ है।

बीपीएससी की एईडीओ परीक्षा में सेंध की कोशिश नाकाम, मुंगेर-नालंदा से 7 मुन्ना भाई गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। बिहार लोकसेवा आयोग की सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ, लेकिन ‘मुन्ना भाई’ स्टाइल में फर्जी अभ्यर्थी बैठाने और कदाचार कराने की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। नालंदा और मुंगेर जिलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 7 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय के सुपुर्द किया है, जबकि 18 अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। मामले के सामने आते ही बिहार पुलिस मुख्यालय ने जांच आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दी है और एसआईटी का गठन कर दिया गया है। आयोग ने साफ किया है कि परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है और सोशल मीडिया पर वायरल दावे भ्रामक हैं। एईडीओ के अनुसार पिछले दो वर्षों में परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे पेपर लीक अब संभव नहीं है। मुंगेर में 13 अप्रैल को ही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 अभ्यर्थियों समेत 22 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था, जो परीक्षा में गड़बड़ी की साजिश रच रहे थे। जांच में सामने आया कि संगठित गिरोह स्थानीय युवकों को पैसे देकर उनकी जगह फर्जी अभ्यर्थी बैठाने की तैयारी में था। इसके लिए बायोमेट्रिक सिस्टम तक से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।वहीं 18 अप्रैल को नालंदा के बिहारशरीफ स्थित एक परीक्षा केंद्र पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि बायोमेट्रिक कर्मियों ने प्रश्नपत्र का आंसर तैयार कर अभ्यर्थी को उपलब्ध कराया था। पीएल साहू +2 उच्च विद्यालय से सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के परीक्षा के दौरान कदाचार करने और कदाचार कराने के मामले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

गजवा-ए-हिंद’ की थी तैयारी, दिल्ली में कटिहार का मोहम्मद सोहेल गिरफ्तार, मां बोली- ‘मेरा बेटा तो प्लंबर था’

कटिहार, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कथित साजिश को विफल करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह साजिश गजवा-ए-हिंद के नाम से जानी जाती है। गिरफ्तार आरोपियों में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने और हथियार-विस्फोटक जुटाने की कोशिशें भी शामिल थी।

बिहार के कटिहार के मोहम्मद सोहेल की गिरफ्तारी: गिरफ्तार चार युवकों में एक बिहार के कटिहार जिले का मोहम्मद सोहेल भी शामिल है। वह मनिहारी थाना क्षेत्र के नवाबगंज बालू टोला का निवासी है। दिल्ली से हुई गिरफ्तारी के बाद गांव में सन्नाटा छा गया है। सोहेल की मां ने बताया कि कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस की टीम उनके घर आई थी और पूछताछ के लिए सोहेल को मनिहारी थाना ले गई थी, जिसके बाद उसे छोड़ दिया गया था। बाद में दस्तावेजों के साथ दिल्ली बुलाया गया,

जहां से गिरफ्तारी की खबर मिली।

सोहेल का परिवार और पृष्ठभूमिः परिवार के अनुसार, सोहेल दसवीं कक्षा तक पढ़ा है और पिता के साथ प्लंबर का काम करता था। मां ने दावा किया कि उनके बेटे के किसी आतंकी गतिविधि में शामिल होने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सोहेल के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने वाले पोस्ट मिले हैं। पुलिस का कहना है कि वह इसरार अहमद जैसे भाषणों से प्रभावित था और युवाओं को जिहाद के नाम पर उकसाता था।

सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से साजिशः पुलिस जांच में पता चला है कि गिरफ्तार चारों युवक एक बंद सोशल मीडिया कोर ग्रुप से जुड़े थे। इस ग्रुप में युवाओं को कट्टर विचारधारा से जोड़ने, हथियार और विस्फोटक जुटाने तथा क्राउड फंडिंग जैसी चर्चाएं होती थी। सोहेल ने कथित तौर पर अपने बैंक अकाउंट और क्यूआर कोड शेयर कर जिहाद के नाम पर फंड जुटाने की कोशिश की।

अन्य गिरफ्तार युवक और उनकी भूमिकाः दिल्ली पुलिस ने मोहम्मद सोहेल के साथ उत्तर प्रदेश के मोसैब अहमद उर्फ सोनू (ठाणे, महाराष्ट्र), मुंबई के मोहम्मद हम्माद और भुवनेश्वर (ओडिशा) के शेख इमरान को भी गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से हैं और ऑनलाइन रेडिकलाइजेशन के जरिए इस मॉड्यूल से जुड़े थे।

पुलिस की जांच जारीः दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आरोपियों से कई मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस बरामद किए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच चल रही है। पुलिस का दावा है कि इस साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया है। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है, जिसमें अन्य मॉड्यूल या लिंक की संभावना भी तलाशी जा रही है। फिलहाल चारों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

बिल पास हो जाता तो बिहार में 122 महिलाएं एमएलए बनतीं..’ विपक्ष पर भड़के सीएम सम्राट चौधरी

पटना, एजेंसी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026 भले ही लोकसभा में पास नहीं हो पाया हो लेकिन इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी अब जनता के बीच जाने की तैयारी में है। फिलहाल इसको लेकर तमाम बड़े नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं और विपक्षी दलों को घरेने में लगे हैं। इसी बीच आज पटना में एनडीए नेताओं ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे।

सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब 2005 में बिहार में एनडीए की सरकार बनी थी तो पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण दिया गया था। मुझे आज यह कहते हुए खुशी हो रही है कि बिहार में 50 फीसदी आरक्षण होने के बावजूद बिहार में 59 प्रतिशत से अधिक महिलाएं चुनाव जीत रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भरोसा दे रही थी, खुद गृहमंत्री अमित शाह भी भरोसा दे रहे थे कि इस बिल के जरिए 543 की जगह 816 सांसद और फिर 850 करने का प्रस्ताव है। अगर यह बिल पास हो जाता तो देश के 816 सांसदों में से 272 महिलाएं होतीं और बिहार में 122 महिलाएं विधायक होतीं लेकिन विपक्ष ने अपनी राजनीति के चक्कर में बिल को पास होने नहीं दिया। आधी आबादी इसका बदला जरूर लेगी।

‘बिहार विधानसभा में सिर्फ 29 महिला एमएलए हैं। अगर यह बिल पास हो जाता तो कम से कम 122 विधायक होतीं। पीएम मोदी सरकार भरोसा दे रही थी, अमित शाह जी भी भरोसा दे रहे थे कि इस बिल के जरिए 543 एमपी की जगह 816 और फिर 850 करने का प्रस्ताव है। अगर यह बिल पास हो जाता तो देश के 816 सांसदों में से 272 महिलाएं होतीं।

वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडीयू विधायक और पूर्व मंत्री लेसी सिंह, हम पार्टी विधायक ज्योति मांझी, बीजेपी विधायक संगीता कुमारी और विधान पार्षद अनामिका पटेल भी मौजूद रहीं।

अररिया में 19 लाख के साइबर फ्रॉड का खुलासा, पुलिस ने तीन को दबोचा

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले की साइबर थाना पुलिस ने 19 लाख रुपये के ऑनलाइन फ्रॉड मामले में शनिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी तौकीर आलम के बैंक खाते में 13 अप्रैल को अवैध रूप से 19 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे, जिनकी उसी दिन निकासी कर ली गई थी। इस मामले में साइबर थाना में कांड संख्या 19/26 दर्ज किया गया था।

विशेष टीम ने तीन को दबोचाः पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने शनिवार देर शाम प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले के खुलासे के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने जोकीहाट के भगवानपुर से मोहम्मद बाबर, मदनपुर ब्राह्मण बस्ती से सुमित कुमार झा और महलगांव थाना क्षेत्र के काजी टोला भुना वार्ड संख्या 8 से तबरेज आलम को गिरफ्तार किया।

बरामदगी और आगे की छानबीनः गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने पांच मोबाइल फोन, नौ एटीएम कार्ड और 22 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह गिरोह बैंक खातों में फर्जी ट्रांसफर कर तुरंत निकासी करने की शैली अपनाता था।

मनी म्यूल खातों का इस्तेमालः पुलिस का दावा है कि अक्सर कुछ लोग रुपये की लालच में अपना बैंक अकाउंट बेच देते हैं। साइबर फ्रॉड गिरोह इन खातों का इस्तेमाल ठगी के पैसे मंगाने और निकासी के लिए करते हैं। आरोपी भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर बैंक अकाउंट खुलवाते हैं और फ्रॉड की रकम ट्रांसफर कराते हैं। ऐसे खातों को मनी म्यूल खाता कहा जाता है, जिनका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग में होता है।

आईटी एक्ट के तहत मामला दर्जः इस मामले में आरोपियों पर बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338, 3, 5 और आईटी एक्ट की धारा 66 (सी) एवं (डी) के तहत मुकदमा दर्ज है। एसपी ने बताया कि अनुसंधान जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है।

घर से आइसक्रीम का बिजनेस, सालाना 35 लाख का टर्नओवर

शिवहर, एजेंसी। हौसले बुलंद हों तो गांव की पगडंडियों से निकलकर भी कामयाबी का आसमान छुआ जा सकता है। शिवहर जिले के पुरनिया प्रखंड के हथसार गांव की रहने वाली गीता देवी की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 2020 में जब पूरी दुनिया कोरोना और लॉकडाउन की वजह से घरों में कैद थी, तब गीता देवी ने अपनी गरीबी और तंगहाली से लड़ने का फैसला किया। आज वो न सिर्फ खुद आत्मनिर्भर हैं, बल्कि दर्जनों परिवारों का चूल्हा भी जला रही है।

दूध बेचने से शुरू हुआ संघर्ष : लॉकडाउन के उस दौर को याद करते हुए गीता देवी बताती हैं कि उनके पति विजय कुमार पंजाब में काम करते थे, लेकिन लॉकडाउन के कारण वो वहीं फंस गए। घर की माली हालत खराब होने लगी। पहले तो दूध बेचकर और हाथ पंखा बनाकर घर का खर्च चलाती थीं, लेकिन वो नाकाफी था। घर में पांच बच्चे और खुद का पेट पालना एक बड़ी चुनौती बन गया था। इसी मजबूरी ने उनके भीतर कुछ नया करने की आग पैदा की।

जीविका से सहारा, मामा की फैक्ट्री से आइडियाः गीता देवी साल 2017 से ही ‘जीविका’ समूह से जुड़ी हुई थीं। वहां से उन्हें ट्रेनिंग और थोड़ा आत्मविश्वास मिला था, लेकिन क्या बिजनेस करें, ये समझ नहीं आ रहा था। एक दिन मोबाइल देखते समय उन्होंने अपने मामा की आइसक्रीम फैक्ट्री का वीडियो देखा। बस, वहीं से उनके मन में ख्याल आया कि क्यों न गांव में ही आइसक्रीम बनाई जाए। उन्होंने ठान लिया कि चाहे जो हो जाए, वो ये काम शुरू करके रहेंगी।

आंगन से 18 वेंडर तक पहुंचा ‘सागर आइसक्रीम’: गीता देवी ने आइसक्रीम बनाने की ट्रेनिंग ली। बताया कि आइसक्रीम बनाने की शुरुआत उन्होंने अपने घर के आंगन से की थी। पहले महीने में 10-20 हजार रुपये के आसपास कमाई होती थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपने ब्रांड का नाम रखा ‘सागर आइसक्रीम’। धीरे-धीरे लोगों को स्वाद पसंद

आने लगा और मांग बढ़ती गई। आज सागर आइसक्रीम के पास 18 वेंडर हैं, जो अलग-अलग इलाकों में आइसक्रीम बेचते हैं। गीता देवी के अनुसार सालाना 30 से 35 लाख रुपये का कारोबार होता है।

अलग-अलग फ्लेवर का आइस्क्रीमः सागर आइसक्रीम में अलग-अलग वेरायटी के प्रोडक्ट बनते हैं। इसमें वैनिला, बटर सकॉच, मैंगो, एप्पल और सट्रोबरी फ्लेवर का आइस्क्रीम बनाया जा रहा है। सभी की अलग-अलग कीमत रखी गयी है। इसमें वैनिला 5 रुपये, बटर सकॉच 15-130 रुपये, मैंगो और एप्पल 10-10 और सटरोबरी फ्लेवर साइसक्रीम की कीमत 20 रुपया रखा गया है।

25 परिवारों को दिया रोजगार, द्धद्धरूसे सम्मानितः गीता देवी की सफलता का सबसे खूबसूरत पहलू ये है कि उन्होंने अपने साथ-साथ गांव के दूसरे लोगों के बारे में भी सोचा। आज उनके यूनिट में करीब 20 से 25 परिवारों को सीधा रोजगार मिल रहा है। उनकी इसी काबिलियत को देखते हुए उन्हें द्धद्धरूकोलकाता के ‘इनोवेशन प्रोग्राम’ में सम्मानित भी किया गया। एक गांव की साधारण महिला के लिए इतने बड़े संस्थान से सम्मान पाना किसी सपने के सच होने जैसा है।

लखपति दीदी बनकर पेश की मिसालः आज गीता देवी का नाम सरकार की ‘लखपति दीदी’ की लिस्ट में शामिल है। करीब 5-6 लाख की पूंजी से शुरू हुआ ये सफर अब 30 से 35 लाख के पार पहुंच चुका है। उनके पति भी अब पंजाब छोड़कर घर आ गए हैं और बिजनेस में हाथ बंटाते हैं। पांचों बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ रहे हैं। अब आगे फैक्ट्री बनाने की तैयारी का जा रही है। बैंक से लोन भी मिल गया है। डीप फ्रिजर समेत अन्य मशीनें खरीद ली गयी है।

लखपति दीदी योजना क्या है?: यह योजना केंद्र सरकार की ओर से चलायी जा रही है। इसका उद्देश्य स्वंय सहायता से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाकर कम से कम एक लाख रुपये सलाना करना है। इस योजना के तहत महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण और सुक्ष्म उद्योग शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये ब्याद मुक्त लोन दिया जाता है।

कैसे लाभ उठाएं?: महिलाएं नजदीकी स्वंय सहायता समूह से जुड़ सकती है। बिहार सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना जीविका से भी जुड़ सकती हैं। महिलाओं को ड्रोन संचालन, सिलाई, बुनाई, कृषि, और अन्य छोटे व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जाएगा और 5 लाख रुपये का लोन दिया जाएगा। उत्पाद बेचने के लिए मंच और मार्केटिंग सहायता भी दी जाती है।

विचार-मंथन

संपादकीय

पश्चिम एशिया तनाव का असर-महंगाई और गरीबी बढ़ने का बड़ा खतरा

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच टकराव के मोर्चे स्थायी तौर पर बंद होने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बीच हाल ही में पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच हुई शांति वार्ता बेनतीजा रहने से जहां अमेरिका का रुख फिर से आक्रामक हो गया है, वहीं ईरान भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार दिख रहा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट का अगर जल्द समाधान नहीं तलाश गया, तो इसके व्यापक एवं दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। इससे न केवल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना बेहद मुश्किल हो जाएगा, बल्कि खाद्य सुरक्षा का संकट गहराने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाएगी, जिससे सीधे तौर पर आम आदमी का जीवन स्तर प्रभावित होगा। इसका सबसे ज्यादा असर भारत समेत उन देशों पर पड़ेगा, जो अपनी जरूरतों के लिए आयात पर अधिक निर्भर हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की ओर से जारी एक रपट में कहा गया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच टकराव से उत्पन्न हालात के कारण भारत में पच्चीस लाख लोगों के गरीबी की जद में आने का खतरा है। इस आकलन का आधार यह है कि होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से जहां ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ रही है, वहीं लोगों की आजीविका कमजोर हो रही है, घरेलू क्रय शक्ति घट रही है और खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच टकराव के मोर्चे स्थायी तौर पर बंद होने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बीच हाल ही में पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच हुई शांति वार्ता बेनतीजा रहने से जहां अमेरिका का रुख फिर से आक्रामक हो गया है, वहीं ईरान भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार दिख रहा है। ऐसे में अगर होर्मुज जलमार्ग लंबे समय तक बंद रहा, तो इसका असर दुनिया भर में ऊर्जा के गंभीर संकट के रूप में सामने आएगा। भारत की बात की जाए, तो वह अपनी नब्बे फीसद से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और कच्चे तेल का चालीस फीसद से अधिक तथा एलपीजी का नब्बे फीसद आयात पश्चिम एशिया से किया जाता है। इसके अलावा, उर्वरक आयात का पैंतालीस फीसद से अधिक हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

म्यूजिक इवेंट्स की आड़ में फैलता नशे का जाल

यह बात छिपी नहीं है कि नशीले पदार्थों की बिक्री और इनके सेवन के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। 'रेव पार्टी' की बजाय अब संगीत कार्यक्रमों की आड़ में इस तरह के आयोजन किए जाते हैं।देश में महानगरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक में नशीले पदार्थों का जाल लगातार फैलता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ रहा है, जो उनके भविष्य और जान दोनों को खतरे में डाल रहा है। यह केवल व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी बड़ी चुनौती बन गया है। युवाओं के सामूहिक रूप से नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने के लिए विशेष आयोजन की खबरें भी अक्सर आती रहती हैं। मगर, अब इस तरह के आयोजनों का स्वरूप भी बदल रहा है।ऐसी ही एक घटना हाल ही में मुंबई के गोरेगांव में सामने आई, जहां नशीले पदार्थों के अत्यधिक सेवन से प्रबंधन संस्थान में पढ़ाई करने वाले दो विद्यार्थियों की मौत हो गई। ये दोनों अपने दोस्तों के साथ एक संगीत कार्यक्रम में आए थे। सवाल है कि जब नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और खरीद के खिलाफ कानून में सख्त प्रावधान है, तो फिर युवाओं की इन तक आसानी से पहुंच कैसे संभव हो पा रही है? यह बात छिपी नहीं है कि नशीले पदार्थों की बिक्री और इनके सेवन के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। 'रेव पार्टी' की बजाय अब संगीत कार्यक्रमों की आड़ में इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। पुलिस के मुताबिक, गोरेगांव में संगीत कार्यक्रम में भाग लेने आए जिन दो छात्र-छात्रा की मौत हुई, वे पहले से नशा करके आए थे और उन्होंने कार्यक्रम के दौरान फिर से नशीले पदार्थ का सेवन किया।यह बेहद चिंताजनक है कि पिछले कुछ वर्षों में मनोरंजन की आड़ में युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति बढ़ी है, लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार और प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की इच्छाशक्ति कहीं नजर नहीं आती है।

जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

बिहार में संभावनाएं विकास की- अब सत्ता सम्राट की

(ललित गर्ग)

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।राजनीति सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है।

भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो। बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ। नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं।

हर सवाल जरूरी नहीं- निजता की सीमा लांघते सवालों से कैसे प्रभावित होता है आत्मसम्मान

(मेघा राठी)

हम ऐसे समाज में रहते हैं, जहां लोग एक-दूसरे के जीवन में बहुत रुचि लेते हैं। यह रुचि कई बार अपनापन लगती है, लेकिन कई बार यही दखलंदाजी बन जाती है। जब कोई सार्वजनिक जगह पर रिश्तों का सहारा लेकर किसी से उसके जीवन के फैसलों पर सवाल करता है, तो वह केवल एक साधारण बात नहीं होती। वह उस व्यक्ति के आत्मसम्मान को छू जाती है। हर इंसान का जीवन उसका अपना होता है। उसमें उसके सपने होते हैं, उसकी मेहनत होती है, उसकी विफलताएं होती हैं और उम्मीदें भी। हर किसी की गति अलग होती है। कोई जल्दी सफलता पा लेता है, कोई देर से। कोई अपनी राह खुद चुनता है, कोई परिवार की अपेक्षाओं के साथ चलता है। समस्या यह है कि समाज सबके लिए एक ही तरह के मापदंड बना देता है। ऐसे में जो उससे अलग चलता है, वह सवालों के घेरे में आ जाता है। अक्सर लोग बिना सोचे पूछ लेते हैं- अब तक क्या किया? आगे की क्या योजना है? इतनी उम्र हो गई, अभी तक? ये सवाल सुनने में साधारण लग सकते हैं, पर कई बार ये सामने वाले को असहज कर देते हैं। खासकर तब, जब ये बातें सबके सामने कही जाएं। उस समय व्यक्ति को लगता है कि उसे अपने जीवन का हिसाब देना पड़ रहा है। कई बार सवाल पूछने वाले का इरादा बुरा नहीं होता। वह बस जिज्ञासु होता है या अपने अनुभव के आधार पर सलाह देना चाहता है। मगर हर जिज्ञासा जरूरी नहीं होती। हर बात पूछना आवश्यक नहीं होता। कुछ बातें ऐसी होती हैं, जो व्यक्ति अपने समय पर ही साझा करना चाहता है या नहीं भी करना चाहता है। जब हम बिना सोचे-समझे किसी की निजी बातों में दखल देते हैं, तो हम उसकी सीमा पार कर देते हैं। सार्वजनिक प्रश्न केवल शब्द नहीं होते, वे संकेत भी होते हैं। वे यह जताते हैं कि समाज को हमारे जीवन की प्रगति पर नजर रखने का अधिकार है। धीरे-धीरे व्यक्ति यह मानने लगता है कि उसे लगातार साबित करना है कि वह पीछे नहीं है। यह मानसिक दबाव अदृश्य होता है, पर बहुत गहरा होता है। कई लोग बाहर से मुस्कुरा देते हैं, हल्का-सा जवाब दे देते हैं, पर भीतर एक चुभन रह जाती है। इस तरह की टिप्पणियां धीरे-धीरे व्यक्ति के मन पर असर डालती हैं। वह अपने फैसलों पर शक करने लगता है। उसे लगता है कि शायद वह पीछे रह गया है। वह दूसरों से अपनी तुलना करने लगता है। कई बार वह अपने ही घर में अपने निर्णयों के लिए सफाई देने लगता है। यह स्थिति उसके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है। हम 'मौन' की अहमियत नहीं समझते जब व्यक्ति बार-बार अपने अस्तित्व को सही ठहराने की कोशिश करता है, तो उसके भीतर की सहजता कम होने लगती है। समस्या यह भी है कि हम 'मौन' की अहमियत नहीं समझते। हमें लगता है कि हर बात पर राय देना जरूरी है, लेकिन कई बार चुप रह जाना ही सबसे अच्छा व्यवहार होता है। अगर कोई अपनी जिंदगी के बारे में खुद बात नहीं करना चाहता, तो हमें उसका सम्मान करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन शांत और संतुलित रहने वाला है. आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी सी गलती नुकसान दे सकती है. कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा. सेहत के प्रति लापरवाही न करें और खान-पान पर ध्यान दें. शाम का समय सुकून देने वाला रहेगा।

वृष

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और आप अपने काम को पूरे जोश के साथ पूरा करेंगे. कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है. हालांकि किसी भी निर्णय में जल्दबाज़ी करने से बचना बेहतर रहेगा. दिन के अंत में मन में संतोष का भाव रहेगा।कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है।

कर्क

आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा. किसी यात्रा की योजना बन सकती है या अचानक यात्रा के योग भी बन सकते हैं. करियर में नई दिशा मिलने के संकेत हैं. आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी. कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है।

सिंह

आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा और आप कुछ नया करने की सोच सकते हैं. मन खुश और शांत रहेगा. परिवार के साथ समय बिताने से आपको सुकून मिलेगा. किसी पुराने काम को पूरा करने का अवसर मिलेगा. दिन सुखद और संतोषजनक रहेगा। कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है।

मिथुन

आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, नहीं तो छोटी-छोटी बातों पर मन परेशान हो सकता है. कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको संतोष मिलेगा. परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और अपनों का साथ मिलेगा. दिन के अंत में मन हल्का महसूस होगा।

कन्या

आज आपके लिए नए अवसरों के द्वार खुल सकते हैं. दोस्तों और परिचितों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा. कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है. मन में उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी।

तुला

आज धैर्य बनाए रखना बहुत जरूरी है क्योंकि जल्दबाज़ी नुकसान दे सकती है. कार्यक्षेत्र में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप समझदारी से उन्हें संभाल लेंगे. इसलिए आराम करें. कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है. मन में उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज आपके रिश्तों में मधुरता आएगी और आप अपने प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे. पार्टनर के साथ समझ बढ़ेगी और आपसी तालमेल मजबूत होगा. कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा और दिन सुखद बीतेगा। कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है।

मकर

आज काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आप अपनी क्षमता से सब संभाल लेंगे. किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन खुश होगा. सेहत का ध्यान रखें और ज्यादा तनाव न लें. दिन के अंत में राहत महसूस होगी। कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है. मन में उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी।

कुंभ

आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए हर काम सोच-समझकर करें. धैर्य और समझदारी से आप मुश्किलों को पार कर लेंगे. कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है. मन में उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। परिवार का साथ आपको मानसिक शांति देगा. आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें. दिन के अंत में स्थिति बेहतर होगी।

धनु

आज भाग्य आपका साथ देगा और कई कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं. पढ़ाई और करियर में प्रगति के अच्छे संकेत हैं. कोई अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा. परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा. आत्मविश्वास बना रहेगा। कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है।

मीन

आज नए लोगों से मुलाकात हो सकती है जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगी. बिज़नेस या काम में लाभ के संकेत मिल रहे हैं. कोई नई योजना बनाने या शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है. आपकी बातचीत की कला आपको लाभ दिला सकती है. मन में उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी।सकारात्मक सोच बनाए रखें और अवसरों का सही उपयोग करें. परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6067

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6066

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 6067

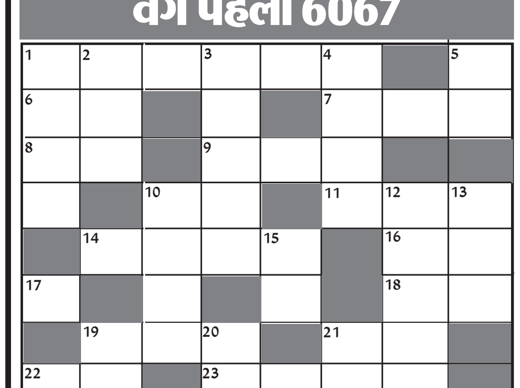

संकेतः बाएं से दाएं

1. 28 अगस्त 1913 को जन्मी ये भोपाल रियासत की राजकुमारी जिन्हें भारत की पहली पायलट होना का गौरव प्राप्त है (6)
6. फेसला करने वाला, न्यायकर्ता (2)
7. न्यायालय में दिया गया प्रार्थना पत्र (3)
8. जल नितल, तलछट (2)
9. अधिकार क्षेत्र, वृत्त (3)
10. निर्णीत, निश्चय किया हुआ (2)
11. स्तुति करने वाला, प्रशंसक (3)
14. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
16. पुरूष, मर्द (2)
17. गीष्म ऋतु में चलने वाली तप्त हवा (1)
18. 12 अगस्त 1987 को संसद में पास किए अधिनियम के अनुसार यह राज्य भारत संघ का 15 वां राज्य बन गया (2)
19. स्फूर्त, चटक, चुस्त, मुस्तैद (3)
21. नृत्य, संगीत-गीत के अनुसार अंगों का संचालन (2)
22. हरियाण की एक प्रसिद्ध जाति (2)
23. पति, खाविंद, भूर्तिभर्ता (4)

ऊपर से नीचे

1. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
2. इंद्र वज्र, मेघ विद्युत (3)
3. सुख देने वाला, नव मार्ग (4)
5. बांग्लादेश की प्रचलित मुद्रा (2)
10. किनारे पर होने या रहने वाला (4)
12. वन में विचरण करने वाला या रहने वाला, बहेलिया, व्याघ्र (5)
13. धातु या मिट्टी का बना टोंटीदार लोटा जो पूजा आदि में पयुक्त होता है (3)
15. निशाना, गंतव्य स्थान (2)
19. लंबाई की एक नाम जो 12 इंच के बराबर होती है (2)
20. फायदा, मुनाफा, परिणाम प्राप्ति (2)
21. रिश्ता, संबंध (2)

वर्ग पहेली 6066 का हल

मु	के	श			का	ति	ब
आ	ला	प	क		मा	ल	वा
य		थ	ल	प	क्षी		सी
ना	पा	क		ल			र
	क	र्ता	र		सो	फा	
आ	न		सि	त	म	ग	र
न	ज	र	क	र	ना		फू
न	र	म		ना	थ	ना	

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com/epaper

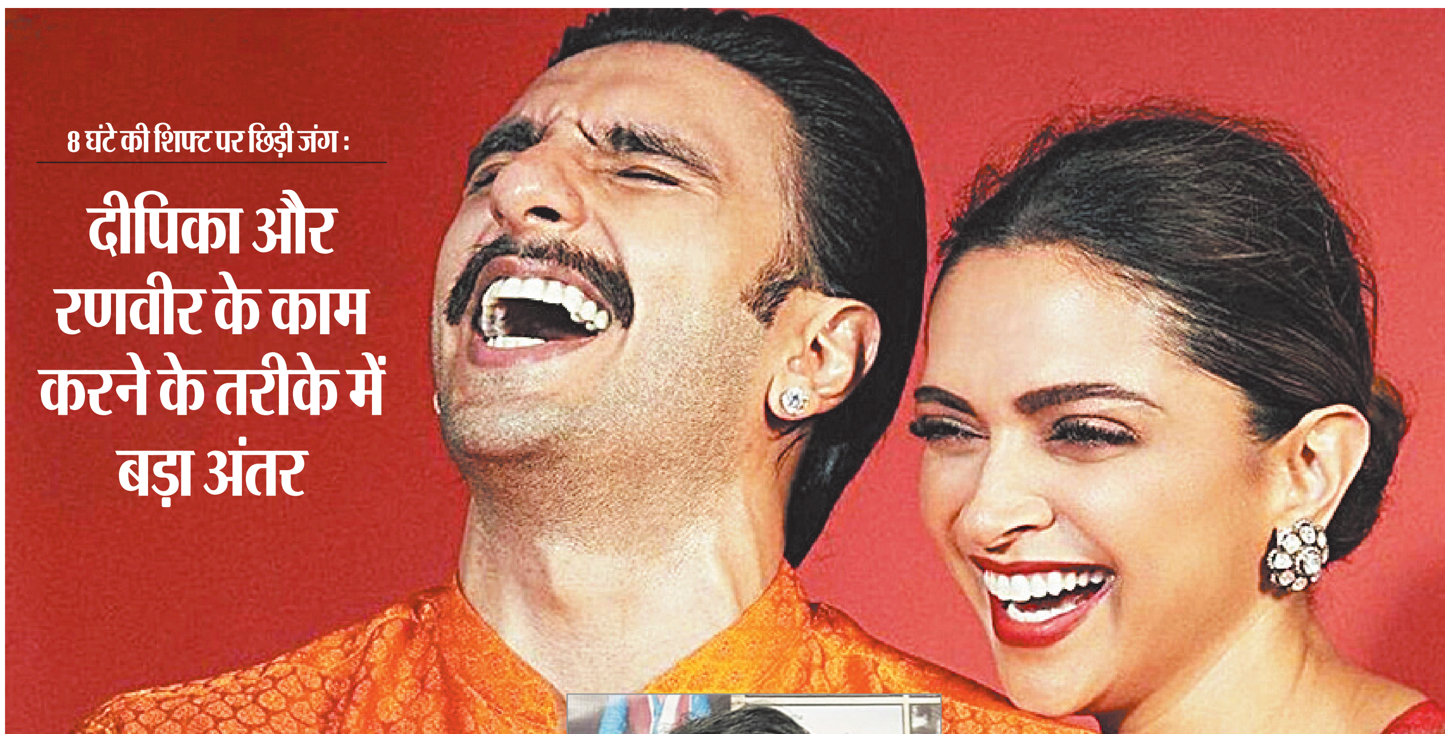

8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी जंग :

दीपिका और रणवीर के काम करने के तरीके में बड़ा अंतर

हिंदी सिनेमा में आठ घंटे काम करने का मुद्दा दोबारा गरमा गया है। दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद सिनेमा में आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी। उनका कहना था कि इंडस्ट्री में 8 घंटे से ज्यादा काम करने को प्रतिबद्धता मान लिया गया है। वहीं इस मुद्दे को दोबारा हवा देते हुए कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस का सपोर्ट किया, जिसके बाद इंडस्ट्री में दोबारा 8 घंटों की शिफ्ट को लेकर बहस छिड़ गई है लेकिन क्या आप जानते हैं कि काम के मामले में दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह दोनों की राय बहुत अलग है।

दीपिका पादुकोण जहां आठ घंटे की शिफ्ट को मेंटल और फिजिकल हेल्थ से जोड़कर देखती हैं, वहीं रणवीर सिंह के लिए काम ही सब कुछ है। उन्होंने धुरंधर में लगातार बिना ब्रेक लिए काम किया था। जिसका खुलासा, वे कई पोस्ट में कर चुके हैं। निर्देशक आदित्य धर ने खुद बताया था कि रणवीर सिंह समेत पूरी टीम ने 16-18 घंटे काम किया था। वहीं अभिनेता ने एक पुराने इंटरव्यू में भी खुलासा किया था कि उनकी वजह से उनके बाकी को-स्टार को भी परेशानी होती थी, क्योंकि वह आठ घंटे की शिफ्ट पर यकीन नहीं करते। उन्होंने कहा था, हिंदी सिनेमा में या एक फिल्म को बनाने में आठ घंटे में काम कर पाना बहुत मुश्किल है, तो थोड़ा ज्यादा कर लो शूटिंग, क्योंकि मैं काम को 'ट्रांजेक्शन' या सिर्फ एक लेन-देन के रूप में नहीं देखता।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि मेरे को-स्टार भी मुझसे परेशान हैं क्योंकि उनको लगता है कि मेरी वजह से उन्हें भी शिफ्ट से ज्यादा काम करना पड़ेगा और मैं सिनेमा के शिफ्ट स्टैंडर्ड को खराब कर रहा हूं, लेकिन अगर जो चीज हमें सीन के लिए चाहिए, अगर वह आठ घंटे में नहीं निकली तो क्या हुआ, थोड़ा सा और कर लो शूटिंग। बता दें कि रणवीर सिंह का बयान दीपिका पादुकोण के बयान से पहले आया था, जब दोनों साथ में कई फिल्में कर रहे थे। हालांकि दीपिका के बयान का बहुत सारे सिलेब्स ने सपोर्ट किया, सिवाय रणवीर सिंह के। जबकि संदीप रेड्डी वांगा और फराह खान जैसे निर्देशकों ने जमकर विरोध किया। यही कारण था कि दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' को ठुकरा दिया था, जिसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म में कास्ट किया गया।

क्यों अली असगर ने छोड़ा कपिल शर्मा शो में दादी का किरदार?

अली असगर ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में कई समय तक 'दादी' का किरदार निभाया। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि क्यों उन्होंने शो क्यों छोड़ दिया। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि अब वे स्क्रीन पर फीमेल कैरेक्टर क्यों नहीं करते हैं।

शो छोड़ने पर क्या बोले अली?

हाल ही में मनीष पॉल के साथ एक इंटरव्यू में अली ने इन सब बातों का खुलासा किया। अली असगर ने अपने करियर के उस दौर को याद किया, जब वह सिर्फ ड्रैग रोल्स ही कर रहे थे और उन्हें एहसास हुआ कि 'मैं बस यही कर रहा हूं।' अली ने कहा, 'जो लोग यह देख रहे होंगे, वो कह सकते हैं, 'क्या ये पागल है? उसने यह क्यों छोड़ा?' लेकिन उस समय 'कॉमेडी सर्कस' शनिवार और रविवार को आता था और दोनों एक्ट में मैं एक महिला किरदार निभाता था। धीरे-धीरे मेरी वही इमेज बनने लगी। राइटर्स के लिए भी यह आसान हो गया था, और वे बार-बार मेरे लिए महिला किरदार ही लिखते रहते थे।'

फीमेल कैरेक्टर ना करने की बताई असल वजह

अली को लगा कि उनकी पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। वह एक अभिनेता के तौर पर आगे बढ़ना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी बुरा लगता था और लगता था कि मैं सिर्फ यही नहीं करना चाहता। मैं और भी करना चाहता हूं। मैं कहता था, 'मुझे एक मौका दीजिए, कम से कम कोशिश करने दीजिए। अगर अच्छा नहीं लगे, तो फिर बता देना।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह सब इसलिए भी करता रहा क्योंकि मुझे काम की जरूरत थी। यही मेरी रोज़ी-रोटी है। आपको ये सब सोचना पड़ता है।' उन्होंने बताया कि उन्हें यह डर भी था कि अगर उन्होंने मना किया तो उन्हें बदल दिया जाएगा। आखिरकार, अली ने बताया कि वह मजबूरी में एक ही तरह के किरदार करते रहे, जब तक कि उनके बच्चों ने शिकायत नहीं की। उन्होंने खुलासा किया कि उनके ऑन-स्क्रीन रोल्स की वजह से उनके बच्चों को बुली किया गया।

'शक्तिमान' के रूप में रणवीर सिंह को क्यों नहीं देखना चाहते मुकेश खन्ना?

तारीफ करते हुए बताई वजह

हाल ही में खबरें आईं कि फिल्म 'शक्तिमान' में रणवीर सिंह अहम किरदार निभाएंगे। इस बीच टीवी शो में शक्तिमान का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना ने बताया है कि वह क्यों नहीं चाहते कि रणवीर यह किरदार निभाएं। दिग्गज एक्टर मुकेश खन्ना अपनी बेबाक राय के लिए जाने जाते हैं। वे अक्सर फिल्म इंडस्ट्री और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बातों की वजह से चर्चा में रहते हैं। हाल ही में, एक्टर ने सुपरहीरो 'शक्तिमान' के रीबूट पर बात की। उन्होंने बताया कि वे क्यों नहीं चाहते कि रणवीर सिंह इसका हिस्सा बनें। मुकेश खन्ना ने रणवीर की तारीफ भी की है।

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ-जूम से बातचीत में मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह की जमकर तारीफ की और कहा 'देखिए, मैं इसके खिलाफ इसलिए हूं क्योंकि भले ही वह एक बेहतरीन एक्टर हैं और उनमें जबरदस्त एनर्जी है।

वह 'धुरंधर' कर सकते हैं, 'गली बॉय' कर सकते हैं, 'खिलजी' का रोल भी कर सकते हैं। मगर 'शक्तिमान' का किरदार निभाने के लिए सिर्फ एक्टिंग की काबिलियत से कहीं ज्यादा चीजों की जरूरत होती है।'

तब्बू ने वर्सोवा में खरीदा ? 10 करोड़ का अपार्टमेंट

लियासेस फोरस से मिले पेपर्स के मुताबिक, तबस्सुम फातिमा हाशमी, यानी कि एक्ट्रेस तब्बू ने मुंबई के वर्सोवा में गोदरेज प्रॉपर्टीज से 10 करोड़ रुपये में 2,153 वर्ग फुट का अपार्टमेंट खरीदा है। दस्तावेजों के अनुसार, यह अपार्टमेंट मुंबई के वर्सोवा इलाके में स्थित गोदरेज स्काईशोर बिल्डिंग में खरीदा गया था। बिक्री के मुताबिक, अपार्टमेंट की खरीद 26 मार्च, 2026 को रजिस्टर की गई थी, जिसके लिए ?5.24 लाख का स्टांप शुल्क और ?30,000 का पंजीकरण शुल्क अदा किया गया था। दस्तावेजों से पता चलता है कि तब्बू ने अपार्टमेंट के साथ दो कार पार्किंग स्लॉट भी खरीदे थे। अपार्टमेंट का क्षेत्रफल लगभग 21,53 वर्ग फुट है और इसमें लगभग 127 वर्ग फुट की बालकनी भी शामिल है। दस्तावेजों के अनुसार, गोदरेज स्काईशोर परियोजना 27,000 वर्ग फुट से अधिक जमीन पर बनाई जा रही है। इस परियोजना में दो टावर होंगे, टावर ए और टावर बी, जिनमें पांच बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और कुल 24 मंजिलें होंगी। परियोजना में 126 आवासीय इकाइयां होंगी। तब्बू ने फिलहाल इस पर कोई बात नहीं की है।

दुल्हन बनने वाली हैं अंशुला कपूर

अंशुला कपूर दुल्हन बनने वाली हैं। वे जिंदगी के नए सफर की शुरुआत करेंगी। घर में शादी की तैयारियां चल रही हैं। इस बीच पापा बोनी कपूर काफी इमोशनल हो गए हैं। बोनी कपूर की बड़ी बेटी अंशुला कपूर दुल्हन बनने वाली हैं। वे अपने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी। अंशुला ने अपने रिलेशनशिप को बहुत प्राइवेट रखा है। बीते साल अक्तूबर में अंशुला और रोहन की 'गोर धना' रस्म संपन्न हुई। इससे पहले जुलाई में अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर ने न्यूयॉर्क में सगाई की थी। अब शादी की तैयारियां चल रही हैं। इस बीच बोनी कपूर ने बेटी के लिए इमोशनल नोट साझा किया है।

शादी की तैयारी के बीच सुकून के पल बिताती दिखीं अंशुला

बेटी की शादी का मौका परिवार के लिए खुशियां सेलिब्रेट करने वाला होता है। मगर, बेटी की विदाई एक इमोशनल पल भी होता है। शायद बोनी कपूर इन दिनों कुछ ऐसा ही महसूस कर रहे हैं। अंशुला कपूर इन दिनों अपनी शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस बीच बोनी कपूर ने उनके लिए एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अंशुला की एक फोटो शेयर की है, जिसमें वे एक कैफे में नजर आ रही हैं।

ऋतिक पर 500 करोड़ का दांव!

साल 2024 में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के साथ डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद 'फाइटर' के नाम से एक फिल्म लेकर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर एवरेज रही थी. ये उस साल की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. अब ऐसी चर्चा शुरू हो गई है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने वाला है और इस बार फिर से सिद्धार्थ आनंद ही डायरेक्शन की कमान संभालने वाले हैं. सिद्धार्थ आनंद इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं. 'किंग' से पहले शाहरुख और सिद्धार्थ ने 'पठान' में भी काम किया था और उस फिल्म ने हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. 'किंग' इसी साल 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली है. ये एक बड़े बजट की फिल्म है. लेकिन अब सिद्धार्थ ने एक ऐसा रिएक्शन दिया है, जिसके बाद ही 'फाइटर 2' की चर्चा शुरू हुई है. बात तो यहां तक हो रही है कि इसका बजट 'किंग' से भी ज्यादा होने वाला है.

सिद्धार्थ आनंद का रिएक्शन

इस पोस्ट पर सिद्धार्थ आनंद का कमेंट आता है और वो नजर का टीका वाली इमोजी कमेंट सेक्शन में ड्रॉप करते हैं. यानी वो इस पोस्ट पर कहते हैं कि नजर न लगे. उन्होंने खुलकर तो कुछ भी नहीं कहा, लेकिन उनके इस कमेंट के बाद ऐसी बातें शुरू हो गई हैं कि वो 'फाइटर 2' बना रहे हैं. उनके कमेंट पर लोगों ने उनसे ये भी कहना शुरू कर दिया कि अब फिल्म का ऑफिशियल ऐलान भी कर दीजिए. अब इस कमेंट के जरिए सिद्धार्थ ने सच में 'फाइटर 2' को लेकर कंफर्मेशन दे दिया या फिर उन्होंने यूंहीं रिएक्ट किया है, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

500 करोड़ के बजट में बनेगी 'फाइटर 2'?

दरअसल, हाल ही में एक इंस्टाग्राम अकाउंट ने 'फाइटर 2' को लेकर एक पोस्ट किया. पोस्ट में लिखा गया, ''फाइटर 2' बन रही है और इसके आंकड़े भी कम नहीं हैं. सिद्धार्थ आनंद ने कंफर्म कर दिया है कि 'फाइटर 2' के प्रोडक्शन का काम सितंबर 2026 में शुरू होगा. ऋतिक रोशन वापसी कर रहे हैं. दीपिका पादुकोण भी वापसी कर रही हैं. बजट 500 करोड़ रुपये, जो किसी भी भारतीय एक्शन फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट है. '

साध्वी सैल 30 प्रतियोगियों को हराकर बनीं मिस इंडिया 2026

साध्वी सैल ने भारत की 30 खूबसूरत मॉडल्स को पछाड़कर मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का खिताब अपने नाम किया है। अब वह मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। शनिवार को भुवनेश्वर के केआईआईटी में 61वें मिस इंडिया प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें इस साल का मिस इंडिया वर्ल्ड खिताब गोवा की साध्वी सैल ने जीता है। उन्होंने राजनंदिनी और अद्वैता को पछाड़कर यह खिताब अपने नाम किया है।

सात भाषाओं पर है पकड़

साध्वी सैल का ताल्लुक गोवा से है। उनका सफर काफी प्रेरणादायक है। साध्वी ने अर्थशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में शिक्षा हासिल की है। खास बात यह है कि वह 7 भाषाएं लिख, बोल और पढ़ सकती हैं।

मिस वर्ल्ड में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व?

मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करने के बाद साध्वी मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उम्मीद है कि वह अपनी समझदारी और खूबसूरती से भारत को मिस वर्ल्ड का ताज दिला सकती हैं। साध्वी सैल ने 30 खूबसूरत मॉडल को हराकर मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का ताज अपने नाम किया है।

सबसे पहले पिता को दी जानकारी

मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद साध्वी ने सबसे पहले अपने पिता को फोन किया। उन्होंने बताया कि वह मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीत गई हैं। पिता से बात करते हुए वह काफी खुश नजर आईं। इस बीच उनकी आंखों से खुशी के आंसू भी निकल आए। उन्होंने फोन पर अपने पिता से अपनी मातृभाषा में बात की।

खिताब जीतने के बाद क्या बोलीं साध्वी?

मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद साध्वी ने मीडिया से कहा 'मुझे यह सब बहुत ही हैरान करने वाला लग रहा है कि हमें यह मौका मिला। हम सभी ने बहुत ही अच्छा समय बिताया। मैं वैश्विक मंच पर देश को गौरवान्वित करना चाहती हूं। सफर में मुश्किलें थीं लेकिन आयोजकों ने हम लोगों का ध्यान रखा। मैं इस खिताब के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहूंगी।'

समारोह में शामिल हुई हस्तियां

18 अप्रैल को भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में इस समारोह का आयोजन हुआ। इसमें संस्थान के छात्रों ने परफॉर्म किया। इस प्रोग्राम में जीनत अमान, नेहा धूपिया, सेलिना जेटली, मधुर भंडारकर, और टेरेंस लुईस शामिल हुए। मनीष पॉल ने शो होस्ट किया। गायक जुबिन नौटियाल, डांसर लॉरेन गॉटलिब और ईशान खट्टर ने परफॉर्म किया।

संक्षिप्त समाचार

भाकियू बलराज की 9 विद्युत मांगों पर एनपीसीएल सहमत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) ने 20 अप्रैल को एनपीसीएल के कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि चेतावनी को देखते हुए एनपीसीएल के अधिकारियों ने शनिवार को बैठक के लिए बुलाया। एनपीसीएल के वाइस प्रेसिडेंट सुबोध कुमार त्यागी, वाइस प्रेसिडेंट तरुण गोयल आदि अधिकारियों ने वार्ता की। बलराज भाटी ने किसान उपभोक्ताओं का पक्ष बिंदूवार रखा जिसमें विद्युत संबंधित नौ मांगें रखी गई, जिसमें सभी पर सहमति बन गई। 20 दिन में सभी मांगों पर काम करने का आश्वासन दिया गया है। इस दौरान महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौ. शौकत अली चेची, राष्ट्रीय प्रवक्ता विपिन खारी, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष वैभव वैष्णव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, प्रदेश अध्यक्ष योगेश वैष्णव, जिलाध्यक्ष जोगेंद्र नागर आदि उपस्थित रहे।

मीट-क्यूट में सृति झा और शबीर अहलूवालिया संग सजा पुराने दौर के रोमांस का खास जश्न

मुंबई, एजेंसी। स्टार प्लस ने शनिवार को मुंबई में अपने बहुप्रतीक्षित शो 'तुम देना साथ मेरा' के प्रीमियर से पहले एक खास कम्युनिटी इवेंट 'मीट-क्यूट का आयोजन किया। वास्तविक जुड़ाव और कहानी कहने की कला का संगम बने इस इवेंट में सिंगल मिलेनियल्स और मीडिया कपल्स का एक चुनिंदा समूह शामिल हुआ, जहाँ एक अर्थपूर्ण और पुराने दौर के रोमांस का जश्न मनाया गया ।विंटेज लव की खूबसूरती को केंद्र में रखकर तैयार किए गए इस अनुभव ने एक आत्मीय और दिलचस्प माहौल बनाया, जहाँ मेहमानों ने खुलकर बातचीत की, इंटरैक्टिव एक्टिविटीज़ में हिस्सा लिया और हल्के-फुल्के पलों का आनंद लिया, जिससे सच्चे कनेक्शन बनने की प्रेरणा मिली। मीडिया कपल्स की मौजूदगी ने इस शाम को और खास बना दिया, जिन्होंने अपने निजी अनुभवों के ज़रिए प्यार के असली मायनों को साझा किया और अपनी कवरेज के माध्यम से इस शाम की भावना को दर्शाया। अपनी थीम के अनुरूप, 'मीट-क्यूट ने क्लासिक रोमांस की यादों को ताज़ा किया—विंटेज सजावट, सौम्य रोशनी और सोच-समझकर चुने गए तत्वों के साथ, जो उस दौर की झलक दिखाते हैं जब रिश्ते गहराई, धैर्य और भावनात्मक जुड़ाव पर आधारित होते थे। इस इवेंट में चार चाँद लगाने के लिए लीड कलाकार सृति झा और शबीर अहलूवालिया भी शामिल हुए, जिन्होंने उपस्थित मेहमानों और मीडिया से बातचीत की। दोनों ने अपने किरदारों और शो की भावनात्मक गहराई के बारे में जानकारी साझा की, जिससे 'तुम देना साथ मेरा' की दुनिया की एक झलक मिली।

फरीदाबाद के मुजेसर में थर्माकोल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

फरीदाबाद, एजेंसी। मुजेसर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित किरण पैकेजिंग इंडस्ट्री में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। प्लॉट नंबर 110 में संचालित इस थर्माकोल फैक्ट्री में आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई और मौके पर मौजूद मजदूरों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। आग इतनी भयावह है कि फैक्ट्री के भीतर से लगातार धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। एहतियात के तौर पर आसपास की अन्य फैक्ट्रियों से भी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। आग इतनी भीषण थी की इसके पास स्थित एक दूसरी फैक्ट्री भी आज की चपेट में आ गई है उसमें भी आग लग गई, जिसका नाम ओमेगा ब्राइट स्टील इंडस्ट्री है घटना की सूचना मिलते ही मुजेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और सुरक्षा के मद्देनजर दोनों तरफ से ट्रैफिक को रोक दिया गया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई है आग बुझाने शुरू कर दिया है अब तक तीन गाड़ी मौके पर पहुंची है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी इसी औद्योगिक क्षेत्र में एक वर्कशॉप में भीषण आग लगी।

हॉरर कीलिंग : तीन भाइयों ने बहन को पीटकर मार डाला

प्रेमी ने अधमरी हालत में भागकर बचाई जान

पनियरा (महराजगंज), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के अंदर अपनी बहन को प्रेमी के साथ देख तीन भाइयों ने उसे लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटकर मार डाला। वहीं युवक अधमरी हालत में जान बचाकर भाग निकला। बहन के शव को भाइयों ने पिकअप से गोरखपुर जनपद के सहजनवा थाना क्षेत्र में ले जाकर जला दिया। पुलिस ने तीनों भाइयों को शनिवार को हिरासत में ले लिया, जिनमें 15 साल का एक बाल अपचारी है।

घटना गुरुवार रात की है। बताया जा रहा है कि गांव का ही एक युवक युवती से प्रेम करता था। गुरुवार की रात वह युवती से मिलने उसके घर चला गया। उस समय युवती की मां और भाई रिश्तेदारी में गए थे। रात में रिश्तेदारी से लौटने के बाद एक भाई ने बहन को युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में देख अपने दो और भाइयों को बुला लिया। इसके बाद दोनों को कमरे में बंद कर बाइक के शॉकर की रॉड से पीटना शुरू कर दिया। इसमें बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मारपीट से अधमरा हुआ युवक जान बचाकर भाग निकला।

अगली सुबह शुक्रवार को तीनों भाई, बहन का शव पिकअप में लादकर उसे गोरखपुर जिले के थाना सहजनवा क्षेत्र के सिसई घाट ले गए। बिना किसी को बताए शव को जला दिया। पहले मामले में मारपीट-धमकी का केस दर्ज हुआ था। एसपी तक मामला पहुंचा तो उन्होंने तह तक जाने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस की जांच में पूरे मामले का खुलासा हुआ। मामला सामने आने के बाद पुलिस भी हैरान रह गई। शनिवार को पुलिस की फोरेंसिक टीम बुलाई गई। सीओ सदर अंकुर कुमार गौतम और पनियरा थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे। टीम ने साक्ष्य एकत्र किया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद युवती के भाई ने अपने घर की साफ-सफाई की। खून से लथपथ कपड़े को जलाकर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। गांव में पुलिस तैनात है। इस घटना की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। महराजगंज के एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया है। मुकदमे में हत्या और साक्ष्य छिपाने की धारा बढ़ाई गई है। मामले की जांच गंभीरता के साथ की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त बाइक के शॉकर की रॉड भी पुलिस ने बरामद कर ली है।

पहले होगी जांच

यूपी में पुराने बिजली मीटरों को स्मार्ट प्रीपेड से बदलने पर तत्काल रोक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पुराने बिजली मीटरों को अब स्मार्ट प्रीपेड मीटर से नहीं बदला जाएगा। यह रोक तत्काल प्रभाव से शनिवार से ही लगा दी गई है। स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता पर गठित जांच समिति की रिपोर्ट आने तक यह रोक बरकरार रहेगी।

केंद्र सरकार की रिवैंप डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत उपभोक्ताओं के घरों में लगे मैनुअल मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदला जा रहा है। बदले गए मीटरों को बाद में बिना उपभोक्ताओं की सहमति के प्रीपेड मोड में बदल दिया जा रहा था। बीते काफी दिनों से स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक शिकायत पहुंचने के बाद उन्होंने इसकी जांच करवाने के आदेश दिए थे। पावर कॉरपोरेशन ने जांच के लिए चार सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित कर दी है, जिसे दस दिनों में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आने तक आरडीएसएस के तहत पुराने मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदलने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव और पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बताया कि जब तक समिति की रिपोर्ट नहीं आ जाती है तब तक रोक के आदेश प्रभावी रहेंगे। रिपोर्ट पर आगे का फैसला होगा। तकरीबन 27 हजार करोड़ खर्च कर पुराने मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदला जा रहा है। बदले जा रहे मीटरों का खर्च उपभोक्ताओं से नहीं लिया जा रहा है।

नए कनेक्शन स्मार्ट मीटर से प्रीपेड मोड में ही भले ही पुराने मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई हो, लेकिन नया कनेक्शन लेने वालों के लिए

कोई राहत नहीं है। नए कनेक्शन स्मार्ट मीटर के साथ प्रीपेड मोड में ही दिए जाएंगे। नए कनेक्शन को प्रीपेड मोड में ही दिए जाने का आदेश प्रभावी रखा गया है। हालांकि, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बीते दिनों लोकसभा में मीटरों के प्रीपेड या पोस्टपेड मोड को उपभोक्ताओं का विकल्प बताया था। बता दें कि स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर आ रही शिकायतों पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार कर रखा है। उनकी सख्ती के बाद पावर कारपोरेशन ने स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई है। यह समिति 10 दिनों में पावर कारपोरेशन को स्मार्ट मीटरों का तकनीकी परीक्षण करके उसकी गुणवत्ता के संबंध में रिपोर्ट देगी। प्रदेश में अब तक 85 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से 70 लाख से ज्यादा प्रीपेड मोड में काम कर रहे हैं।

वडोदरा के छात्रों का कमाल : समुद्र के पानी से ढूंढ निकाला ऐसा बैक्टीरिया, जो खुद पैदा करता है रोशनी

वडोदरा, एजेंसी। वडोदरा की महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी (एमएसयू) के तहत आने वाले एम.के. अमीन कॉलेज, पादरा के दो विद्यार्थियों ने विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बीएससी माइक्रोबायोलॉजी के स्टूडेंट अर्णव ढमढेरे और हरिओम पाठक ने समुद्र के पानी से एक ऐसे बैक्टीरिया की खोज की है जो अंधेरे में रोशनी पैदा करता है। इन्हें बायोल्युमिनिसेंट बैक्टीरिया कहा जाता है और इनकी यह खोज एकेडमिक और साइंस जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। अर्णव और हरिओम ने अपनी रिसर्च से न सिर्फ अपने कॉलेज, बल्कि पूरे वडोदरा को गौरवान्वित किया है, साथ ही युवा छात्रों को भी प्रेरित किया है। अमीन कॉलेज के विद्यार्थी अर्णव ढमढेरे ने बताया कि हर्बल साइंस के ओपन हाउस में स्कूल के विद्यार्थियों को बुलाया जाता है। बायोल्युमिनिसेंट बैक्टीरिया को आइसोलेट करने का हमारा प्राइमरी उद्देश्य कुछ अलग करके दिखाने का था। पढ़ाई के दौरान हमें पता चला कि बायोल्युमिनिसेंट बैक्टीरिया की वजह से रात को समुद्र चमकता है। इस बैक्टीरिया की खोज करने की यही वजह है। अर्णव ने बताया कि हरिओम समुद्र के पानी को ले आया। हमें बायोल्युमिनिसेंट बैक्टीरिया मिले हैं। यह बैक्टीरिया काफी काम का है।

अमीन कॉलेज के विद्यार्थी हरिओम पाठक ने बताया कि बीते एक वर्ष से इस पर काम कर रहे हैं। इस बैक्टीरिया के खोज की हमारी कोशिश थी। हमें रिफाइन और पहचान करने के लिए एक वर्ष का समय लगा। बायोल्युमिनिसेंट बैक्टीरिया खारे पानी में जिंदा रहता है। इस बैक्टीरिया को पहचानने में छह महीने का समय लगा। छोटी-छोटी समस्याओं की वजह से हमको इसकी पहचान करने में ज्यादा वक्त लगा। प्रोफेसर ने बताया कि हमने विद्यार्थियों को पूरी तरह से सपोर्ट किया है।

पहलगाम में अब 'क्यूआर कोड' वाली सुरक्षा, स्कैन करते ही निकल आएगी सारी जानकारी

पहलगाम , एजेंसी। बीते वर्ष अप्रैल महीने में ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था जिसने पूरे देश को दहला दिया था। पहलगाम की पुलिस ने इस पूरे इलाके में सुरक्षा को सख्त करने के लिए अब कार्ड की जगह क्यूआर कोड का रास्ता निकालाय है। यहां पहाड़ी इलाकों में काम करने वाले लोगों, टैक्सी ड्राइवर, पोनी हैंडलर और घुमंतू लोगों को भी एक क्यूआर कोड दिया जा रहा है। इसे आईकार्ड की तरह लटकाना होगा। क्यूआर कोड स्कैन करते ही व्यक्ति की सारी डीटेल आप मोबाइल में देख सकते हैं। इसे गूगल लेंस से भी स्कैन किया जा सकता है।

इस क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद व्यक्ति का नाम, पता, फोन नंबर, आधार कार्ड का नंब, पिन कोड और उसका प्रोफेशन सब पता चल जाएगा। बता दें कि पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला करके 26 लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद यहां स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को तकनीक आधारित और सख्त करने के लिए कई कदम उठाए हैं। स्थानीय पुलिस का कहना है कि यह देश की सबसे बड़ा पहचान

अभियान है। इसका उद्देश्य 25 हजार लोगों को एक आइडेंटिटी सिस्टम के तहत लाना है। अब तक पहलगाम के इलाके में लगभग 7 हजार लोगों को क्यूआर कोड दिए जा चुके हैं। स्थानीय पुलिस के मुताबिक इसके लिए अप्लाई करने वाले को सबसे पहले वेरिफिकेशन फॉर्म जमा करना होगा। इसके बाद पुलिस उसका पूरा बैकग्राउंड चेक करती है और फिर क्यूआर कोड जारी किया जाता है। अगर किसी व्यक्ति का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है तो उसे क्यूआर नहीं जारी किया जाता है। क्यूआर कोड यहां 'खिदमत' सर्विस सेंटर की मदद से जारी किया जाता है। पहलगाम में 17-18 ऐसी जगहें हैं जहां पर्यटक ज्यादा आते हैं। इन इलाके में रहने वाले लोगों को तेजी से क्यूआर कोड दिए जा रहे हैं। यह क्यूआर कोड केवल सुरक्षाबल ही नहीं बल्कि टूरिस्ट भी स्कैन कर सकते हैं। बता दें कि बैसरन में आतंकी हमलों के बाद कई स्थानीय लोग भी आतंकियों के साथ मिले होने के लिए शक के दायरे में थे। पुलिस ने कम से कम 20 पोनी हैंडलर, गाइड और सामान बेचने वाले लोगों से पूछताछ की थी। बाद में एनआईए ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया था।

गुरुग्राम की 8 कॉलोनियों में गरजे बुलडोजर, 900 से ज्यादा अवैध निर्माण ध्वस्त

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम की बिल्डर कॉलोनियों में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की 8 टीमों ने शनिवार को डीएलएफ फेज-1 समेत आठ कॉलोनियों में बुलडोजर चलाकर सैकड़ों अवैध निर्माण और अस्थायी ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

डीटीपी (प्रवर्तन) अमित मधोलिया की निगरानी में यह पूरी कार्रवाई की गई। पहली टीम ने डीएलएफ फेज एक के बोधी मार्ग, अर्जुन मार्ग, पश्चिम मार्ग, सी-15 रोड सहित प्रमुख सड़कों पर व्यापक कार्रवाई करते हुए अवैध ढांचे हटाए। इसमें गार्ड रूम, पार्क अतिक्रमण, कियोस्क एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में किए गए विस्तार को ढहा दिया। दूसरी टीम साउथ सिटी-1 में गार्ड रूम, लेबर क्वार्टर, टॉयलेट, अवैध गेट और टिन शेड को तोड़ दिया। तीसरी टीम ने पालम विहार में अवैध चारदीवारी, फेंसिंग, गार्ड रूम तथा अन्य संरचनाओं को हटाया। इसी तरह विभाग की अन्य टीमों ने सुशांत लोक तीन, रोजवुड सिटी, आरडी सिटी, मालिबू टाउन एवं सनसिटी कॉलोनी में कार्रवाई की। इन कॉलोनियों में गार्ड रूम, रैंप, बैरियर, पार्क में किए गए अतिक्रमण और अस्थायी ढांचों को हटाकर सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

बड़ी संख्या में गार्ड रूम गिराए

नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की टीमों ने कॉलोनियों में 215 गार्ड रूम, 100 रैंप, 110 चारदीवारी, 50 अवैध गेट गिरा दिए। 40 दुकान, 50 से अधिक शौचायल, डीजी सेट भी तोड़ दिए गए। इसके अलावा 300 घरों के बाहर से अतिक्रमण हटाया गया।

विभाग की ओर से इन कॉलोनियों में अतिक्रमण के खिलाफ कई बार भी कार्रवाई हो चुकी है। लोगों की की ओर से लगातार सड़क के ऊपर अतिक्रमण किए जा रहे थे। इससे सड़कों पर आवागमन बाधित हो रहा था। सरकार ने इस मामले को संज्ञान लेते हुए विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अब विभाग की ओर से सभी कॉलोनियों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा स्टिल्ट पार्किंग प्लस चार फ्लोर नियम पर रोक के बाद हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल द्वारा 16 अप्रैल को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे। उन्होंने सभी संबंधित विभाग को सड़कों से अतिक्रमण हटाने के साथ स्टिल्ट प्लस फोर के नियमों पर सख्ती से पालन करने के आदेश दिए।

नोएडा एयरपोर्ट के पास चल रहा बड़ा 'खेल', सरकार को हो रहा नुकसान

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र में दो गुने मुआवजे और प्लॉट के लालच में किसानों की जमीन पर बाहरी लोग लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। कम लागत से मकान तैयार करने के चक्कर में लोग बेहद निम्न गुणवत्ता के भवन को तैयार कर रहे, जिससे कई बार हादसे भी हुए हैं। नगला हुकमसिंह, रामनेर व नीमका गांव में लोगों को जान गंवाने के साथ ही घायल हो चुके हैं। पुलिस-प्रशासन लगातार ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करता रहा है, उसके बावजूद भी निर्माण कार्य रुकने का नाम नहीं ले रहे। अब प्रशासन ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले एजेंसी ठेकेदार और निर्माण कराने वाले मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। जिससे राज्य सरकार को होने वाली वित्तीय क्षति से रोका जा सके। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण के लिए अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। दोनों चरणों में एयरपोर्ट की सीमा के अंदर आने वाले नगला हुकमसिंह, कुरैब, नगला जहानू, रन्हेरा, थोरा, बनवारीवास, नीमका, ख्वाजपुर, रामनेर, किशोरपुर आदि गांव का विस्थापन किया जाना है। इन गांव में विस्थापन का अनुचित लाभ और लागत का दो गुना मुआवजा लेने के लिए कुछ बाहरी लोग दोयम दर्जे की ईंटों को मिट्टी के गिलाए में चिनाई करा महल खड़े कर रहे हैं। ऐसे मिट्टी के महल लगातार हादसे का शिकार भी हो रहे है एयरपोर्ट क्षेत्र के नगला हुकमसिंह गांव में दो मंजिला मकान गिरने से चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, रामनेर गांव में भी कुछ दिनों पूर्व मकान गिरने से काम पर लगी महिला श्रमिक की जान चली गई। इसके अलावा मुकीमपुर सिवारा और नीमका गांव में भी मकान गिरने की वजह से हादसे हो चुके हैं। लगातार हादसों को देखते हुए तहसील प्रशासन की तरफ से इन गांव में निर्माण सामग्री ईंट, सीमेंट, सरिया, रोड़ी, डस्ट, बालू रेता की आपूर्ति पर रोक लगा दी थी। लेकिन निर्माण करने वाले अब रात के समय निर्माण कार्य करा रहे हैं।

चार धाम यात्रा; बसें रवाना: 22 को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के खोले जाएंगे कपाट

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में चारधाम यात्रा- 2026 के लिए बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण किया और यात्रा को सुगम, सुरक्षित और दिव्य बनाने का संकल्प दोहराया। सरकार इस साल ग्रीन चारधाम, और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर और रोपवे जैसी सुविधाओं से यात्रा अब और भी तेज होगी। यात्रा मार्ग पर बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ऋषिकेश में चारधाम यात्रा-2026 के लिए बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए लगाए गए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने देश के अलग-अलग हिस्सों से आए यात्रियों का स्वागत किया। सीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा आस्था और साधना का रास्ता है। इस यात्रा से भक्तों को आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा मिलती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वास्थ्य पर भी फोकस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में पुनर्निर्माण के काम तेजी से हो रहे हैं। गंगोत्री, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब में भी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। गौरीकुंड से केदारनाथ धाम और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक के लिए रोपवे परियोजनाओं का काम भी आगे बढ़ रहा है। केदारनाथ में मेडिकल अस्पताल तैयार हो गया है। बद्रीनाथ में 50 बेड का अस्पताल जून तक तैयार हो जाएगा। यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है।

स्वच्छता और पर्यावरण पर जोर

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार है। सीएम ने कहा कि उत्तराखंड के कण-कण में भगवान रहते हैं। इस पवित्रता को बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। सरकार ने इस साल पर्यावरण के अनुकूल यात्रा और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ का लक्ष्य रखा है। रास्तों पर सफाई के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। सभी गाड़ियों में कूड़ेदान रखना जरूरी कर दिया गया है। सभी से अपील है कि जैसे हम अपने घर के मंदिर को साफ रखते हैं, वैसे ही देवभूमि को भी स्वच्छ और पवित्र रखना है।

कब-कब किन धाम के खुलेंगे कपाट ?= बता दें कि चारधाम यात्रा के पहले दिन रविवार 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खोल दिए गए। वहीं 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के खोले जाएंगे। इसके बाद अगले महीने 23 मई को श्री हेमकुंड साहिब के कपाट खुलेंगे। इस बार चारधाम यात्रा में कई बदलाव किए गए हैं। इस बार दर्शन के दौरान भीड़ से बचने के लिए टोकन सिस्टम लागू होगा। गौरीकुंड से केदारनाथ मंदिर तक निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया है ताकि यात्रियों को कोई परेशानी ना हो।

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा जल्दी वापसी करेंगे

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक आईपीएल 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह सीएसके की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद सीएसके के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। सीएसके के बैटिंग कोच ने कहा, जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे। वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।

पीसीआई का बड़ा फैसला

उत्पीड़न के आरोपों के बाद नीरज चोपड़ा के जेवलिन कोच बर्खास्त

नईदिल्ली(एजेंसी)। पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया पीसीआई ने बड़ा कदम उठाते हुए कोच नवल सिंह को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल द्वारा लगाए गए मानसिक उत्पीड़न के आरोपों और अन्य खिलाड़ियों की शिकायतों के बाद की गई, जिसमें नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया।

सुमित अंतिल ने लगाए गंभीर आरोप – सुमित अंतिल ने नवल सिंह पर मानसिक प्रताड़ना और अपशब्द कहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्पोर्ट्स ऑथोराइट्स आफ इंडिया (साई) से भी की थी। अंतिल ने कहा कि कोच का व्यवहार खिलाड़ियों के लिए असहज और अपमानजनक था।

पीसीआई अध्यक्ष ने दी जानकारी –पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा- शिकायतें मिलने के बाद हमने तुरंत संज्ञान लिया। एथलीटों को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया गया। आरोप गंभीर थे और शुरुआती सबूत भी मिले, जिसके बाद आपात बैठक में नवल सिंह को हटाने का फैसला लिया गया।

अन्य खिलाड़ियों ने भी की शिकायत – सिर्फ सुमित अंतिल ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों ने भी नवल सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया, जिनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया गया।

मानसिक उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोप – सुमित अंतिल ने आरोप लगाया- नवल सिंह ने हमारा मानसिक उत्पीड़न किया और मेरे व नीरज के परिवार के साथ भी दुर्व्यवहार किया। वह जानबूझकर अपमानजनक बातें रिकॉर्ड कर टीम मैनेजमेंट के साथ साझा करते थे।

आपात बैठक के बाद लिया गया फैसला – पीसीआई ने सभी शिकायतों और मौखिक सुनवाई की समीक्षा के बाद आपात बैठक बुलाई। जांच में शुरुआती स्तर पर आरोप सही पाए जाने के बाद कमेटी ने सर्वसम्मति से नवल सिंह को तुरंत हटाने का निर्णय लिया।

कोचिंग करियर पर लगा ब्रेक – द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित नवल सिंह 2015 से कोचिंग कर रहे थे और हाल ही में एथलीट सचिन यादव को ट्रेनिंग दे रहे थे।

अगरकर को मिला इनाम: कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू, 2027 तक बने रहेंगे मुख्य चयनकर्ता

मुंबई, एजेंसी। मुंबई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू किया और इस तरह उनका कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ गया है। यह फैसला 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि टीम चयन में निरंतरता बनी रहे। हालांकि, अब से एक साल यानी जून 2027 तक के लिए उनके कार्यकाल का विस्तार हुआ है। अगले साल वनडे विश्वकप अक्तूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होना है। ऐसे में अगरकर के कार्यकाल को तब भी विश्व कप तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। विश्व कप से ठीक पहले चयनकर्ता में बदलाव टीम के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

अगरकर की अगुआई में अक्तूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच भारतीय टीम ने चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले, जिनमें से तीन में जीत हासिल की। इसमें दो टी20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। ऐसे में उनका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू होना लगभग तय माना जा रहा था।

बीसीसीआई बताया, 'अगरकर ने खुद एक्सटेंशन नहीं मांगा। चयनकर्ता अधिकतम चार साल तक काम कर सकता है, इसलिए उनका कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया नहीं बल्कि रीन्यू किया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, अगरकर हमेशा चाहते थे कि उनका प्रदर्शन ही उनके भविष्य का फैसला करे।

बड़े फैसलों से बदली टीम

अगरकर के कार्यकाल में चयन समिति ने कई अहम और साहसी फैसले लिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास को सिंपल तरीके से संभालने के साथ-साथ अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रिप्लेसमेंट के तौर पर नए तेज गेंदबाजों को मौका देना शामिल है। इसके अलावा, टी20 वर्ल्ड कप में शुभमन गिल को बाहर कर फॉर्म में चल रहे ईशान किशन को मौका देना भी एक बड़ा और साहसी निर्णय रहा।

2027 वर्ल्ड कप पर फोकस

बीसीसीआई का मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम में स्थिरता बेहद जरूरी है। अगरकर के बने रहने से चयन प्रक्रिया में निरंतरता बनी रहेगी और टीम को लंबी योजना के तहत तैयार किया जा सकेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ अगरकर की जुगलबंदी भी अभी तक शानदार रही है। हालांकि, टेस्ट में भारत को अपने घर में हार का मुंह देखना पड़ा है। इसे भी आने वाले समय में अगरकर सुधारने की कोशिश करेंगे।

अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार वापसी, सीरीज 2-2 से ड्रॉ

ब्यूनर्सआयर्स (एजेंसी)। ब्यूनस आयर्स में खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने दमदार जज्बा दिखाते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबले हारने के बाद टीम इंडिया ने जबरदस्त वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर सीरीज ड्रॉ कर ली। इस प्रदर्शन ने टीम की मानसिक मजबूती और जुझारूपन को दर्शाया।

पहले दो मैचों में अर्जेंटीना का दबदबा – श्रृंखला की शुरुआत 13 अप्रैल को हुई, जहां पहले मैच में अर्जेंटीना ने भारत को 4-2 से हराया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने गोल किए, लेकिन मेजबान टीम की आक्रामकता के सामने यह नाकाफी साबित हुआ। जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर मैच का रुख तय किया। दूसरे मैच में भी अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अपनी टीम को लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस हार के बाद भारत पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

तीसरे मैच से भारत की दमदार वापसी- 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। नवनीत कौर और नेहा ने गोल कर टीम को मजबूती दी। इस जीत ने भारत को सीरीज में वापसी का मौका दिया और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया। भारतीय टीम ने इस मैच में आक्रामक और संतुलित खेल दिखाया, जिससे अर्जेंटीना की टीम दबाव में नजर आई।

आखिरी मैच में शूटआउट से जीती टीम इंडिया - 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और आखिरी मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया।

राशिद खान के घर गूंजी किलकारी, पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिन गेंदबाज राशिद खान पिता बन गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट के जरिए दी है। राशिद ने अपने बेटे का नाम 'अजलान' रखा है। राशिद आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेल रहे हैं।

राशिद ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अल्हम्दुलिल्लाह। दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, मेरे नन्हे राजकुमार।' उन्होंने अपने चाहने वालों से गुजारिश की कि वे उनके परिवार के लिए दुआ करें। इस पोस्ट पर जल्द ही साथी क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत के लोगों की तरफ से बधाई संदेश आने लगे। राशिद ने पिछले साल दूसरी शादी की थी, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी थी।

लियोनल मेसी का डबल धमाका

इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

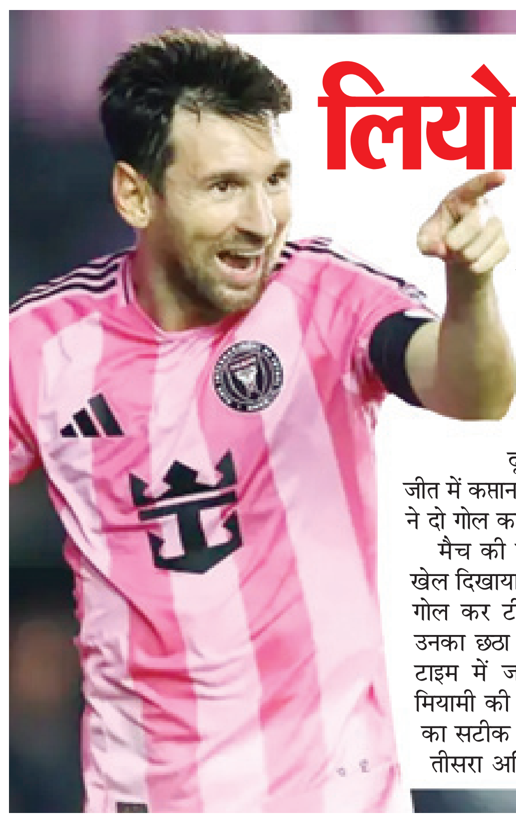

डेनवर, एजेंसी। लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग सॉकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी।

मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टॉपेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रॉस अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था।

मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंचा

दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं। हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोद्रिगो डी पॉल के पास पर शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पॉल का तीसरा असिस्ट रहा। मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है, जहां अब तक वह तीन जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ 13 अंक हासिल कर चुकी है। इंटर मियामी अब अगले मुकाबले में फिर से कोलोराडो रैपिड्स का सामना करने के लिए डेनवर का दौरा करेगा, जहां एक और रोमांचक भिड़ंत की उम्मीद की जा रही है।

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा, 2027 वनडे वर्ल्डकप तक टीम चुनेंगे

इनके रहते में भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते; रोहित-कोहली जैसे दिग्गजों का संन्यास

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआईमने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक इस पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि अगरकर का कार्यकाल रिन्यू किया गया है, एक्सटेंड नहीं। वे अपनी परफॉर्मेंस के आधार पर चौथे साल के लिए पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक, सिलेक्टर अधिकतम चार साल तक पद पर रह सकता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप बढ़ाने की मांग की थी। बोर्ड ने 2023 में दो साल के लिए अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाया था। 2025 में उन्हें पहले ही एक साल का एक्सटेंशन मिल चुका था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक के लिए रिन्यू किया जा रहा है। इस तरह अगरकर कुल चार साल चीफ सिलेक्टर रहेंगे।

कार्यकाल में भारत के नाम दो टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी

अजित अगरकर का अब तक का कार्यकाल बेहद सफल रहा। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच उनके द्वारा चुनी गई भारतीय टीमों ने चार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में जगह बनाई। इनमें से भारत ने तीन खिताब अपने नाम किए। 2024 और 2026 में दो टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कोहली-रोहित के संन्यास और शमी को बाहर करने जैसे कड़े फैसले - अगरकर की अगुवाई वाली कमेटी ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए। इसमें सबसे प्रमुख विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को संभालना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना था। वहीं 2026 टी-20 वर्ल्ड कप टीम से टेस्ट और वनडे कैप्टन शुभमन गिल को ड्रॉप करके ईशान किशन जैसे इन-फॉर्म खिलाड़ी को मौका देने जैसे बड़े फैसले भी लिए।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कंटिन्यूटी पर फोकस - अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होना है। बीसीसीआई चाहता है कि टीम की कोर और चयन प्रक्रिया में स्थिरता बनी रहे। अगरकर का कार्यकाल बढ़ने का मतलब है कि वे अगले वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार करने के मिशन पर काम जारी रखेंगे। बोर्ड का मानना है कि इस समय चयन समिति के नेतृत्व में बदलाव करना टीम की लय को बिगाड़ सकता है।

आयुष म्हात्रे के हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि

सीएसके कोच ने कहा – यह काफी गंभीर लग रही है

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बैटिंग कोच माइकल हसी ने बताया कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (आ गया है और यह काफी गंभीर लग रही है। शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के मैच के दौरान 18 साल के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को विकेटों के बीच दौड़ते समय परेशानी का सामना करते देखा गया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइकल हसी ने पुष्टि की कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि स्कैन होने तक चोट की गंभीरता के बारे में ठीक-ठीक कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने माना कि यह गंभीर लग रही है और खिलाड़ी की अच्छी फॉर्म को देखते हुए यह टीम के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। माइकल हसी ने कहा, यह हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। पता नहीं यह कितना गंभीर है। हम शायद कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे। मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन हां, यह काफी गंभीर लग रही है। बदकिस्मती से, उसका बाहर होना टीम के लिए एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में था। सीएसके यह मैच एसआरएच से 10 रनों से हार गई, लेकिन आयुष म्हात्रे ने सिर्फ 13 गेंदों में 30 रनों की तेज पारी खेलकर सबको प्रभावित किया। वह इससे पहले भी शानदार फॉर्म में थे; उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 गेंदों में 38 रन बनाए थे और इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 73 रनों की यादगार पारियां भी खेली थीं।

पूर्व क्रिकेटर अश्विन ने बताई वजह

क्यों रन नहीं बना पा रहे ऋतुराज गायकवाड़...

चेन्नई, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में फॉर्म में वापसी करने का एक शानदार मौका गंवा दिया। सनराइजर्स ने शनिवार को खेले गए मैच में सीएसके को 10 रन से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए जिसके जवाब में सीएसके आठ विकेट पर 184 रन ही बना पाया। अश्विन ने कहा कि गायकवाड़ दबाव में नजर आ रहे हैं।

अश्विन ने जियोस्टार से कहा, 'ऋतुराज के लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे की अच्छी शुरुआत को देखते हुए उन्हें जोखिम लेने या तेज गति से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। पावरप्ले में उनकी टीम पूरी तरह हावी थे। रुतुराज के पास क्रीज पर कुछ समय बिताने , कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापसी करने का सुनहरा अवसर था।'

अश्विन ने कहा, 'आयुष म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद, ऋतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, वह पुल शॉट अच्छी तरह से खेलता है लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत दबाव में है और उसका दिमाग थोड़ा उलझन में है।' ऋतुराज ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपने पहले छह मैचों में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका औसत मात्र 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 है। सनराइजर्स की तरफ से श्रीलंका के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने शानदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट लिए। सनराइजर्स के गेंदबाजी कोच वरुण एरॉन ने उनकी जमकर तारीफ की।

एरॉन ने कहा, 'ईशान मलिंगा को कम करके आंका जाता है। उन्होंने शुरू से ही अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। खासकर जब गेंद रिवर्स स्विंग होती है, तो डेथ ओवरों में वह और भी प्रभावी हो जाता है।

अगर आप कहें तो रिटायर हो जाऊं: मोहम्मद रिजवान

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मो. रिजवान ने खराब फॉर्म को लेकर हो रही आलोचना पर खुलकर बात की है। पीसीएल 2026 में टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने माना कि उनकी मौजूदा फॉर्म टी20 टीम में जगह के लायक नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि वह हार मानने वाले नहीं हैं।

रिजवान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के हकदार नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं बिग बैश लीग खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं पाकिस्तान टीम में जगह डिजर्व नहीं करता। लोग कहते थे कि मैं छक्के नहीं मार सकता, लेकिन मैं हमेशा सच बोलता हूं।'

रिजवान ने खुलासा किया कि उन्होंने राउफ से भी यही बात कही थी। उन्होंने कहा, 'हारिस रऊफ यहां बैठे हैं, वह गवाह हैं। हमने डिनर के दौरान बात की थी और मैंने उनसे भी कहा था कि मेरी मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुझे टीम में नहीं होना चाहिए।'

रिजवान ने साफ कहा कि वह मुश्किल सवालों से नहीं डरते और अगर लोग उन्हें रिटायर होने की सलाह देते हैं, तो वह इस पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा।'

खराब फॉर्म के बावजूद रिजवान ने वापसी का भरोसा जताया और कहा कि क्रिकेट ही उनकी पहचान है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।'हालांकि टेस्ट क्रिकेट में उनके पास वापसी का मौका है, जहां पाकिस्तान जल्द ही बांग्लादेश दौरे पर जाएगा।

भटके हिरण पर कुत्तों का हमला, एक की मौत

• जंगलों में पानी की कमी और कटाई से बढ़ा संकट, शहरों की ओर भटक रहे वन्यजीव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

छतरपुर (पलामू): पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। जंगल से भटककर शहर पहुंचे हिरणों के एक झुंड में से एक हिरण की आवारा कुत्तों के हमले में दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने जंगलों में घटते संसाधनों और वन्यजीवों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब एक दर्जन हिरण सुबह हाई स्कूल मैदान तक पहुंच गए थे। इसी दौरान एक हिरण झुंड से अलग होकर सोनार मोहल्ला की ओर चला गया। वहां पहले से मौजूद आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया और हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। गंभीर रूप से घायल हिरण ने कुछ ही देर में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत हिरण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी वनपाल लक्ष्मीकांत पांडे ने बताया कि

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सटीक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि भीषण गर्मी, जल स्त्रोतों के सूखने और लगातार हो रही जंगलों की कटाई के कारण वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास तेजी से सिमट रहा है। ऐसे हालात में जानवर भोजन और पानी की तलाश में गांव और शहरों की ओर रुख करने को

मजबूर हो रहे हैं। वन विभाग के अनुसार, पूर्वी वन क्षेत्र में जानवरों के लिए नाले और चेकडैम के जरिए पानी की व्यवस्था की गई है। बावजूद इसके कई इलाकों में पानी की कमी बनी हुई है, जिससे वन्यजीवों का भटकाव बढ़ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि यह हिरणों का झुंड महुअरी क्षेत्र के जंगलों से भटककर छतरपुर पहुंचा था। इधर, ग्रामीणों का कहना है कि हाल के दिनों में नीलगाय, बंदर, लंगूर और हिरण जैसे जंगली जानवरों का गांवों में आना बढ़ गया है, जिससे फसलों को भी नुकसान हो रहा है। यह घटना केवल एक हिरण की मौत नहीं, बल्कि जंगलों के सिकुड़ते दायरे और वन्यजीवों पर बढ़ते संकट का संकेत है। विशेषज्ञों ने जंगल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और वन्यजीवों के सुरक्षित आवास के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी डिलीवरी का आरोप, गैस एजेंसी पर कालाबाजारी का मामला

चौपारण: प्रखंड क्षेत्र में घरेलू गैस वितरण व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। ग्राम दादपुर निवासी अशोक दांगी ने सिंघरावा स्थित सत्यनाम भारत गैस एजेंसी के खिलाफ फर्जी डिलीवरी, कालाबाजारी और उपभोक्ता अधिकारों के हनन का आरोप लगाते हुए अंचल पदाधिकारी संजय यादव और एमओ विक्रम पांडेय को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत के अनुसार, उपभोक्ता द्वारा गैस सिलेंडर की बुकिंग के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिला, जबकि 25 मार्च 2026 को सिस्टम में डिलीवरी दर्ज कर दी गई और एसएमएस भी भेज दिया गया। 27 मार्च को खाते में 38.74 रुपये की सब्सिडी आने से कागजों में पूरी प्रक्रिया पूर्ण दिखाने की आशंका जताई गई है। आरोप है कि सिलेंडर किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया गया। पीड़ित ने यह भी बताया कि बिना जानकारी उनके गैस कनेक्शन को बरही स्थित दूसरी एजेंसी में ट्रांसफर कर दिया गया। इस कारण परिवार को 15–20 दिनों तक खाना बनाने में भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई बार एजेंसी का चक्कर लगाने के बावजूद समाधान नहीं मिला। मामले को गंभीर बनाते हुए पीड़ित ने एजेंसी से जुड़े एक व्यक्ति पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई, गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने और हर्जाना दिलाने की मांग की है। अब प्रशासन की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

समाजसेवी शांति देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, लोगों ने किया नमन

मेदिनीनगर : पलामू जिले के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार की सास स्वर्गीय शांति देवी की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिले के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए और सभी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शांति देवी के आदर्शों और उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर झारखंड सरकार माटी कला बोर्ड के सदस्य एवं संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश देव ने कहा कि शांति देवी अत्यंत मिलनसार और समाजसेवी महिला थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज के हर वर्ग, विशेषकर जरूरतमंदों की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने आगे कहा कि शांति देवी के निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। ऐसे में उनके आदर्शों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। इस श्रद्धांजलि सभा में जिले के कई डॉक्टर, पत्रकार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेश कुमार ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल

कोलेबिरा: कोलेबिरा सिमडेगा मुख्य पथ एनएच-143 पर लोहा पुल टर्निंग के समीप रविवार को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलेबिरा नवाटोली निवासी लगभग 40 वर्षीय घनश्याम सिंह रांची से अपनी साली की शादी में शामिल होने के लिए बंगरू जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह लोहा पुल टर्निंग के पास पहुंचे,सिमडेगा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को टेंपो के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,कोलेबिरा पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सिमडेगा रेफर कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की जा रही है।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पड़रिया में बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी आदमकद की प्रतिमा का अनावरण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू नौडीहा बाजार – हरिहरगंज प्रखंड के सीमावर्ती ढ़कचा पंचायत के अंतर्गत पड़रिया गांव में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी के आदम कद की प्रतिमा गाजे बाजे के साथ पूरे गांव के भ्रमण करते हुए रविवार को प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में नौडीहा बाजार प्रखंड के प्रखंड प्रमुख रेशम कुमारी,रविदास विकास समिति अध्यक्ष रामगोविन्द राम शिक्षक, सेवा निवृत शिक्षक जुदागिर राम, अवकाश प्राप्त शिक्षक जगदीप कुमार राम,पूर्व जिला प्रभारी अनुज कुमार, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार पिकेट प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह,विशुनपुर पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार भारती, पत्रकार विश्वप्रेम कुमार रंजन,रविन्द्र कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित हुए बौद्ध पद्धति के उच्चारण कर मालार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख रेशम कुमारी एवं विशिष्ट अतिथि रामगोविन्द राम शिक्षक रविदास विकास समिति प्रखंड इकाई नौडीहा बाजार के मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन आदर्श रविदास दल पड़रिया के बैनर तले किया गया था। कार्यक्रम के संबोधन मुख्य अतिथि प्रमुख रेशम कुमारी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी के जीवनी एवं उनकी बताए हुए मार्ग पर को अपनाने की जरूरत है। आदर्श रविदास दल के द्वारा अतिथियों का अंगवस्त्र एवं माला देकर सम्मानित किया गया। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपासक डॉ अभिषेक कुमार धर्मपत्नी दौलती देवी ने अहम भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने रहे व्यास राजेश रौशन ने गीत संगीत पेश किया।मौके पर मुखिया प्रत्याशी गोविंद कुमार पासवान, पंचायत समिति सदस्य बलि पाल,मुखिया प्रतिनिधि बैजनाथ भारती, वार्ड सदस्य शारदा देवी, कृष्णा पाल शिक्षक,सूर्यदेव सिंह के अलावा आदर्श रविदास दल के अध्यक्ष सुदेश्वर राम, उपाध्यक्ष शिवलाल राम, कोषाध्यक्ष अजय कुमार , सचिव सुदामा राम, मुख्य संरक्षक विंदेश्वर कुमार शिक्षक, विलास राम,कृष्णा राम ,सुरेन्द्र राम के अलावा काफी संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में टुकसी देवी बनीं सहायिका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामू: हैदरनगर प्रखंड अंतर्गत परता गांव के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या–1 में सहायिका पद पर टुकसी देवी के चयन से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बाल विकास परियोजना के पत्रांक संख्या 64 दिनांक 17 अप्रैल 2026 तथा झारखंड सरकार के निर्देशों के आलोक में यह चयन प्रक्रिया पूरी की गई। साथ ही पलामू जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के ज्ञापांक संख्या 667 के तहत दिनांक 10 अप्रैल 2026 को टुकसी देवी, पति मुकेश कुमार विश्वकर्मा, को आधिकारिक रूप से सहायिका के पद पर चयनित किया गया। इस अवसर पर हैदरनगर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा द्वारा टुकसी देवी को चयन का स्वीकृति पत्र सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने चयनित सहायिका को उनके कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण केंद्र होता है, जहां पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। ऐसे में सहायिका की भूमिका अत्यंत अहम होती है। मौके पर उपस्थित प्रवेक्षिका शोभा देवी ने भी टुकसी देवी को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना होगा, ताकि क्षेत्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। वहीं पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडे सहित अन्य ग्रामीणों ने भी चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की और उम्मीद जताई कि टुकसी देवी अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर योग्य उम्मीदवार के चयन से केंद्र की कार्यप्रणाली में और सुधार आएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने टुकसी देवी को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

OBC मोर्चा के दबाव में टूटा अनशन, जांच की मांग पर अड़ा संगठन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू:राष्ट्रीय OBC मोर्चा के दबाव और बढ़ते जनसमर्थन के बीच लातेहार जिला प्रशासन ने आखिरकार समाजसेवी बलराम प्रसाद का आमरण अनशन तुड़वा दिया। करीब 70 घंटे से अधिक समय तक चले इस अनशन के समाप्त होने को मोर्चा ने अपनी एकजुटता और जनदबाव की जीत बताया है। वहीं संगठन ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी मुख्य मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जानकारी के अनुसार, लातेहार जिले के महुआडांड़ निवासी समाजसेवी बलराम प्रसाद पिछले चार दिनों से राजभवन, रांची के समक्ष आमरण अनशन पर बैठे हुए थे। उन्होंने महुआडांड़ के एसडीओ और अंचलाधिकारी (सीओ) पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे थे। लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति और बढ़ते जनदबाव के बीच जिला प्रशासन हरकत में आया और वार्ता के बाद अनशन समाप्त कराया गया। प्रशासन की ओर से स्थानीय मजिस्ट्रेट मोहम्मद जफर हसनैन ने बलराम प्रसाद को जूस पिलाकर उनका अनशन समाप्त कराया। इस दौरान प्रशासन ने आरोपों की जांच कराने का आश्वासन भी दिया। हालांकि, इस आश्वासन के बावजूद OBC मोर्चा ने अपने रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई है। राष्ट्रीय OBC मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह सिर्फ एक चरण की जीत है। उन्होंने कहा कि संगठन अपनी मांगों पर पूरी तरह अडिग है और किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। उन्होंने प्रशासन से तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, महुआडांड़ के एसडीओ विपिन कुमार दुबे और सीओ संतोष बैठा पर लगे सभी 15 भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एक सप्ताह के भीतर कमिश्नर स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जाए। दूसरी, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाया जाए। तीसरी, बलराम प्रसाद की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन सुनिश्चित करे ताकि उन्हें भविष्य में किसी प्रकार की हानि न हो। श्री गुप्ता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सात दिनों के भीतर जांच समिति का गठन नहीं किया गया, तो राष्ट्रीय OBC मोर्चा 26 अप्रैल 2026 से लातेहार समाहरणालय के समक्ष चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि OBC समाज अब अपने अधिकारों और सम्मान के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि संगठित जनदबाव और शांतिपूर्ण आंदोलन के जरिए प्रशासन को निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जा सकता है। फिलहाल, सभी की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष: 46 लोगों का हमला, महिला समेत कई गंभीर घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गढ़वा: केतार थाना क्षेत्र के ताली गांव में रविवार को जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। करीब 46 लोगों की भीड़ ने एक परिवार के घर पर धावा बोल दिया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस हमले में महिला समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित भरदुल साह के अनुसार, आरोपी लाठी-डंडा, भाला, गड़ासा समेत अन्य हथियारों से लैस होकर जबरन उनके घर में घुस आए और परिवार के सदस्यों पर बेरहमी से हमला कर दिया। इस दौरान उनकी बड़ी मां रुक्मणी देवी को बाल पकड़कर घसीटा गया, उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी के मुताबिक, जिस जमीन को लेकर विवाद हुआ, उस पर पहले से प्रशासनिक रोक लगी हुई थी। बावजूद इसके दूसरे पक्ष द्वारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। जब पीड़ित परिवार ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने पथराव करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में भरदुल साह की आंख पर गंभीर चोट आई है, जबकि उनके भाई गांधू साह का दांत टूट गया और होंठ फट गया। रुक्मणी देवी भी बुरी तरह घायल हो गईं। पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान सोने का झुमका भी छीन लिया गया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर किया गया है। मामले में पुलिस ने 26 नामजद समेत कुल 46 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। फिलहाल गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, लेकिन पुलिस की निगरानी में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

पलामू में नए कप्तान का कड़ा संदेश: "अपराधियों के लिए अब कोई जगह नहीं"

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू: पलामू जिले की कानून-व्यवस्था में एक नए दौर की शुरुआत हो चुकी है। जिले के 71वें पुलिस अधीक्षक के रूप में युवा और तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी कपिल चौधरी ने पदभार संभालते ही ऐसा सख्त संदेश दिया है, जिसने अपराधियों के बीच हलचल मचा दी है। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अब पलामू में अपराध और अपराधियों के लिए कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। निवर्तमान एसपी से प्रभार लेने के बाद कपिल चौधरी ने IRB-10 की जिम्मेदारी भी संभाली और तुरंत ही अपने तेवर दिखा दिए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जिले में मजबूत कानून-व्यवस्था स्थापित करना है, ताकि आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा—"जनता के लिए पुलिस हमेशा मैत्रीपूर्ण रहेगी, लेकिन अपराधियों के लिए सख्ती ही हमारी पहचान होगी।" एसपी कपिल चौधरी के इस बयान ने साफ संकेत दे दिया है कि अब अपराधियों की खैर नहीं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिले में सक्रिय असामाजिक तत्वों, बदमाशों और अपराधियों के खिलाफ लगातार और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी हाल में कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस की कार्रवाई में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नए एसपी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि वे जनता की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और पुलिस-जनता के बीच की दूरी को कम करना उनकी प्रमुख रणनीति होगी। उनका मानना है कि जब तक जनता और पुलसि के बीच विश्वास मजबूत नहीं होगा, तब तक अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाना मुश्किल है। कपिल चौधरी ने पलामू के नागरिकों से भी खुलकर सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि लोग निर्भीक होकर पुलिस को सूचना देंगे, तो अपराधियों को पकड़ना और कानून व्यवस्था बनाए रखना और आसान हो जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर सूचना को गंभीरता से लिया जाएगा और सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी। पलामू में बढ़ते अपराध को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही थी, ऐसे में नए एसपी का यह सख्त और स्पष्ट रुख आम जनता के लिए राहत की खबर माना जा रहा है। अब देखना होगा कि उनके नेतृत्व में पुलिस किस तरह से जिले में अपराध पर अंकुश लगाती है। फिलहाल इतना तय है कि पलामू में अब "मैत्री भी होगी और सख्ती भी"—और यह संतुलन ही आने वाले दिनों में जिले की तस्वीर बदल सकता है।

नॉकआउट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन, रोमांचक मुकाबलों से दर्शक उत्साहित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हुसैनाबाद. पलामू : हुसैनाबाद के कर्पूरी मैदान में आदर्श युवा जागृति मंच के तत्वावधान में स्वर्गीय धर्मदेव राम की स्मृति में आयोजित नॉकआउट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बीडीओ हुसैनाबाद सुनील वर्मा, विशिष्ट अतिथि पलामू लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सह आदर्श युवा जागृति मंच के संरक्षक जितेंद्र पासवान, हुसैनाबाद की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष उषा देवी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।उद्घाटन के बाद खेले गए पहले मुकाबले में जपला किंग्स ने अलीनगर को 6 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में जपला टीम के संदीप कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं दूसरे मुकाबले में गम्हरिया ने देवरी को 58 रनों से पराजित किया, जिसमें गम्हरिया के बल्लेबाज रोहित कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। उद्घाटन दिवस पर दो मुकाबलों में कुल चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें मुकाबले काफी रोमांचक रहे। मैच के दौरान मैदान के चारों ओर बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने आयोजन की रौनक बढ़ा दी और लोगों ने देर रात तक क्रिकेट का आनंद लिया।अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं की प्रतिभा निखरती है और उन्हें अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर अवसर मिलता है। वहीं पलामू के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जितेंद्र पासवान ने कहा कि खेलकूद युवाओं को सही दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम है। इससे युवा सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हैं और समाज में बेहतर योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं में अपार प्रतिभा है, जिसे इस तरह के मंच के माध्यम से नई पहचान मिलती है। मैच उद्घाटन समारोह में स्कूली बच्चों की भी सहभागिता रही, जिसमें रेड रोज पब्लिक स्कूल के बच्चे शामिल हुए, वहीं राष्ट्रगान सक्सेस पब्लिक स्कूल के छात्र द्वारा प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन राणा रंजीत सिंह एवं शक्ति सिंह ने किया, जबकि अंपायरिंग की जिम्मेदारी मनोज शर्मा और नदीम रिजवी ने निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी के रूप में प्रदीप पटेल व रबिन्द्र कांस्कार उर्फ टंकी की अहम भूमिका रही। वहीं आदर्श युवा जागृति मंच के अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रभात कुमार, कोषाध्यक्ष अंकित सोनी, रवि गुप्ता, सदस्य अर्जुन पटेल, मनोज अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, राहुल भगत, विकास चंदेल, शेखर अग्रवाल, स्वीटी गुप्ता, सौरव गुप्ता, सत्यम अग्रवाल, राहुल गुप्ता, बिपिन पटेल, विकास पटेल, अनुराग अग्रवाल, विकास मोदनवेल, अक्षय सिंह, अभिषेक कुमार, अभिषेक भगत, रिशु गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, रंजीत सिंह, प्रेम प्रकाश सोनी, व्यवस्थापक प्रेमचंद चौधरी, अंतु चौधरी, मंजय चंदेल सहित कई लोग मौजूद रहे।